THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 300 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.8, 2082 सोमवार, 26 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी, हिमाचल में तापमान माइनस 7

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की भद्रवाह घाटी में लंबे इंतजार के बाद इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। पटनीटॉप, नथाटॉप, सनासर और बटोटे में भी इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल में बर्फबारी से तापमान और गिर गया है। यहां कुसुमकेरी का तापमान माइनस 7ओसी रहा। हिमाचल प्रदेश में भी बर्फबारी के कारण 1291 सड़कें बंद हैं। बर्फ हटाने के लिए 385 मशीनें लगाई हैं। हिमाचल और कश्मीर में 1300 से ज्यादा सड़कों पर से बर्फ हटाने का काम लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि यहां 40-50 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

भारत दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : पीएम

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 130वें एपिसोड में मतदाता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। लोगों से नए वोटर्स के लिए मिठाई बांटने की अपील की। पीएम ने सोशल मीडिया पर चल रहे 2016 की तस्वीरें शेयर करने के ट्रेंड पर बात की। उन्होंने अपनी सरकार के काम पर बात करते हुए कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम बन चुका है। ये स्टार्टअप लीक से हटके हैं, जिनके बारे में 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

उन्होंने कहा कि मैं अपने उन सभी युवा साथियों को सैल्यूट करता हूं, जो किसी न किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या नया स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं। पीएम ने भारतीय प्रडोक्ट्स को लेकर कहा कि हम सभी का एक ही मंत्र हो क्वालिटी क्वालिटी और क्वालिटी। इंडियन प्रोडक्ट का मतलब बन जाए क्वालिटी। हम संकल्प लें कि क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होगा।

पीएम ने कहा- जैसे हम जन्मदिन मनाते हैं उसी तरह, जब भी कोई युवा पहली बार वोटर बनता है, तो पूरे मोहल्ले, गांव या शहर को एक साथ आकर उसे बधाई देनी चाहिए और मिठाई बांटनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे वोटिंग के बारे में जागरूकता बढ़ेगी और यह भावना मजबूत होगी कि वोटर होना कितना जरूरी है। इससे पहले पीएम ने एक्स पर वोटर्स डे से जुड़ा एक लेटर भी शेयर किया।

हर सेक्टर में काम हो रहा :

पीएम ने स्टार्टप इंडिया पर कहा कि एआई, स्पेस, न्यूक्लियर एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोटेक्नोलॉजी... आप नाम लीजिए और आपको कोई न कोई भारतीय स्टार्टअप उस सेक्टर में काम करता हुआ मिल जाएगा।

पीएम ने उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ की तमसा नदी के लिए कहा कि लोगों ने तमसा नदी को नया जीवन दिया है। तमसा सिर्फ एक नदी नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की एक जीवित धारा है। यह नदी, जो अयोध्या से गुजरती है और गंगा में मिल जाती है, कभी इस क्षेत्र के लोगों के जीवन का आधार थी। हालांकि, प्रदूषण के कारण इसका लगातार प्रवाह बाधित हो गया था।

इसी तरह की जनभागीदारी की कोशिश आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में भी देखी गई है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो गंभीर सूखे से जूझ रहा है। यहां की मिट्टी लाल और रेतीली है, जिस वजह से लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है।

इस कोशिश के तहत, 10 से ज्यादा जलाशयों को फिर से जिंदा किया गया है। ये जलाशय अब पानी से भर रहे हैं। साथ ही, 7,000 से ज्यादा पेड़ लगाए गए हैं। इसका मतलब है कि पानी बचाने के साथ-साथ अनंतपुर में हरियाली भी बढ़ी है।

पीएम ने कहा कि जब पर्यावरण सरंक्षण की बात होती है, तो अक्सर हमारे मन में बड़ी योजनाएं, बड़े अभियान और बड़े-बड़े संगठन की बातें आती हैं। लेकिन कई बार बदलाव की शुरूआत बहुत साधारण तरीके से होती है।

उन्होंने बेनॉय दास के लिए कहा कि उन्होंने हजारों पेड़ लगाए हैं, कई बार पौधे खरीदने से लेकर उन्हें लगाने और देख-भाल करने का सारा खर्च खुद ने उठाया है। वहीं, मध्य प्रदेश में पन्ना जिले के जगदीश प्रसाद अहिरवार के प्रयासों की भी सराहना की।

पीएम ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अब तक देश में 200 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगाए भी जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये बताता है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर अब लोग ज्यादा जागरूक हैं, और किसी-ना-किसी रूप में अपना योगदान देना चाहते हैं।

आज भारतीय संस्कृति और त्योहारों की पहचान पूरी दुनिया में बन रही है। विदेशों में भी भारत के त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीय अपनी भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ा रहे हैं।

'बीजेपी के इशारे पर लोकतंत्र को कमजोर कर रहा चुनाव आयोग' : ममता बनर्जी

कोलकाता, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाए जाने को एक दुखद तमाशा बताया है।

उन्होंने चुनाव आयोग पर विपक्ष को दबाने और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के इशारे पर देश के लोकतंत्र को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया है। बनर्जी का कहना है कि चुनाव आयोग अपने आकाओं के कहने पर काम कर रहा है और लोगों के वोट देने के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहा है।

ममता बनर्जी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि बीजेपी के अपने आकाओं की ओर से वे विपक्ष को कुचलने और भारत के लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने में लगे हैं। फिर भी वे मतदाता दिवस मनाने की ढोंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री बनर्जी चुनाव आयोग पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जल्दबाजी में कराने का आरोप लगा रही हैं।

आपकी आवाज महत्वपूर्ण है, इसे बुलंद करना मेरी जिम्मेदारी : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वायु प्रदूषण की वजह से लोगों को स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा खामियाजा बच्चे और बुजुर्ग भुगत रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लोगों से वायु प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। राहुल ने लिखा, हम वायु प्रदूषण की बहुत भारी कीमत चुका रहे हैं- अपने स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी और देश की अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी। करोड़ों आम भारतीय हर दिन इसका बोझ झेल रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा, बच्चे और बुजुर्ग इसकी वजह से सबसे ज्यादा पीड़ा सहते हैं। निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी कामगार, जैसे लोग इसकी सबसे बड़ी मार झेलते हैं।

कितने भी जुल्म कर लो, पीछे नहीं हटूंगा : अविमुक्तेश्वरानंद

कुछ लोगों ने शिविर में घुसने की कोशिश की थी, 'योगी जिंदाबाद' के नारे लगाए

प्रयागराज, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच 7 दिनों से विवाद जारी है। शिविर में युवकों के हंगामे पर अविमुक्तेश्वरानंद ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा- हमारे ऊपर आक्रमण इसलिए किया गया है, क्योंकि हम गो-रक्षा की बात कर रहे हैं। हम इनकी (भाजपा) आंख की किरकिरी बन गए हैं, कितना भी परेशान करें, मैं पीछे नहीं हटूंगा। जितना हमारे ऊपर जुल्म होगा, उतनी ही मजबूती से कदम उठाऊंगा।

दरअसल, शनिवार रात कट्टर सनातनी सेना नाम के संगठन के 8 से 10 युवक भगवा झंडा लिए नारे लगाते पहुंच गए थे। शंकराचार्य के शिविर में घुसने की कोशिश की। 'आई लव बुलडोजर बाबा' और 'योगी जिंदाबाद' के नारे लगाने लगे।

अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों से धक्का-मुक्की भी हुई। 15 मिनट तक हंगामा चला। संगठन का प्रमुख सचिन सिंह नाम का व्यक्ति बताया जा रहा है। इसके बाद शंकराचार्य के शिष्यों ने शिविर को चारों तरफ से ढंक दिया। अंदर जाने के रास्ते ब्लॉक कर दिए।

शंकराचार्य के शिविर प्रभारी ने थाने में शिकायत दी है। कहा है कि असामाजिक लोग लाठी-डंडे और झंडे लेकर आए थे। जबरन शिविर में घुसकर मारपीट करने पर उतारू थे। शिविर में मौजूद सेवकों ने उन्हें समझाकर बाहर निकाल दिया, लेकिन हालात काफी गंभीर थे। बड़ी घटना हो सकती थी। ऐसे में शंकराचार्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

जजों का तबादला न्यायपालिका का आंतरिक मामला : जस्टिस भुइयां

सरकार के खिलाफ फैसला देने पर ट्रांसफर ठीक नहीं, संविधान सर्वोच्च है

पुणे, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने शनिवार को कहा कि जजों का ट्रांसफर न्यायपालिका का आंतरिक मामला है। इसमें सरकार या केंद्र की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ फैसले देने वाले जजों का तबादला करना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हस्तक्षेप है। जस्टिस भुइयां पुणे के आईएलएस लॉ कॉलेज में प्रिंसिपल जीवी पंडित मेमोरियल लेक्चर में शामिल हुए थे।

जस्टिस भुइयां ने कहा कि जब कॉलेजियम के प्रस्ताव में ही यह दर्ज हो कि किसी जज का ट्रांसफर केंद्र सरकार के दोबारा विचार करने के कारण हुआ, तो यह कॉलेजियम सिस्टम की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

केंद्र सरकार का हाई कोर्ट जजों के ट्रांसफर या पोस्टिंग में कोई दखल नहीं हो सकता। यह पूरी तरह न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है और न्याय के बेहतर प्रशासन के लिए होना चाहिए।

कॉलेजियम के फैसलों में कार्यपालिका के असर की यह खुली स्वीकृति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। देश के संविधान निर्माताओं ने संसद की संप्रभुता के बजाय संविधान की सर्वोच्चता को चुना। भारत में संसद सर्वोच्च नहीं है, संविधान सर्वोच्च है।

अक्टूबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन का ट्रांसफर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से बदलकर इलाहाबाद हाई कोर्ट करने की सिफारिश की थी। कॉलेजियम के बयान में यह दर्ज था कि यह बदलाव केंद्र सरकार के पुनर्विचार अनुरोध के बाद किया गया।

गणतंत्र दिवस पर 982 पुलिस कर्मियों को सेवा मेडल

इनमें 125 वीरता पुरस्कार शामिल, जम्मू-कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 45 मेडल

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस 2026 पर केंद्र सरकार ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सेवा मेडल की घोषणा की है। इस बार 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़ें कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। इन पुरस्कारों में 125 वीरता पदक (गैलेंट्री मेडल्स) भी शामिल हैं।

सबसे ज्यादा 45 वीरता पदक जम्मू और कश्मीर ऑपरेशन थिएटर में तैनात कर्मियों को दिए गए हैं। इसके बाद नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के 35 और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 5 कर्मियों को दिए गए हैं। फायर ब्रिगेड सर्विस के 4 बचावकर्मी भी वीरता पदक विजेताओं में चुने गए हैं।

982 वीरता और सेवा मेडल में से 125 गैलेंट्री मेडल हैं। 101 प्रेसिडेंट मेडल और 756 मेरिटोरियस सर्विस मेडल हैं। जम्मू और कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 33 वीरता पदक दिए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस को 31 मेडल, उत्तर प्रदेश पुलिस को 18 मेडल और दिल्ली पुलिस को 14 मेडल दिए गए हैं।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सीआरपीएफ एकमात्र फोर्स है जिसे 12 पदकों के साथ वीरता पुरस्कार मिले हैं। सीबीआई के 31 अधिकारियों को प्रेसिडेंट मेडल और मेरिटोरियस मेडल से मिले हैं। इनमें आरजी कर रेप-मर्डर केस की जांच करने वाले सीबीआई के जॉइंट डायरेक्टर वी चंद्रशेखर भी शामिल हैं। चंद्रशेखर ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के रेप-मर्डर केस की जांच की थी।

125 गैलेंट्री मेडल : 121 पुलिस कर्मियों और 4 फायर ब्रिगेड को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है।

101 प्रेसिडेंट मेडल : 89 पुलिस कर्मी, 5 फायर ब्रिगेड कर्मी, 3 सिविल डिफेंस-होम गार्ड सेवा को और 4 मेडल करेक्शनल सर्विस के लिए दिए गए हैं।

756 मेरिटोरियस सर्विस मेडल : 664 पुलिस सेवा को, 34 फायर ब्रिगेड कर्मी, 33 सिविल डिफेंस-होमगार्ड को और 25 करेक्शन सर्विस के लिए दिए गए हैं।

जानिए इन अवॉर्ड्स के बारे में :

वीरता पदक : किसी व्यक्ति को वीरता के दुर्लभ असाधारण कार्य, जीवन-संपत्ति बचाने, अपराध को रोकने, अपराधियों को गिरफ्तार करने में असाधारण वीरता के लिए दिया जाता है। संबंधित अधिकारी के दायित्व-कर्तव्य को ध्यान में रखकर जोखिम का अनुमान लगाया जाता है।

प्रेसिडेंट सेवा मेडल : पीएसएम सेवा में विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है।

मेधावी सेवा मेडल : यह पद सेवा संसाधन और कर्तव्यनिष्ठा से की जाने वाली मूल्यवान सेवा के लिए दी जाती है।

तेजस्वी यादव राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

रोहिणी बोलीं- जिम्मेदारी संभालने वाले अपने गिरेबान में झांकें, मुंह छिपाने की बजाय जवाब दें

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को राजद का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। पटना के होटल मौर्य में आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भोला यादव ने प्रस्ताव रखा, जिसपर सभी नेताओं ने सहमति जताई।

बैठक में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती, संजय यादव समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बैठक में बिहार चुनाव में मिली हार पर भी चर्चा हुई, जिसपर तेजस्वी ने कहा कि हमें सबकुछ भूलकर आगे बढ़ना है।

उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि या तो नरेंद्र मोदी के चरण में रहिए या फिर उनसे लड़िए। चाचा जी तो चरण में चले गए हैं, वीडियो सबने देखा होगा, लेकिन हम नहीं झुकेंगे। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा, तेजस्वी यादव जब पद पर नहीं थे, तब भी काफी अच्छा काम कर रहे थे। अब और ज्यादा बढ़िया से कम करेंगे। सबको मिलकर संगठन को मजबूत करना है। आगे सबको लड़ना है और जीतना है।

इधर, तेजस्वी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर रोहिणी ने तंज भरे लहजे में शुभकामनाएं दीं है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'गिरोह-ए-घुसपैठ की कठपुतली बने शहजादे को ताजपोशी मुबारक...।'

77वां गणतंत्र दिवस- राष्ट्रपति का राष्ट्र के नाम संबोधन

द्रौपदी मुर्मू ने कहा- खेल-कूद में बेटियों ने कीर्तिमान बनाया

गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर होता है।

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 77वां गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस उत्सव देशवासियों में राष्ट्रीय एकता तथा गौरव की भावना को मजबूत बनाता है। राष्ट्रीय एकता के स्वरूपों को जीवंत बनाए रखने का प्रत्येक प्रयास अत्यंत सराहनीय है। मैं, आप सभी को गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व की हार्दिक बधाई देती हूं।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के साथ साथ वंदेमातरम् के 150 साल पूरे होने का पर्व भी मनाया जा रहा है। साल 2021 से नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाता है। गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर होता है। हमारे देश की दशा बदली। भारत स्वाधीन हुआ। हम अपनी राष्ट्रीय नियति के निर्माता बने।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे पुलिसकर्मी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस के जवान देश की आतंरिक रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। हमारे सेवाधर्मी डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्यकर्मी देशवासियों की सेवा करते हैं। हमारे इंजीनियर देश के विकास में भूमिका निभाते हैं। हमारी देश के संवेदनशील नागरिक देश को सशक्त बना रहे हैं।

25 जनवरी को देश में राष्ट्र मतदाता दिवस भी मनाया जाता है। जन-प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए हमारे वयस्क नागरिक उत्साहपूर्वक मतदान करते हैं। बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर मानते थे कि मताधिकार के प्रयोग से राजनैतिक शिक्षा सुनिश्चित होती है। मतदान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देश के विकास में बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि 57 करोड़ जनधन अकाउंट में 56 प्रतिशत महिलाओं के अकाउंट हैं। 10 करोड़ से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप हैं। खेल-कूद में हमारी बेटियों ने कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आईसीसी क्रिकेट वल्ड कर, ब्लाइंड वर्ल्ड कप जीता है। नारी शक्ति अधिनियम से देश की महिलाएं और सशक्त होंगी। वंचित वर्ग की योजनाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है।

धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण, रोहित शर्मा को पद्मश्री सम्मान

शिबु सोरेन-अलका याग्निक को पद्म भूषण, तेलुगु राज्यों से 11 हस्तियों को पद्म पुरस्कार

एक्टर धर्मेंद्र

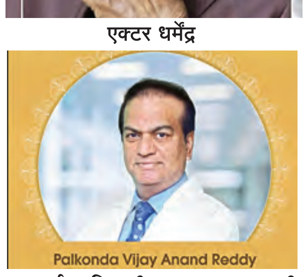

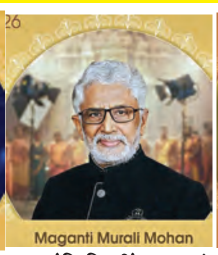

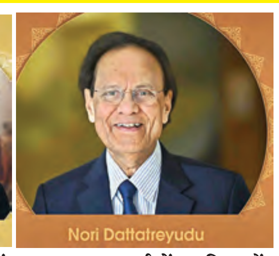

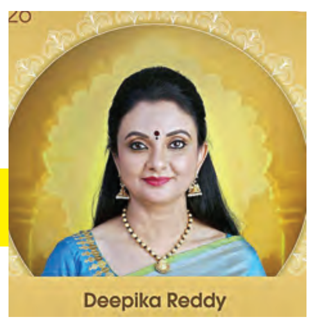

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया। दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण सम्मान दिया जाएगा।

झारखंड के पूर्व सीएम दिवंगत नेता शिबु सोरेन और बॉलीवुड सिंगर अलका याग्निक समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। क्रिकेटर रोहित शर्मा, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, हॉकी प्लेयर सविता पूनिया समेत 113 हस्तियों को पद्मश्री के लिए चुना गया है।

पद्म पुरस्कार विजेताओं में से 19 महिलाएं हैं। इनमें 6 विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई कैटेगरी के लोग भी हैं। 16 हस्तियां ऐसी हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

तेलुगु राज्यों से तेलंगाना के चंद्रमौली गड्डमनुगु विज्ञान एवं इंजिनियरिंग, दीपिका रेड्डी कला, गिरिधर वेंकट राव चिकित्सा, कृष्णमूर्ति बालासुब्रमण्यम विज्ञान व इंजिनियरिंग, फालकोंडा विजय आनंद रेड्डी चिकित्सा, रामदास राम रेड्डी मरणोपरांत पशुपालन के क्षेत्र में विषेश काम करने के लिए पद्मश्री से सम्मानित किए गए हैं। तेलंगाना से डॉ. कुमारस्वामी थंगराज पद्म अवार्ड में शामिल हैं।

इसी तरह आंध्र प्रदेश से गड्डेबाबू राजेंद्र प्रसाद कला, गिरमिल्ला बालकृष्ण प्रसाद मरणोपरांत कला, मगंटी मुरली मोहन कला, वेंपटी कुटुंब शास्त्री साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पद्मश्री एवार्ड से सम्मानित किए गए हैं।

अलीपुर जू में चमगादड़ों के सैंपल की जांच शुरू अब तक दो नर्स संक्रमित

कोलकाता, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बंगाल में निपाह वायरस के मामलों की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (एनआइएमआर) की टीम ने कोलकाता के अलीपुर प्राणि उद्यान (जू) में चमगादड़ों के रक्त और स्वैब नमूने एकत्र कर आरटी-पीसीआर जांच शुरू की है। सूत्रों के अनुसार, एनआइएमआर की विशेषज्ञ टीम ने तड़के चिड़ियाघर परिसर में मौजूद चमगादड़ों से नमूने लिए। यह कार्य सुबह-सवेरे पूरा किया गया, ताकि आम लोगों की आवाजाही से पहले जांच की प्रक्रिया संपन्न हो सके। कोलकाता में अलीपुर चिड़ियाघर में चमगादड़ों की पर्याप्त संख्या पाई जाती है। स्वास्थ्य विभाग के अनुरोध पर वन विभाग से विशेष अनुमति लेकर यह सैंपलिंग की गई।

ओवैसी के बढ़ते कद से परेशान हैं ये कांग्रेसी नेता

पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा; दे डाली चेतावनी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। शशि थरूर के पार्टी नेतृत्व के प्रति नाराजगी जाहिर करने के बाद अब एक के बाद एक कई नेताओं की नाराजगी बाहर आ रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शकील अहमद ने राहुल गांधी और पार्टी नेतृत्व के प्रति खुलकर शिकायत की। अब कांग्रेस के एक और वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने भी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राशिद अल्वी ने पार्टी को चेतावनी दी है कि अगर पार्टी में मुस्लिम नेताओं को तवज्जो नहीं दी गई तो देश में असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं का उभार होगा। राशिद अल्वी ने पार्टी को नसीहत देते हुए चेतावनी भी दी।

क्या बोले राशिद अल्वी

कांग्रेस नेता शकील अहमद ने एक बयान में पार्टी नेतृत्व की तीखी आलोचना की। जब इसे लेकर राशिद अल्वी से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उनकी भी नाराजगी खुलकर सामने आ गई। राशिद अल्वी ने पार्टी में मौजूद समस्या के बारे में बताते हुए कहा, 'कांग्रेस पार्टी में एक बड़ी समस्या यह है कि कोई ऐसा मंच नहीं है जहां मुद्दों पर चर्चा हो सके। नेताओं से मिलना आम तौर पर मुश्किल होता है। अगर लोग अपनी चिंताएं जाहिर करना चाहते हैं, तो वे कहां जाएं?' 'निश्चित रूप से पार्टी के बीच संवाद की कमी है। यह कांग्रेस पार्टी के अंदर एक बड़ी समस्या है, और बहुत से लोग शिकायत करते हैं कि कांग्रेस हाई कमांड से मिलना आसान नहीं है। संवाद की कमी को निश्चित रूप से खत्म किया जाना चाहिए।'

बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शकील अहमद ने भी आरोप लगाया कि कांग्रेस में कोई आंतरिक लोकतंत्र नहीं है। जिस तरह से नेपाल में कानून है कि राजा के मुंह से जो निकला, वहीं कानून है, उसी तरह से कांग्रेस पार्टी में भी राहुल गांधी जो बोलते हैं, वही होता है। शकील अहमद ने कहा कि सोनिया गांधी सभी को साथ लेकर चलतीं थी और नेताओं से समय-समय पर मुलाकात करती रहतीं थी, लेकिन राहुल गांधी नेताओं से नहीं मिलते।

राशिद अल्वी ने कांग्रेस पार्टी में मुस्लिम नेताओं की उपेक्षा का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'कई मुस्लिम नेताओं ने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी है। लेकिन कोई इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा है कि एक भी नेता भाजपा में शामिल नहीं हुआ। उन्होंने सत्ता के लालच में पार्टी नहीं छोड़ी, जबकि दूसरे गैर-मुस्लिम जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी, वे सभी सत्ता के लिए गए और सभी बीजेपी में शामिल हो गए।' 'कल, अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, तो वे वापस आकर कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे। मुस्लिम नेताओं ने सत्ता के लालच में पार्टी नहीं छोड़ी है।

उन्होंने पार्टी छोड़ी है, और यह चिंता का विषय है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी में मुस्लिम नेतृत्व को नजरअंदाज किया गया है।' 'मेरी अपनी पार्टी और दूसरी सेक्युलर पार्टियों को मेरा सुझाव यह हैः अगर मुस्लिम नेतृत्व को नजरअंदाज किया जाता है, तो ओवैसी जैसे नेता देश में उभरते रहेंगे। आज, ओवैसी एक शक्तिशाली ताकत बन रहे हैं।'

हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने दी बधाई, स्वर्णिम भविष्य की कामना की

शिमला, 25 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में रविवार को गर्व और उत्साह के साथ प्रदेश का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वर्णिम भविष्य की कामना की। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक एक्स हैंडल ने एक पोस्ट में राष्ट्रपति मुर्मू के हवाले से लिखा, हिमाचल प्रदेश के 'पूर्ण राज्यत्व दिवस' पर राज्य के सभी निवासियों को मैं हार्दिक बधाई देती हूं। आध्यात्मिक परंपराओं के कारण देवभूमि और शौर्य परंपरा के कारण वीरभूमि कही जाने वाली हिमाचल की धरती पर प्रकृति का असीम वरदान है जो इस राज्य के प्रति अद्भुत आकर्षण उत्पन्न करता है। मुझे विश्वास है कि हिमाचल प्रदेश के कर्मठ निवासी राष्ट्र निर्माण तथा देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

मैं राज्य के सभी लोगों के स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामना करती हूं। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर अपने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रकृति और संस्कृति की संगमस्थली हिमाचल प्रदेश के अपने सभी परिवारजनों को पूर्ण राज्यत्व दिवस की अनेकानेक शुभकामनाएं। अपनी अद्भुत प्रतिभा और पराक्रम से वे सदैव मां भारती की सेवा करते आए हैं। मैं उनके सुनहरे भविष्य के साथ-साथ इस देवभूमि की समृद्धि की कामना करता हूं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लिखा, देव-भूमि' हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के समस्त वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हिमालय की गोद में बसा यह प्रदेश समृद्ध प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण, सांस्कृतिक विविधता, अतिथि-भाव से परिपूर्ण जनमानस और गौरवशाली धार्मिक परंपराओं के लिए विश्वभर में विख्यात है।

कामना है कि देवभूमि निरंतर प्रगति, समृद्धि और संतुलित विकास के मार्ग पर आगे बढ़े तथा प्रदेशवासी सुख, स्वास्थ्य और खुशहाली के साथ हिमाचल की गौरवशाली पहचान को और सुदृढ़ करें। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने लिखा, अतुल्य प्राकृतिक सौंदर्य और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध देवभूमि हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर समस्त हिमाचलवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि हिमाचल प्रदेश निरंतर विकास, समृद्धि और उन्नति की दिशा में आगे बढ़ता रहे।

नर्मदा प्राकट्योत्सव पर निकाली गई भव्य रथ यात्राः संतों के साथ मंत्री राकेश सिंह हुए शामिल

जबलपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मां नर्मदा के प्राकट्योत्सव के अवसर पर रविवार 25 जनवरी को जबलपुर में भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया। रेतनाका गौरीघाट से उमाघाट तक मां नर्मदा का रथ निकला, जिसका नेतृत्व लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने किया। रथयात्रा में स्वामी गिरीशानंद जी सरस्वती सहित अनेक संत-महात्मा मौजूद रहे। रथयात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ता, श्रद्धालु और भक्तजन रथ को खींचते हुए मां नर्मदा घाट तक पहुंचें। उमाघाट पर विधि-विधान से मां नर्मदा का पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर मां नर्मदा को 351 फीट लंबी चुनरी अर्पित की जाएगी, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, प्राकट्योत्सव के पावन अवसर पर आयोजित यह रथयात्रा श्रद्धा, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक होगी।

'न तब, न अब, आगे भी नहीं देंगे हिंदी को जगह' भाषा शहीद दिवस पर बोले एमके स्टालिन

चेन्नई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को भाषा शहीद दिवस के मौके पर राज्य के 'भाषा शहीदों' को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में हिंदी के लिए 'न तब जगह थी, न है और न ही कभी होगी।'

स्टालिन ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में कहा कि तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जिसने अपनी भाषा को जीवन की तरह प्रेम किया और हिंदी थोपे जाने के खिलाफ हर बार एकजुट होकर उतनी ही तीव्रता से संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयासों का राज्य ने हमेशा विरोध किया है।

सीएम एमके स्टालिन ने भाषा आंदोलन के इतिहास से जुड़ा एक संक्षिप्त वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में 1965 के दौरान चरम पर पहुंचे हिंदी विरोधी आंदोलन, उसमें शहीद हुए लोगों और डीएमके के दिवंगत नेताओं सीएन अन्नादुराई तथा एम करुणानिधि के योगदान का उल्लेख किया गया है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई समुदायों के अधिकार और पहचान की रक्षा की।

उन्होंने तमिल भाषा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को नमन करते हुए कहा कि अब भाषा के नाम पर कोई और जान नहीं जानी चाहिए, लेकिन तमिल के प्रति प्रेम कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि तमिलनाडु हिंदी थोपे जाने का विरोध करता रहेगा।

तमिलनाडु में 'भाषा शहीद' उन लोगों को कहा जाता है, जिन्होंने 1964-65 के दौरान राज्य में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन में मुख्यतः आत्मदाह के जरिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। तमिलनाडु आज भी तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति का पालन करता है। डीएमके केंद्र की नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाती रही है।

द्रविड़ राजनीति से हिंदी भाषा के विरोध की राजनीति

तमिलनाडु की डीएमके सरकार का हिंदी भाषा विरोध ऐतिहासिक, वैचारिक और राजनीतिक आधार पर टिका हुआ है। डीएमके की विचारधारा द्रविड़ आंदोलन से निकली है, जिसने हिंदी थोपे जाने को तमिल भाषा, संस्कृति और पहचान के लिए खतरा माना। 1960 के दशक में हुए हिंदी विरोधी आंदोलनों, खासकर 1965 के आंदोलन में कई लोगों ने जान गंवाई, जिन्हें पार्टी 'भाषा शहीद' के रूप में सम्मान देती है।

'जवानों की चौकसी से देश में शांति और नागरिकों का जीवन सुरक्षित है'

जम्मू में बोले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

जम्मू, 25 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि सीमाओं पर तैनात जवानों के बलिदान के कारण ही देश में शांति, सुरक्षा और नागरिकों का जीवन सुरक्षित है। जम्मू के पलौड़ा स्थित बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय में राष्ट्रव्यापी नियुक्ति पत्र वितरण अभियान के अंतर्गत रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र बांटने के बाद मंत्री पासवान संबोधित कर रहे थे। बता दें कि यह रोजगार मेला देशभर में एक साथ हुए कार्यक्रमों की 18वीं कड़ी का हिस्सा था, जो देश के 40 अन्य स्थानों पर हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से युवाओं को संबोधित किया। पासवान ने कहा कि रोजगार मेला जैसी पहल पारदर्शी, मेरिट आधारित और भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती प्रक्रिया के प्रति केंद्र सरकार की गारंटी को मजबूत करती हैं।

उन्होंने नवनियुक्त युवाओं से ईमानदारी, निष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार किया जा सके। पासवान ने कहा कि समाज के वंचित और हाशिए पर रहे वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ना विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक है। रोजगार मेला न केवल युवाओं को नौकरी प्रदान करता है, बल्कि उन्हें सम्मान, स्थिरता और दीर्घकालिक करियर का अवसर देता है।

इस मौके पर तिरिक्त महानिदेशक, बीएसएफ पश्चिमी कमान सतीश खंडारे, बीएसएफ जम्मू के आइजी शशांक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं श्रीनगर हुए कार्यक्रम में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 100 चयनित कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को मिलेगा अशोक चक्र, आईएसएस जाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपने ऐतिहासिक स्पेस मिशन के दौरान असाधारण साहसके लिए देश के सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया जाएगा। शुभांशु ने मिशन के दौरान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उन्होंने अदम्य साहस और सूझबूझ के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन कर भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया। इसी के लिए तहत उन्हें अशोक चक्र दिया जाएगा। शुभांशु शुक्ला तीन अन्य यात्रियों के साथ एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा की थी। इसके लिए उन्होंने 25 जून 2025 को उड़ान भरी थी। विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद शुभांशु शुक्ला दूसरे अंतरिक्ष यात्री हैं, जो स्पेस में गए थे। शुभांशु शुक्ला ने स्पेस में लंबा समय बिताया था। वे 14 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे थे। उन्होंने करीब 20 दिनों का समय वहां बिताया था। स्पेस में रहने के दौरान उन्होंने 60 से ज्यादा प्रयोग किए थे। जिनमें जैवचिकित्सा विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, कृषि, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उन्नत सामग्री विज्ञान जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं।

शुभांशु ने मिशन के दौरान कई परेशानियों को किया सामना

मिशन के दौरान शुभांशु ने आईएसएस पर माइक्रोग्रैविटी, मानव शरीर विज्ञान और उन्नत सामग्री से संबंधित कई जटिल प्रयोग किए। अंतरिक्ष यात्रा से जुड़ी भारी चुनौतियों और जोखिमों के बावजूद, उन्होंने अटूट साहस का प्रदर्शन किया और पूरे मिशन के दौरान केंद्रित और शांत रहे। उन्होंने अंतरिक्ष के प्रतिकूल वातावरण में असाधारण साहस, लचीलापन और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया, जिसमें गंभीर शारीरिक तनाव, विकिरण जोखिम और मांसपेशियों के नुकसान, बदली हुई शारीरिक क्रिया और मनोवैज्ञानिक तनाव सहित स्वास्थ्य जोखिमों का सामना किया। उनकी सबसे विशिष्ट बहादुरी के लिए, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को 'अशोक चक्र' पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया है।

इंदौर पुलिस कमिश्नर सहित 4 पुलिस अफसरों को राष्ट्रपति पदक

भोपाल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार ने पुलिस, फायर, होमगार्ड व अन्य सेवाओं के लिए पदकों की घोषणा कर दी है। इसमें मध्य प्रदेश के लिए यह उपलब्धि खास रही है। जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, मध्य प्रदेश पुलिस के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) और सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) से सम्मानित किया जाएगा राज्यवार जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 अफसरों को राष्ट्रपति पदक; एमपी के चार पुलिस अफसरों को प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विशड सर्विस यानी राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा।

17 पुलिस अफसरों को सराहनीय सेवा पदकः एमपी के 17 पुलिस अफसरों को सराहनीय सेवा पदक यानी मेडल फॉर मेरिटॉरियस सर्विस से सम्मानित किया जाएगा। इस तरह कुल 21 पदक मध्य प्रदेश के खाते में आए हैं, जो राज्य पुलिस के अनुशासन, कार्यक्षमता और निरंतर सेवा के लिए ये सम्मान प्रदान किए जाएंगे। मध्य प्रदेश पुलिस के 17 अन्य अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न रैंक पर रहते हुए उत्कृष्ट और निष्ठावान सेवा के लिए मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस (एमएसएम) से सम्मानित होंगे। यह पदक फील्ड ड्यूटी, कानून-व्यवस्था, जांच और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में बेहतरीन कार्य के लिए दिया जाता है।

मदुरै में भीषण सड़क हादसा

दो बसों में टक्कर; तीन की मौत, 15 से अधिक घायल

मदुरै, 25 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै जिले में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही हादसे में 15 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सड़क हादसा तिरुचि-मदुरै राष्ट्रीय राजमार्ग पर मेलूर के पास पलापट्टी इलाके में हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चेन्नई से मदुरै जा रही एक निजी बस रविवार तड़के पलापट्टी इलाके में सड़क किनारे एक चाय की दुकान के पास रुकी हुई थी।

बताया गया कि बस का चालक कुछ देर के लिए बस से नीचे उतरा हुआ था। इसी दौरान चेन्नई से मार्तंडम जा रही एक अन्य निजी बस अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार में खड़ी बस के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के पीछे बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में मौके पर ही तीन यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कनागरंजीथम (65), सुदर्शन (23) और एक अज्ञात महिला यात्री के रूप में हुई है। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं। इस दुर्घटना में दोनों बसों में सवार 15 से अधिक यात्रियों को अलग-अलग स्तर की चोटें आई हैं।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने घायलों को बसों से बाहर निकालने में मदद की और पुलिस तथा एंबुलेंस सेवाओं को सूचना दी। घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से मेलूर और मदुरै के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर मेलूर के उप पुलिस अधीक्षक शिवकुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम और कोट्टमपट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहत कार्यों की निगरानी की और दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाधित यातायात को बहाल कराया।

दूषित पानी से कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष की मौत

इंदौर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में दूषित पानी से 28वीं मौत हुई है। भागीरथपुरा निवासी रिटायर्ड शिक्षक राजाराम बौरासी (75) ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बौरासी कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष भी थे। परिजन ने बताया कि राजाराम बौरासी को शुक्रवार को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई थी। हालत बिगड़ने पर पहले स्थानीय डॉक्टर को दिखाया गया, लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद शनिवार सुबह उन्हें सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

उधर, स्वास्थ्य विभाग ने कहा- 2018-19 की एंजियोग्राफी रिपोर्ट के अनुसार राजाराम बौरासी हृदय रोग से पीड़ित थे। उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या भी थी। उपलब्ध चिकित्सकीय दस्तावेजों में उल्टी-दस्त की पुष्टि नहीं होती है। फिलहाल, दूषित पानी से बीमार 10 लोग सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से 4 आईसीयू में हैं। इनमें से एक महिला और एक पुरुष मरीज की स्थिति चिंताजनक है।

चुनाव से पहले रिटायर हो रहे डीजीपी राजीव कुमार का एक्सटेंशन क्यों चाहती हैं ममता बनर्जी? कितने हैं खास

कोलकाता, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार 31 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं। वे पिछले दो साल से इस पद पर हैं, लेकिन अगले पुलिस महानिदेशक (डीजी) को लेकर एक पेच फंसा हुआ है। राज्य सरकार ने लिस्ट भेजने में इतनी देर कर दी है कि यूपीएससी ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाने की सलाह दी है। इस बार, राज्य सचिवालय नवान्न ने उस पोस्ट के लिए 8 नामों की लिस्ट भेजी है। इन 8 लोगों के नाम 21 जनवरी को भेजे गए थे और खुद राजीव कुमार का नाम उस लिस्ट में है। हालांकि अभी तक उन्हें कोई एक्सटेंशन नहीं मिला है, यानी उनका टर्म नहीं बढ़ाया गया है।

इसके बावजूद, उनका नाम लिस्ट में रखा गया है। बता दें कि राजीव कुमार राज्य की सीएम ममता बनर्जी के काफी खास माने जाते हैं और विवादों से उनका पुराना नाता रहा है। एडमिनिस्ट्रेटिव सर्कल के एक हिस्से को लगता है कि यूपीएससी शायद इस

लिस्ट को भी स्वीकार न करे। ध्यान देने वाली बात यह है कि डीजी या इस लेवल के किसी भी ऑफिसर का टर्म बढ़ाने के लिए मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स की मंजूरी की जरूरत होती है। राजीव कुमार के मामले में ऐसा नहीं था। नतीजतन, यह साफ नहीं है कि इस मामले में क्या होगा?

मनोज मालवीय दिसंबर 2023 में डीजी के पद से रिटायर हुए थे। सुप्रीम कोर्ट में प्रकाश सिंह केस में कहा गया है कि राज्य सरकार को रिटायरमेंट से तीन महीने पहले नाम भेजना होता है, लेकिन ऐसा करने के बजाय, राज्य ने राजीव कुमार को एक्टिंग डीजी बना दिया। हालांकि एम्पैनलमेंट कमेटी की मीटिंग पिछले साल 30 अक्टूबर को हुई थी, लेकिन सूत्रों का कहना है कि प्रपोजल जमा करने में देरी के कारण कमेटी के सदस्यों के बीच मतभेद पैदा हो गए। उसके बाद, कमीशन ने इस मामले पर अटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया (एजीआई) से राय मांगी। अटॉर्नी जनरल ने अपनी राय में कहा कि राज्य सरकार की यह देरी बहुत गंभीर है और यूपीएससी में इतनी लंबी देरी को माफ करने का कोई प्रोविज़न नहीं है। इसके बाद राज्य को सुप्रीम कोर्ट जाने की सलाह दी गई। राज्य सरकार ने यूपीएससी की सलाह के अनुसार फिर से नाम भेजे। हालांकि, इस बार 10 नामों के बजाय 21 जनवरी को 8 नाम भेजे गए।

इससे पहले 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने राजीव कुमार को डीजी के पद से हटा दिया था। उनकी जगह दूसरे आईपीएस को यह जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि चुनाव के बाद ममता बनर्जी ने फिर से राजीव कुमार को यह पद दे दिया। राजीव कुमार ममता बनर्जी के करीबी माने जाते हैं, 1989 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं। मनोज मालवीय के रिटायरमेंट के बाद दिसंबर 2023 में उन्हें डीजीपी बनाया गया है। इससे पहले, वह कोलकाता पुलिस और बिधाननगर पुलिस के चीफ रह चुके हैं। उन्होंने क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को भी हेड किया और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी के तौर पर भी काम किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
सोमवार, 26 जनवरी, 2026

सुविचार
यदि आप पूर्णता की तलाश करते है तो आप कभी संतुष्ट नहीं होंगे!

फर्नीचर दुकान में लगी आग लील गई पांच जिन्दगी

दो बच्चों समेत पांच लोगों का शव बरामद

अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण हुआ हादसा : विक्रम सिंह मान

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नामपल्ली क्षेत्र में स्थित एक चार मंजिला फर्नीचर दुकान में शनिवार को आग लगने की घटना में दो बच्चों और एक बुजुर्ग महिला समेत कुल पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। रविवार सुबह बरामद किए गए शवों की पहचान अखिल (7 वर्ष), प्रणीत (11 वर्ष), सैयद हबीब (30 वर्ष), मोहम्मद इम्तियाज़ (31 वर्ष) और बीबी अम्मा (60 वर्ष) के रूप में की गई। इसके बाद शवों को उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया।

शनिवार को दुकान परिसर में भीषण आग लग गई थी, जिसके बाद बेसमेंट में फंसे पांच लोगों को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक आग की इस घटना से संबंधित लगभग 90 प्रतिशत बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है। इस अभियान में 200 से अधिक कर्मियों ने 22 घंटे से अधिक समय तक लगातार मेहनत की। दमकल कर्मियों ने ऑक्सीजन सिलेंडरों के साथ बेसमेंट में प्रवेश कर मेडिकल टीमों की सहायता से फंसे लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया। तेलंगाना के अग्निशमन, आपदा मोचन, आपातकालीन सेवाएं एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने मीडिया को बताया कि इमारत के दोनों बेसमेंट में फर्नीचर, कच्चा माल, रसायन, प्लास्टिक, गद्दे और फोम संग्रहित थे। उन्होंने पुष्टि की कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में फंसे पांचों लोगों की मृत्यु हो चुकी है। महानिदेशक ने कहा, बेसमेंट में फर्नीचर और रसायन रखे गए थे। आग लगने के बाद पीड़ितों ने सीढ़ियों से ऊपर जाने का प्रयास किया, लेकिन लोहे का शटर बंद होने के कारण वे बाहर नहीं निकल सके। यह हादसा अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण हुआ। उन्होंने जोर देकर कहा कि बेसमेंट का उपयोग केवल वाहन पार्किंग के लिए किया जाना चाहिए, न कि भंडारण या अन्य किसी गतिविधि के लिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले संपत्ति मालिकों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए परिवहन एवं हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने के आरोप में दुकान मालिक के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए।

नामपल्ली आग पीड़ितों के लिए 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि हैदराबाद के नामपल्ली में हुई विनाशकारी आग में जान गंवाने वाले प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने आग में पांच निर्दोष व्यक्तियों के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए हैदराबाद जिला कलेक्टर हरी चंदना को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवारों को अनुग्रह राशि समय

पर वितरित करने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। रविवार को जारी एक बयान में, मंत्री ने जिला कलेक्टर को आग सुरक्षा नियमों और सुरक्षा मानकों के सख्त पालन के निर्देश भी दिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग दुकान मालिक की लापरवाही के कारण लगी थी, और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दी बधाई

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को बधाई दी। राज्य सरकार के सलाहकार और प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ नोरी दत्तात्रेय को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में गड्डामणुगु चंद्रमौली, कृष्णमूर्ति बालासुब्रह्मण्यम, कुमारस्वामी तंगराज, चिकित्सा क्षेत्र में गुडूर वेंकट राव, पालकोंडा विजयानंद रेड्डी, पशु संवर्धन क्षेत्र में मामिडी राम रेड्डी, कला क्षेत्र में दीपिका रेड्डी, मुरली मोहन, राजेंद्र प्रसाद, गरिमेला बालकृष्ण प्रसाद को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन व्यक्तियों ने सेवा, कला और अन्य क्षेत्रों में जो समर्पण और योगदान दिया है, उसी के कारण उन्हें ये प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपनी खुशी और अभिवादन व्यक्त किया।

कविता ने टीपीसीसी प्रमुख के दावों का खंडन किया

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष कविता ने रविवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अफवाहों पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने टीपीसीसी प्रमुख महेश गौड़ के उन दावों पर सवाल उठाए, जिसमें कहा गया था कि पार्टी उन्हें स्वीकार नहीं करेगी।

कविता ने महेश गौड़ को अपने संगठन में शामिल होने का आमंत्रण दिया और कहा कि उनके अनुभव के आधार पर उन्हें जागृति में एक महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा। उन्होंने महेश गौड़ पर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी आगामी चुनावों में हारने वाली है, जबकि जागृति पार्टी विजयी होगी। कविता ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा नहीं जताई। उन्होंने कहा, हम अपनी पार्टी को मजबूती से बना रहे हैं। नीतियां और कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं। किसी का इंतजार नहीं कर रहे। जब समय आएगा, हम आगे बढ़ेंगे। कांग्रेस पार्टी के नेताओं को सूचित कर रही हूं कि ऐसी कोशिशें न करें।

शी टीमों ने 1,100 से अधिक शिकायतें सुलझाईं, 38 सौ अपराधी गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा को लेकर सक्रिय हैदराबाद शी टीमों ने पिछले एक वर्ष में 1,149 शिकायतों का समाधान किया है। विशेष जांच और तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए शहर पुलिस की यह टीम 3,826 व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की उत्पीड़न घटनाओं में रंगे हाथ पकड़ने में सफल रही। टीमों की तत्पर कार्रवाई से महिलाओं को समय पर राहत मिली। एक मामले में, एक युवती जिसे अपने दोस्त के साथ साझा की गई निजी तस्वीरों के कारण ब्लैकमेल किया जा रहा था, शी टीमों से संपर्क कर मामले को तुरंत सुलझाने में मदद पाई। एक अन्य पेशेवर महिला (जो लगातार पीछा किए जाने और धमकियों का सामना कर रही थी) को कानूनी सहायता और सुरक्षा प्रदान की गई। 22 वर्षीय एक पीड़िता ने बताया, मैं हर समय भय में जी रही थी, एक क्लिक से मेरी प्रतिष्ठा और परिवार की इज्जत बर्बाद हो सकती थी। शी टीमों तक पहुंचने के बाद ही मुझे राहत मिली।

पुलिस ने न केवल अपराधी को गिरफ्तार किया, बल्कि मेरे मामले को संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ संभाला। एक अन्य पेशेवर महिला ने साझा किया कि कैसे महीनों तक पीछा और हिंसक धमकियों ने उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया। शी टीमों ने उसे एक सुरक्षा कवच प्रदान किया और भय से मुक्त कर उसे आत्मविश्वासी बनाया। विश्लेषण में सामने आया कि साइबर अपराध में वृद्धि हुई है। ब्लैकमेल सबसे आम शिकायत बन गया, जिसमें 366 पीड़ितों ने मदद मांगी। अपराधी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल कर महिलाओं को अपने जाल में फंसाते हैं और रिकॉर्ड किए गए वीडियो कॉल या निजी तस्वीरों का दुरुपयोग कर पैसे या यौन संबंधों के लिए दबाव डालते हैं। पुलिस ने "मनोवैज्ञानिक जासूसी" की घटनाओं में वृद्धि देखी। शी टीमों ने 121 मध्यरात्रि उत्पीड़न मामलों और 82 फर्जी प्रोफाइल एवं आपत्तिजनक सामग्री फैलाने के मामलों को हल किया। 50 से अधिक महिलाओं ने बार-बार अपमानजनक कॉल के कारण मानसिक तनाव की शिकायत की, जिन्हें फोरेंसिक विश्लेषण से ट्रेस किया गया। इसके अलावा, 98 मामलों में विवाह का झांसा देकर महिलाओं का शारीरिक, भावनात्मक और आर्थिक शोषण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक परामर्श दिया गया और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की गई।

निर्मल में आवारा कुत्तों का हमला, 12 लोग घायल

निर्मल, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मुधोल मंडल केंद्र में रविवार को आवारा कुत्तों ने कई लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। एक बछड़ा भी कुत्तों के हमले में घायल हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंडल केंद्र के अलग-अलग इलाकों में कुत्तों के झुंड ने लोगों को काट लिया। मुधोले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दवाएं नहीं होने के कारण नौ घायलों को भैंसा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। तीन अन्य लोग इलाज के लिए पास के थानूर मंडल केंद्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जीएचएमसी आयुक्त को विशेष पुरस्कार

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविंद्र भारती सभागार, हैदराबाद में आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह के अवसर पर, जीएचएमसी आयुक्त एवं हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन को जुबिली हिल्स विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के सफल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी संचालन के लिए तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यपाल ने उपचुनाव के दौरान ड्रोन निगरानी तकनीक के अभिनव उपयोग की विशेष रूप से सराहना की।

उन्होंने कहा कि आर.वी. कर्णन के नेतृत्व में निर्वाचन तंत्र द्वारा अपनाए गए सक्रिय एवं दूरदर्शी उपायों से प्रभावी निगरानी, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था तथा मतदान प्रक्रिया का सुचारु संचालन सुनिश्चित हुआ। राज्यपाल ने जिला निर्वाचन कार्यालय एवं संपूर्ण निर्वाचन टीम की उत्कृष्ट समन्वय क्षमता, प्रतिबद्धता तथा आधुनिक तकनीक को अपनाने की प्रशंसा की, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं मतदाताओं का विश्वास मजबूत हुआ। जीएचएमसी आयुक्त को प्रदान किया गया यह विशेष पुरस्कार उनके दूरदर्शी नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता एवं समर्पित प्रयासों की मान्यता है, जिनके कारण जुबिली हिल्स उपचुनाव का शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी रूप से सफल आयोजन संभव हो सका।

लालूवाद को खत्म करने की साजिश आरजेडी की कार्यकारिणी बैठक से पहले रोहिणी का भाई तेजस्वी पर हमला!

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले और बाद से ही लालू यादव का परिवार चर्चा में बना हुआ है। तेजस्वी यादव की बहन रोहिणी आचार्य लगातार कई तरह के आरोप लगा रही हैं। अब एक बार फिर रोहिणी ने आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले बड़ा हमला बोला है। इस बैठक में तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव लाने की तैयारी चल रही थी। रोहिणी आचार्य ने लालूवाद' की रक्षा और पार्टी की मौजूदा 'बदहाली' के लिए जिम्मेदार लोगों पर सवाल खड़े किए हैं। इसके साथ ही अपने भाई तेजस्वी पर भी हमला बोला है। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। हालांकि इसमें रोहिणी ने किसी का भी नाम नहीं लिया है। लेकिन, इससे साफ है कि परिवार में अब तक कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है।

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या कहा?

रोहिणी ने लिखा कि जो सही मायनों में लालूवादी होगा, जिस किसी ने भी लालू जी के द्वारा, हाशिए पर खड़ी आबादी – वंचितों के हितों के लिए मजबूती से लड़ने वाली, खड़ी की गयी पार्टी के लिए निस्वार्थ भाव से संघर्ष किया होगा। जिस किसी को भी लालू जी के द्वारा सामाजिक – आर्थिक न्याय के लिए किए गए सतत संघर्ष एवं प्रयासों का गौरव बोध होगा, जिसे लालू जी की राजनीतिक विरासत व विचारधारा को गर्व के साथ आगे ले जाने की परवाह होगी, वो अवश्य ही पार्टी की मौजूदा बदहाली के लिए जिम्मेदार लोगों से सवाल करेगा एवं ऐसे लोगों की संदिग्ध – संदेहास्पद भूमिका के खिलाफ अंजाम की परवाह किए बिना अपनी आवाज उठाएगा।

लालूवाद को तहस-नहस कर रहे लोग-

रोहिणी ने लिखा कि वर्तमान की कड़वी, चिंताजनक एवं दुखद सच्चाई यही है कि आज जनता के हक़- हकूक की लड़ाई लड़ने के लिए जानी जाने वाली, जन-जन की पार्टी की असली कमान फासीवादी विरोधियों के द्वारा भेजे गए वैसे घुसपैठियों- साजिशकर्ताओं के हाथों में है। जिन्हें लालूवाद को तहस – नहस करने के टास्क के साथ भेजा गया है। कब्ज़ा जमाए बैठे ऐसे लोग अपने गंदे मकसद में काफी हद तक सफल होते भी दिखते हैं।

सवालों का जवाब तो देना ही होगा- रोहिणी

रोहिणी ने लिखा कि नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे लोगों को सवालों से भागने , सवालों से बचने , जवाब देने से मुंह चुराने, तार्किक – तथ्यात्मक जवाब देने की बजाए भ्रम फ़ैलाने, लालूवाद व पार्टी की हित की बात करने वालों के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र आचरण , अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने की बजाए अपने गिरेबान में झांकना होगा। अगर "वो" चुप्पी साधता है, तो उस पर साजिश करने वाले गिरोह के साथ मिलीभगत का दोष व आरोप स्वतः ही साबित होता है।

क्यों इस पोस्ट की हो रही ज्यादा चर्चा?

बिहार की राजधानी पटना में आज आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बड़ी बैठक होने जा रही है। इस बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ ही सभी प्रदेश ईकाइयों के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य हिस्सा लेंगे।

बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव करेंगे। राजद के इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी में तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि पिछले राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तेजस्वी यादव को लालू प्रसाद यादव के साथ ही सभी निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया जा चुका है। इसके लिए संविधान में जरूरी संशोधन भी किया गया था।राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक और तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के पहले ही बहन रोहिणी आचार्य ने वर्तमान में पार्टी पर गलत लोगों के कब्जे और लालूवाद को खत्म करने के अलावा परोक्ष रूप से तेजस्वी यादव पर कड़ा प्रहार भी किया है।

22 जाबांज पुलिस कर्मियों को मिलेगा पदक

3 को गैलंट्री अवॉर्ड; गृह मंत्रालय की घोषणा

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बिहार 22 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों के लिए पदक की घोषणा की है। तत्कालीन एसपी और वर्तमान डीजी कुंदन कृष्णन समेत तीन को गैलंट्री पदक देने की घोषणा हुई है। दो पुलिस पदाधिकारी को राष्ट्रपति का विशिष्ट पदक जबकि 17 पुलिस पदाधिकारी को सराहनीय सेवा के लिए पदक दिया गया है। जिन तीन पदाधिकारी-कर्मी को गेलेंट्री मेडल मिला है।

इनमें डीजी कुंदन कृष्णन, एसआई अर्जुन लाल और सिपाही जितेंद्र सिंह हैं। वहीं, विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक से दो पदाधिकारी सम्मानित हुए हैं। इनमें डीएसपी उमेश लाल रजक और एसआई नवरत्न कुमार शामिल हैं।

यह सम्मान राष्ट्रपति द्वारा घोषित किया जाता है और इसे पुलिस सेवा में लंबे समय तक अनुकरणीय कार्य के लिए प्रदान किया जाता है। इस सूची में वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर फील्ड में कार्यरत जवानों तक को शामिल किया गया है, जो यह दर्शाता है कि बिहार पुलिस में हर स्तर पर किए गए बेहतर कार्यों को मान्यता दी जा रही है। सम्मानित अधिकारियों में दलजीत सिंह, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), बिहार शामिल हैं।

उनके साथ राजीव रंजन द्वितीय, सहायक महानिरीक्षक (एआईजी), और अजय कुमार पांडेय, कमांडेंट, बिहार सरहनीय सेवा पदक मिला है। इसके अलावा डीएसपी शैलेश मिश्रा, सब-इंस्पेक्टर मो. ऐनुल हक, ऋषिकेश कुमार, मनोज कुमार, निक्कू कुमार सिंह, तथा एएसआई नागेंद्र पांडेय को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। वहीं, जमीनी स्तर पर सेवा देने वाले हेड कांस्टेबल संजय कुमार सिंह, सुकड़ा उरांव, धर्मेंद्र कुमार, जवाहर लाल मंडल, उमेश कुमार सिंह, ओम प्रकाश, एमडी रफी और कांस्टेबल मनोज कुमार सिंह को भी मेरिटोरियस सर्विस मेडल प्रदान किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी सम्मानित अधिकारियों और कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे बिहार पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत है। यह सम्मान न सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि राज्य में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

'विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा यूपी'

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन बोले- 2027 में फिर से बनाएंगे सरकार

मथुरा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को मथुरा पहुंचे। वे अक्षय पात्र में मन की बात कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद बांकेबिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। बाजना कट पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। पार्टी अध्यक्ष के आगमन से भाजपाइयों में उत्साह का माहौल है। बाजना कट पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि जिस तरह से हम उत्तर प्रदेश में विकास के नए आयाम लिख रहे हैं, हम उत्तर प्रदेश में सरकार को फिर से सत्ता में लाने की पूरी कोशिश करेंगे। आपके आशीर्वाद से हम एक बार फिर ऐसी सरकार बनाएंगे, जिसमें विकास होगा और लोगों का विश्ववास भी बढ़ेगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगवानी करने के लिए प्रदेशाध्यक्ष पंकज चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मथुरा पहुंचे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री अक्षय पात्र के चंद्रोदय मंदिर, वृंदावन पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात में सहभागिता की। इसके उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर श्रीबांके बिहारी मंदिर पहुंचकर दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद का समय भोजन के लिए आरक्षित रहेगा। दोपहर में वह भाजपा विधायक राजेश चौधरी की माताजी के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक-संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष कार द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

'2027 का चुनाव समाजवादियों और समाजघातियों के बीच...'

शिवपाल बोले- यूपी में लूटतंत्र चरम पर

लखनऊ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश में लूटतंत्र चरम पर है। सनातन व संतों का लगातार अपमान हो रहा है। वर्ष 2027 का चुनाव समाजवादियों और समाजघातियों के बीच होगा। शिवपाल अपने जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उनका जन्मदिन नेताजी सुभाषचंद्र बोस और सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती पर पड़ना गर्व की बात है। कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने शिवपाल को सपा का मजबूत स्तंभ बताया।

बांकेबिहारी मंदिर में सेवायतों की दबंगई...महिला श्रद्धालु से मारपीट

तोड़ी अंगुलियां, सुरक्षा गार्ड को भी जमकर पीटा!

कोतवाली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। वृंदावन के श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के दौरान एक महिला श्रद्धालु और मंदिर के सेवायत गोस्वामी के बीच विवाद हो गया। इस घटना में महिला घायल हो गई। महिला की शिकायत पर पुलिस ने गोस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के सितारगंज की रहने वाली सुमित्रा सुबह मंदिर में दर्शन करने आई थीं। जब वह मंदिर परिसर में लगी रेलिंग के गेट की ओर बढ़ीं, तभी वहां मौजूद गोस्वामी मोहित गोस्वामी ने उनका हाथ पकड़कर मरोड़ दिया।

जान से मारने की दी धमकी

महिला का आरोप है कि गोस्वामी ने उनसे कहा कि पैसे दोगी तभी दर्शन कराए जाएंगे, नहीं तो दर्शन नहीं करने देंगे। महिला का यह भी आरोप है कि गोस्वामी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना में महिला का हाथ घायल हो गया। मंदिर में मौजूद मेडिकल टीम ने प्राथमिक उपचार किया, जिसके बाद उन्हें जिला संयुक्त चिकित्सालय भेजा गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला की हाथ की दो उंगलियों में फ्रैक्चर बताया।

सुरक्षा गार्ड के साथ भी मारपीट का आरोप

श्रीबांकेबिहारी मंदिर के गेट नंबर दो पर तैनात सुरक्षा गार्ड के साथ भी सेवायत गोस्वामी द्वारा गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित सुरक्षा गार्ड ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, पीड़ित महिला ने भी आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। महिला की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर में बम ब्लास्ट की सूचना से सनसनी

आरोपी हिरासत में... रामनगरी की सुरक्षा बढ़ाई गई

अयोध्या, 25 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर में बम ब्लास्ट की सूचना से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने रामनगरी की सुरक्षा बढ़ा दी है। कॉलर को हिरासत में ले लिया गया है।

युवक गोंडा का रहने वाला बताया जा रहा है। बताया गया कि आरोपी युवक दिमागी रूप से असंतुलित है। शनिवार रात 10:30 बजे 112 पर फोन करके पुलिस को राम मंदिर में ब्लॉस्ट होने की सूचना दी गई। इंटेलिजेंस से जुड़े अधिकारी और अयोध्या पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने अभी युवक के नाम और पता की जानकारी साझा नहीं की है। पुलिस के अनुसार पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बिहार का इनामी अपराधी नगालैंड से गिरफ्तार

अवैध हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

भागलपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार पुलिस ने जबरन वसूली के एक मामले में 50,000 रुपये के इनामी एक अपराधी को शनिवार को नगालैंड से गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भागलपुर जिले के गोपालपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लतरा गांव के निवासी और छोटू यादव गिरोह के सक्रिय सदस्य राहुल यादव को दीमापुर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक बयान के अनुसार, यह गिरफ्तारी 15 जनवरी को मिली शिकायतों के बाद हुई, जिसमें कहा गया था कि दो अज्ञात अपराधी ढोलबज्जा बाजार में दुकानदारों से पैसे की मांग कर रहे हैं।

मंदिर की घंटियां चुराने आए चोर

आवाज न हो इसलिए की चालाकी, जाते-जाते भगवान को किया प्रणाम

ग्रेटर नोएडा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। दादरी में चोरी की एक अनोखी घटना सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया. जारचा रोड स्थित सिद्धपीठ महाकालेश्वर मंदिर परिसर में बने खाटू श्याम मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया. बदमाश हेलमेट और दस्ताने पहनकर मंदिर में घुसे, सामान चुराया और जाते समय भगवान के सामने हाथ जोड़कर निकल गए. पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है. जानकारी के अनुसार, यह घटना 24 जनवरी की दोपहर करीब 1 बजकर 18 मिनट की है. दो युवक मंदिर परिसर में दाखिल हुए. एक ने सिर पर हेलमेट पहन रखा था और हाथों में दस्ताने थे, जबकि दूसरा अपने कंधे पर बैग टांगे हुए था. शुरुआत में दोनों ने सामान्य श्रद्धालुओं की तरह व्यवहार किया और इधर-उधर नजर दौड़ाई. इसके बाद उन्होंने मंदिर में रखी छोटी ज्योति (दीप) और कुछ घंटियां उठाकर बैग में रख लीं. हैरानी की बात यह रही कि चोरी पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों ने मंदिर के मुख्य स्थान की ओर मुड़कर हाथ जोड़े, मानो प्रार्थना कर रहे हों.

इसके बाद वे 1 बजकर 25 मिनट पर मंदिर से बाहर निकल गए. यानी पूरी वारदात महज सात मिनट में अंजाम दी गई. मंदिर प्रबंधन को जब चोरी की जानकारी मिली तो उन्होंने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें दोनों युवक साफ तौर पर दिखाई दे रहे हैं. फुटेज में उनकी गतिविधियां स्पष्ट हैं, जिससे उनकी पहचान में मदद मिलने की उम्मीद है. मंदिर समिति ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है.

लुटेरी दुल्हन पूजा निकली आयशा खातून, प. बंगाल से कनेक्शन

संभल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के संभल में मैरिज ब्रोकर काजल नाम की महिला ने एक नहीं बल्कि चार शादियां एक ही गांव के चार और एक अन्य से दिल्ली में कराई थीं। कुल मिलाकर पांच शादियां कराने वाली काजल के करीब संभल पुलिस पहुंच चुकी है। जल्द ही इस महिला को हिरासत में लेकर इस पूरे प्रकरण से पर्दा उठ सकता है। काजल पर आरोप है कि इसने जो 5 शादियां संपन्न कराईं उनमें से चार दुल्हनें शादी के तीन से चार दिनों के भीतर नगदी-आभूषण लेकर ससुराल से फरार हो गईं। वहीं, पांचवीं दुल्हन जब भागने की फिराक में थी तभी शक होने पर ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। पुलिस ने जब पकड़ी गई महिला से पूछताछ की तो पता चला कि नाम और धर्म बदलकर ये फर्जी शादियां जालसाजी करके काजल ने करवाई थीं। दरअसल, ये पूरा मामला संभल जिले के चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के गांव पतरौआ से सामने आया। गांव के ही महेश चंद्र के बेटे राजू ने बीते 9 जनवरी को पश्चिम बंगाल की रहने वाली पूजा नाम की युवती से विवाह किया था। शादी के लगभग चार दिन बाद दुल्हन ससुराल से अपने घर जाने की जिद करने लगी। जब पति ने मना कर दिया तब उसने भागने की कोशिश की लेकिन पति और गांव वालों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस अब मैरिज ब्रोकर काजल नामक महिला की तलाश में बदायूं, बरेली और बरेली जिले के आंवला में दबिशें दे रही है।

पुलिस का कहना है कि नाम और धर्म बदलकर शादी कराने वाली कथित मैरिज ब्रोकर काजल के करीब पुलिस चुकी है और जल्द ही पीड़ितों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर इसे हिरासत में लेकर पूछताछ और जांच के बाद फर्जी शादियां कराने वाले मामले का खुलासा किया जाएगा।

नीट छात्रा मौत मामले में बड़ा खुलासा

फॉरेंसिक रिपोर्ट में कपड़ों पर मिले वीर्य के अंश; 2 पुलिस अधिकारी निलंबित

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पटना में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले की जांच कर रही पुलिस ने रविवार को कहा कि छात्रा के कपड़ों की फॉरेंसिक जांच में वीर्य के अंश पाए गए हैं, जो उसके यौन उत्पीड़न का संकेत देते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस फॉरेंसिक रिपोर्ट में पाए गए वीर्य के अंशों से 'डीएनए प्रोफाइल' प्राप्त करेगी। 2 पुलिस अधिकारी निलंबित

इस मामले में एक और घटनाक्रम में पटना पुलिस ने शनिवार देर रात कदमकुआं पुलिस थाने के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी हेमंत झा और चित्रगुप्त नगर पुलिस थाने की प्रभारी एवं सब-इंस्पेक्टर रोशनी कुमारी को मामले में कर्तव्य की उपेक्षा के आरोप में निलंबित कर दिया। जहानाबाद की रहने वाली 18 वर्षीय छात्रा मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' की तैयारी कर रही थी और इस महीने की शुरुआत में चित्रगुप्त नगर स्थित शंभू गर्ल्स हॉस्टल के एक कमरे में अचेत अवस्था में पायी गयी थी। वह परीक्षा की तैयारी के लिए निजी हॉस्टल में रह रही थी। कई दिनों तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को एक निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। उसके परिवार ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा था कि अधिकारी मामले को दबा रहे हैं। एक विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले की जांच कर रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''छात्रा के उन कपड़ों की फॉरेंसिक रिपोर्ट में वीर्य के अंश पाए गए हैं, जो उसने अस्पताल में भर्ती होने के समय पहने थे। ये कपड़े छात्रा के परिवार वालों ने 10 जनवरी को उपलब्ध कराए थे और पुलिस ने इन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा था। अब मामले की जांच कर रही एसआईटी वैज्ञानिक रिपोर्ट में पाए गए वीर्य से 'डीएनए प्रोफाइल' प्राप्त करेगी। इसका मिलान गिरफ्तार आरोपियों और संदिग्धों के डीएनए प्रोफाइल से किया जाएगा।''

हॉस्टल के मालिक को भी किया जा चुका है गिरफ्तार

छात्रा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके गुप्तांगों पर चोट के निशान और शरीर पर नाखूनों से खरोंच के निशान पाए गए थे। उसकी मौत के बाद पटना में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद पुलिस ने हॉस्टल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया। चिकित्सकों की प्रारंभिक जांच में यह निष्कर्ष निकला कि उसकी मौत नींद की गोलियों के अत्यधिक सेवन के कारण हुई और वह टाइफाइड से भी पीड़ित थी। हालांकि, छात्रा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह निष्कर्ष भी निकाला गया कि घटना के पीछे 'यौन हिंसा की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।' छात्रा के परिवार ने शुरू में मारपीट और यौन शोषण का आरोप लगाया था, लेकिन पुलिस ने कहा था कि मेडिकल रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज से यह बात खारिज हो जाती है।

डिलीवरी बॉय और सिक्योरिटी गार्डों के बीच हुई मारपीट

दर्जनों लोग भिड़े

ग्रेटर नोएडा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बीटा-2 थाना क्षेत्र स्थित निम्बस सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड और डिलीवरी बॉय के बीच जमकर मारपीट का मामला सामने आया है। सोसाइटी के मुख्य गेट पर दोनों पक्षों के बीच लात-घूंसे, लाठी और डंडे चलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पूरी घटना का हाई वोल्टेज ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मारपीट में दर्जनों लोग एक-दूसरे पर हमला करते हुए देखे गए। जानकारी के मुताबिक एक डिलीवरी बॉय डिलीवरी देने सोसाइटी के मेन गेट पर पहुंचा था, लेकिन गलती से उसने किसी दूसरे फ्लैट की घंटी बजा दी। इस बात को लेकर रेजिडेंट ने सिक्योरिटी गार्ड को सूचना दी। इसके बाद सिक्योरिटी गार्ड और डिलीवरी बॉय के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि डिलीवरी बॉय ने फोन कर अपने साथियों को मौके पर बुला लिया, जिसके बाद झगड़ा और बढ़ गया। घटना का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पिज्जा सेंटर पर हिंदू संगठन ने की छापेमारी

घबरा कर दूसरी मंजिल से कूदे युवक-युवती

शाहजहांपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां स्थित एक पिज्जा सेंटर में हिंदू संगठन द्वारा अचानक छापेमारी कर दी गई। हिंदू संगठन के लोगों के द्वारा वहां बैठे युवक-युवती से सवाल-जवाब किए जाने लगे, जिससे दोनों काफी ज्यादा घबरा गए।

इसी क्रम में पहले युवक और फिर युवती ने मकान की दूसरी मंजिल से घबराहट में छलांग लगा दी। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूरा मामला शाहजहांपुर जिले के थाना कांट इलाके का है। यहां बरेली मोड़ के पास एक भवन की दूसरी मंजिल पर पिज़्ज़ा सेंटर चलता है। इस पिज्जा सेंटर में शनिवार शाम हिंदू संगठन के लोग पहुंचे, और वहां मौजूद युवक-युवती से पूछताछ करने लगे। हिंदू संगठन की अचानक हुई छापेमारी से युवक-युवती काफी ज्यादा घबरा गए। पूछताछ करने पर युवक-युवती ने बताया कि "हमने मैगी का आर्डर दिया है इसीलिए बैठे हैं"। इसके बाद हिंदू संगठन से जुड़े लोगों ने उनकी जाति पूछी। पुलिस के मुताबिक युवक-युवती ने बताया कि हम लोग हिंदू हैं, तब कुछ लोग उनका वीडियो बनाने लगे। इस पूरी घटना से दोनों काफी घबरा गए।

घबराहट में युवक ने मकान में मौजूद खिड़की का सरिया खींचा और वह दूसरी मंजिल से नीचे कूद गया। इसके बाद युवक को नीचे कूदता देख उसके साथ बैठी एक युवती भी मकान के दूसरी मंजिल से नीचे कूद गई। इस घटना में 21 वर्षीय युवक तथा 19 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गए।

दोनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने शनिवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की जा रही है।

'धार्मिक मामलों में राजनीतिक दखल से बढ़ रहे विवाद...'

अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर मायावती की चिंता

लखनऊ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों में धार्मिक पर्व, त्योहार, पूजा-पाठ और स्नान जैसे आयोजनों में राजनीतिक हस्तक्षेप हाल के वर्षों में बढ़ा है, जो नए विवाद, तनाव और संघर्ष को जन्म दे रहा है। यह स्थिति चिंताजनक है।

इससे लोगों का दुखी होना स्वाभाविक है। जारी बयान में बसपा सुप्रीमो ने कहा कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के चलते धर्म को राजनीति से और राजनीति को धर्म से जोड़ने के खतरे बने रहते हैं। प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहा विवाद, आपसी अनादर और आरोप-प्रत्यारोप इसका ताजा उदाहरण है। इससे हर हाल में बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का संविधान और कानून जनहित को ही वास्तविक राष्ट्रीय धर्म मानता है। राजनीति और धर्म को अलग रखने पर जोर देता है। मायावती ने अपील की कि प्रयागराज का विवाद आपसी सहमति से शीघ्र सुलझाया जाए।

जिम्मेदार मतदान से ही लोकतंत्र मजबूत होता है : जिष्णु देव वर्मा

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने जनता से अपने मताधिकार का सक्रिय एवं जिम्मेदारीपूर्वक प्रयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी सशक्त बनी रहती हैं, जब मतदाता जागरूकता और ईमानदारी के साथ चुनावी प्रक्रिया में भाग लेते हैं। रविंद्र भारती में रविवार को आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष की थीम 'मेरा भारत, मेरा वोट' इस मूल सिद्धांत को दर्शाती है कि भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिक ही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है। संविधान के अनुच्छेद 324 का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता एक विविधतापूर्ण और विशाल जनसंख्या वाले देश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीतिक लोकतंत्र तभी टिकाऊ हो सकता है, जब उसे सामाजिक लोकतंत्र और मतदाताओं की नैतिक भागीदारी का समर्थन प्राप्त हो। राज्यपाल ने तेलंगाना के निर्वाचन प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करना, पात्र मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग जैसे उपायों से समावेशिता और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने जुबिली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के शांतिपूर्ण एवं कुशल संचालन के लिए अधिकारियों की प्रशंसा की और मतदान के दिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु ड्रोन निगरानी एवं पुलिस तैनाती के समन्वित उपयोग की भी सराहना की। इससे पहले, तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने राज्य में मतदाता पंजीकरण एवं चुनावी तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में 33 जिलों के 119 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 3.39 करोड़ मतदाता हैं, जिनके लिए 35,895 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन मतदाताओं में 1.68 करोड़ पुरुष, 1.70 करोड़ महिलाएं और 2,890 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के बाद से राज्य में लगभग 3.93 लाख नए मतदाता जुड़े हैं। कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयुक्त आई. रानी कुमुदिनी, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी वसम वेंकटेश्वर रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त एवं हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी आर. वी. कर्णन, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरिसिंह सहित अन्य वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडारम में 50 बिस्तरों का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

जातरा क्षेत्र में 30 स्थानों पर 800 डॉक्टरों के साथ विशेष मेडिकल कैंप

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडारम जातरा में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की हैं। एक ओर सुरक्षित पेयजल आपूर्ति, व्यापक स्वच्छता कार्यक्रमों का संचालन तथा जंपन्ना वागु के जल को प्रदूषण से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं, वहीं दूसरी ओर बड़े पैमाने पर चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। मेडारम जातरा के मुख्य स्थल के समीप टीटीडी कल्याण मंडप में 50 बिस्तरों का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, जातरा क्षेत्र के 30 स्थानों पर विशेष मेडिकल कैंप लगाए गए हैं। संपूर्ण जातरा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा कुल 5,192 मेडिकल एवं पैरामेडिकल कर्मियों को तैनात किया गया है। 24 घंटे निरंतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने हेतु विशेष रूप से 649 चिकित्सा अधिकारी, 154 आयुष चिकित्सा अधिकारी, 673 नर्सिंग अधिकारी, 1,905 आशा कार्यकर्ता, 1,111 पैरामेडिकल स्टाफ, 331 पर्यवेक्षक कर्मचारी तथा 700 अन्य सहायक कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। जातरा समाप्त होने के पश्चात भी स्थानीय आदिवासी समुदाय को किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या न हो, इसके लिए 10 अतिरिक्त मेडिकल कैंप आयोजित करने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही मेडाराम के आसपास स्थित एटूर नागारम, मुलुगु, पसरा, गोविंदरावपेट एवं मंगपेट सीएचसी अस्पतालों को भी सुदृढ़ किया गया है। मेडारम आने वाले श्रद्धालु परंपरागत रूप से जंपन्ना वागु में पवित्र स्नान करते हैं। स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए जंपन्ना वागु के पूरे क्षेत्र में 325 प्रशिक्षित तैराक एवं बचावकर्मियों को तैनात किया गया है। जातरा परिसर में किसी भी प्रकार की अग्नि दुर्घटना न हो, इसके लिए राज्य अग्निशमन विभाग द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जातरा स्थल पर 15 फायर ब्रिगेड वाहन, 12 मिस्ट बुलेट्स एवं 2 फायर इंजन तैनात किए गए हैं। कुल 268 अग्निशमन कर्मी लगातार ड्यूटी पर रहेंगे।

भक्तों को खूब भा रहा इप्पा फूल लड्डू, बाजार में भारी मांग

पहली बार मेडाराम जातरा में भक्तों के लिए उपलब्ध

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एशिया की सबसे बड़ी आदिवासी जातरा, जिसे तेलंगाना कुंभमेला के नाम से भी जाना जाता है, ऐसी प्रसिद्ध मेडाराम महा जातरा में पहली बार विशेष रूप से आदिवासी महिला संघ की सदस्यों द्वारा तैयार किया गया अत्यंत पौष्टिक इप्पा फूल लड्डू भक्तों के लिए उपलब्ध कराया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इप्पा फूल लड्डू का सेवन करने से अनेक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं। यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, हृदय में कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, अधिक ऊर्जा प्रदान करता है, वजन नियंत्रण में सहायक होता है तथा मधुमेह नियंत्रण में भी उपयोगी है। प्राचीन काल में आदिवासी समुदाय इप्पा फूल का उपयोग अनेक बीमारियों की रोकथाम हेतु करते थे। आज भी गुट्टी कोया बस्तियों में बच्चों को इप्पा फूल के कुदुमुलु एवं लड्डू खिलाए जाते हैं, जिससे बच्चे पौष्टिक एवं स्वस्थ रहते हैं, ऐसा आदिवासी समुदाय का कहना है। बताया जा रहा है कि गर्भवती महिलाओं के लिए इप्पा फूल लड्डू का सेवन अत्यंत लाभकारी है। इसमें मौजूद फाइबर, विटामिन, खनिज एवं पोषक तत्व गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं तथा गर्भस्थ शिशु के स्वस्थ जन्म में सहायक होते हैं। आदिवासी महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना प्रजा सरकार का मुख्य लक्ष्य है। इसी उद्देश्य के तहत इप्पा फूल लड्डू निर्माण के माध्यम से आदिवासी महिलाओं को आजीविका का साधन उपलब्ध कराया जा रहा है। तेलंगाना समग्र आजीविका कार्यक्रम के अंतर्गत, ग्राम गरीबी उन्मूलन संगठन के सहयोग से 12 आदिवासी महिलाओं के साथ सम्मक्का-सरलम्मा महिला किसान उत्पादक संघ का गठन किया गया। राज्यपाल द्वारा गोद लिए गए गांव कोंडपर्ती (उटनूर आईटीडीए क्षेत्र) में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर इप्पा फूल लड्डू निर्माण एवं विपणन का प्रशिक्षण दिया गया। मुलुगु जिले के ताडवाई मंडल के कोंडपर्ती गांव में इप्पा फूल लड्डू निर्माण इकाई की शुरूआत की गई।

के.एल.एन. स्वामी राष्ट्रपति स्तर पर मेरिटोरियस सर्विस मेडल से सम्मानित

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर के.एल.एन. स्वामी, उप नियंत्रक, सिविल डिफेंस और उप सचिव, जनरल मैनेजर/साउथ सेंट्रल रेलवे (एससीआर) को राष्ट्रपति स्तर पर मेरिटोरियस सर्विस मेडल से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उनके सिविल डिफेंस संगठन में असाधारण योगदान को मान्यता देता है। यह पहली बार है जब एससीआर का कोई अधिकारी राष्ट्रपति स्तर पर सिविल डिफेंस में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए मेरिटोरियस सर्विस मेडल के लिए चुना गया। इसके अलावा, श्री स्वामी को 63वें सिविल डिफेंस स्थापना दिवस-2025 पर उनके उत्कृष्ट पेशेवर योगदान और समर्पण को मान्यता देते हुए डायरेक्टर जनरल की डिस्क से भी सम्मानित किया गया। सिविल डिफेंस भारतीय रेलवे में एक प्रशिक्षित स्वयंसेवी बल के रूप में कार्य करता है (जो आपदा तैयारी को मजबूत करता है) महत्वपूर्ण संपत्तियों की सुरक्षा करता है और आपातकालीन परिस्थितियों में रेल संचालन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायता करता है। श्री स्वामी ने लगातार अपनी विशिष्ट समर्पण भावना, तकनीकी दक्षता और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है। उन्होंने ब्रेकडाउन कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और मॉक ड्रिल्स की योजना बनाई, जिससे क्षेत्र स्तर पर तत्परता और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। उनके सक्रिय नेतृत्व, तकनीकी कौशल और व्यावहारिक सहभागिता के कारण साउथ सेंट्रल रेलवे में सिविल डिफेंस के मानक काफी उन्नत हुए हैं। साउथ सेंट्रल रेलवे के जनरल मैनेजर संजय कुमार श्रीवास्तव ने श्री स्वामी को मेरिटोरियस सर्विस मेडल प्राप्त होने पर बधाई दी और रेलवे और राष्ट्र के लिए सिविल डिफेंस संगठन की लगातार और समर्पित सेवा की सराहना की।

महिलाओं के अधिकारों का हनन कर रही है बीजेपी सरकार : एनएफआईडब्लू

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय महिला संघ (एनएफआईडब्लू) की महासचिव निशा सिद्धू ने रविवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर महिलाओं के अधिकारों पर अवहेलना करने का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्र सरकार पर महिलाओं से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का विरोध किया और आगामी केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के बजट बढ़ाने की मांग की। मखदूम भवन, हैदराबाद में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में निशा सिद्धू ने ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की धनराशि में कमी और महिलाओं के रोजगार अवसरों में कमी पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी केवल शहरों के नाम बदलकर विश्व नेता नहीं बन सकते, बल्कि महिलाओं के लिए रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य कवरेज को राजस्थान सरकार द्वारा दिए गए 25 लाख रुपये से घटाकर 5 लाख रुपये करने पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने मणिपुर में महिलाओं और लड़कियों पर हमलों पर केंद्र सरकार की उदासीनता की निंदा की और 33 प्रतिशत आरक्षण 2030 तक लागू करने की बात को असंगत बताया। एनएफआईडब्ल्यू के अन्य नेताओं ने शराब नियंत्रण, मादक पदार्थों के उन्मूलन और स्थानीय चुनावों में अनुचित प्रभाव रोकने की मांग की। इस अवसर पर राज्य महासचिव एन. ज्योति, कार्यकारी अध्यक्ष एम. सादलक्ष्मी, उपाध्यक्ष एस. चयादेवी, सहायक सचिव एम.डी. फमीदा और अन्य राज्य परिषद सदस्य मौजूद थे।

कई पुलिस अधिकारियों का तबादला, मिली नई तैनाती

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने राज्य में डिप्टी अधीक्षक पुलिस (सिविल) के तबादलों और नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार एल. अदिनारायण (जो कि हैदराबाद शहर में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात थे) को कोत्तागुड़ेम के पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया है। अब्दुल रहमान (जो कोत्तागुड़ेम में पुलिस उप-अधीक्षक थे) उन्हें डीजीपी कार्यालय तेलंगाना, हैदराबाद में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। डी.वी. प्रदीप कुमार रेड्डी (जो हैदराबाद शहर में सहायक पुलिस आयुक्त) यातायात नियंत्रण पद पर थे, उन्हें आदिबतला, हैदराबाद शहर में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात किया गया है। एम. अदी मूर्ति, जो सीआईडी (विशेष जांच इकाई) में उप पुलिस अधीक्षक थे, अब मियापुर, साइबराबाद में यातायात सहायक पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात होंगे।

एस. चक्रपाणि (जो मल्काजगिरी में सहायक पुलिस आयुक्त थे) को जवाहर नगर, मल्काजगिरी में सहायक पुलिस आयुक्त बनाया गया है। बी. मोहन कुमार (जो हैदराबाद शहर में विशेष शाखा के सहायक पुलिस आयुक्त थे) अब मेडिपल्ली, मल्काजगिरी में सहायक पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात होंगे। बी. रवींदर (जो सिद्दीपेट में टास्क फोर्स के सहायक पुलिस आयुक्त थे) उन्हें भुवनगिरी में पुलिस उप-अधीक्षक के पद पर तैनात किया गया है। च. श्रीधर, जो एंटी नार्कोटिक ब्यूरो में उप पुलिस अधीक्षक थे, अब महाकाली, हैदराबाद शहर में सहायक पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात होंगे। एस. सरंगापानी (जो टीजीपीए में उप पुलिस अधीक्षक थे) उन्हें येल्लंडु, बी. कोत्तागुड़ेम में पुलिस उप-अधीक्षक के पद पर तैनात किया गया है। एन. चंद्र भानु, जो येल्लंडु, बी. कोत्तागुड़ेम में पुलिस उप-अधीक्षक थे, उन्हें डीजीपी कार्यालय तेलंगाना, हैदराबाद में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। महानिदेशक पुलिस ने संबंधित विभागों को आदेश दिया है कि इन अधिकारियों को तुरंत उनके नए पदों पर भेजा जाए और रिलीफ की तिथि उपलब्ध कराई जाए। रिलीफ मिलने के बाद अधिकारी अपने नए पद पर रिपोर्ट करेंगे और आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। इस आदेश की प्रतियां अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, तेलंगाना, हैदराबाद, टीजीपीए एव एंटी नार्कोटिक ब्यूरो के निदेशकों, भद्राद्री कोत्तागुड़ेम के पुलिस अधीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई हैं।

भारी मात्रा में गांजा के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध एक बड़ी सफलता में, आयुक्त टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम ने आईएस सदन पुलिस के सहयोग से महाराष्ट्र के नागपुर से हैदराबाद गांजा परिवहन में संलिप्त दो अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सैयद फिरदौस निवासी क़लंदर नगर, संतोष नगर, हैदराबाद, मोहम्मद ख़ादर, निवासी इस्लामपुरा, इचोड़ा मंडल, आदिलाबाद शामिल है। दोनों के पास से लगभग 11 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। बरामद संपत्ति का अनुमानित मूल्य साढ़े पांच लाख रुपये बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी सैयद फिरदौस कलंदर नगर, संतोष नगर, हैदराबाद का निवासी है और ऑटो चालक के रूप में कार्य करता है। उसका सौतेला पिता मोहम्मद ख़ादर एवं किशोर सौतेला भाई इस्लामपुरा, इचोड़ा मंडल, आदिलाबाद में रहते हैं। सैयद फिरदौस पूर्व में शारीरिक एवं संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त रहा है। वह बुरी आदतों का आदी है और अपने ऐशो-आराम के खर्चों को पूरा करने हेतु गांजा बेचने का निर्णय लिया। लगभग एक सप्ताह पूर्व, मुख्य आरोपी के निर्देशानुसार मोहम्मद ख़ादर अपने किशोर के साथ नागपुर, महाराष्ट्र गया और मेहराज (निवासी नागपुर, महाराष्ट्र) से 13 हज़ार प्रति किलोग्राम की दर से 13 किलोग्राम गांजा खरीदा। वे वापस क़लंदर नगर, संतोष नगर आए। इसके अतिरिक्त मोहम्मद ख़ादर (9) चोरी के मोबाइल फोन भी हैदराबाद में बेचने हेतु लाया और फिरदौस को गांजा सौंप दिया। उसने तस्कर सज्जू निवासी मादनपेट, हैदराबाद से दो किलोग्राम तथा यूसुफ (निवासी जलपल्ली, हैदराबाद) से दो किलोग्राम गांजे का ऑर्डर लिया। पुलिस टीम ने जलपल्ली से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में मेहराज निवासी नागपुर, महाराष्ट्र, सज्जू निवासी मादनपेट, हैदराबाद, यूसुफ निवासी जलपल्ली, हैदराबाद, किशोर फरार बताए जा रहे है। आरोपियों कोल एस. सैदा बाबू, निरीक्षक पुलिस, आयुक्त टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में, उप निरीक्षक एम. मधु, के. रामाराव, के. स्वामी, पीसी एस. बालचंदर एवं आयुक्त टास्क फोर्स दक्षिण-पूर्व जोन टीम तथा आईएस सदन पुलिस स्टेशन के स्टाफ द्वारा की गईं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 26 जनवरी- 2026

ईरान और अमेरिका में तनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में जब कहा था कि एक बड़ा नौसैनिक बेड़ा ईरान की तरफ बढ़ रहा है तो ईरान के खलीफा यानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने भी जवाब दिया था कि आसपास के जितने भी अमेरिकी बेडे हैं जब ईरानी हथियारों व मिसाइलों की जद में है। बहरहाल, अमेरिकी बेड़े में फाइटर जेट और मिसाइलें भी शामिल हैं, जो ईरान को तबाह करने के लिए काफी बताई जा रही हैं। स्वाभाविक है इससे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को अमेरिका के हमले का डर सताने लगा है। इस बीच ऐसी जानकारी भी आ रही है कि अमेरिकी हमले की आशंका को देखते हुए अली खामेनेई तेहरान के एक बंकर में छिप गए हैं। इसकी पुष्टि करते हुए टाइम्स ऑफ इजरायल ने ईरान के एक विपक्षी न्यूज चैनल के हवाले से बताया है कि तेहरान स्थित खामेनेई का बंकर बहुत मजबूत है। इसके नीचे आपस में कई सुरंगें जुड़ी हुई हैं। यह जानकारी ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले की रिपोर्टों के बीच आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, खामेनेई को एक बंकर में शिफ्ट कर दिया गया है। खामेनेई के ऑफिस के रोजाना के कामकाज को संभालने की जिम्मेदारी उनके तीसरे बेटे मसूद को दी गई है। इस समय वही सरकारी नेताओं के लिए खामेनेई से कम्युनिकेशन का मुख्य जरिया भी बना हुआ है। ईरान ने इसी महीने जारी भारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने खामेनेई के नेतृत्व वाली ईरानी शासन को खुली धमकी दी थी। ट्रंप ने धमकी भी दी थी कि अगर ईरान सरकार प्रदर्शनों को कुचलने के लिए ताकत का इस्तेमाल करती है तो अमेरिका कार्रवाई करने से नहीं चूकेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में सीधे प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया था और कहा था कि मदद आ रही है। मामले में ट्रंप की धमकी में तब लचीलापन दिखा जब बाद में उन्होंने कहा कि ईरानी सरकार ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वह बड़े पैमाने पर फांसी देने की योजना को स्थगित कर रही है। ऐसे में लगा कि वॉशिंगटन और तेहरान के रिश्ते एक फिर से सुधर रहे हैं, लेकिन बाद में ट्रंप ने यह कह कर सनसनी फैला दी कि अमेरिकी नेवी का विशाल बेड़ा खाड़ी की तरफ जा रहा है। अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार, इस बेड़े में विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के साथ ही विध्वंसक जहाज और युद्धपोत शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि वे ईरान के हालात पर लगतार नजर रख रहे हैं। इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी कार्ड कोर्ट के कमांडर ने शनिवार को कहा कि आईआरजीसी पहले से कहीं ज्यादा तैयार है और इसकी उंगली ट्रिगर पर है। जनरल मोहम्मद पाकपुर ने कहा कि अमेरिका और इजरायल को किसी भी प्रकार की गलतफहमी है तो उसे निकाल दे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड और प्यारा ईरान पहले से कहीं ज्यादा तैयार है। कमांडर इन चीफ के आदेशों और निर्देशों का पालन करने के लिए उंगली ट्रिगर पर है, जो एक इशारे में ही अमेरिका को सबक सिखाने के लिए पर्याप्त है।

टैरिफ़ युग में नई आर्थिक रेखा

आरके जैन

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय इतिहास के एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहां वैश्विक राजनीति, व्यापारिक नीतियां और राष्ट्रीय हित आपस में गहराई से उलझ गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आक्रामक टैरिफ़ ने विश्व व्यापार व्यवस्था की स्थिरता को चुनौती दी है। अगस्त 2025 में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ़ केवल शुल्क वृद्धि नहीं, बल्कि एक स्पष्ट राजनीतिक और आर्थिक संदेश हैं। इस पृष्ठभूमि में बजट 2026 साधारण वार्षिक प्रक्रिया न रहकर भारत की आर्थिक दिशा तय करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज बनने की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप टैरिफ़ का प्रभाव भारतीय निर्यात के लिए गहरी चिंता का विषय बन चुका है। उपभोक्ता वस्तुएं, वस्त्र, रसायन, ऑटो कलपुर्जे और खुदरा उत्पाद जैसे क्षेत्र सीधे तौर पर इन शुल्कों की मार झेल रहे हैं। बढ़ी हुई लागत के कारण भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं। यह स्थिति केवल व्यापार घाटे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उत्पादन, रोजगार और निवेश पर भी नकारात्मक असर डालने की क्षमता रखती है। ऐसे में बजट 2026 से अपेक्षा है कि वह इस दबाव को अवसर में बदलने की स्पष्ट रणनीति प्रस्तुत करे।

वैश्विक स्तर पर ट्रंप टैरिफ़ संरक्षणवाद की उस नई लहर का प्रतीक हैं, जिसमें मुक्त व्यापार की अवधारणा धीरे-धीरे पीछे हटती दिख रही है। अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को प्राथमिकता देकर अंतरराष्ट्रीय नियमों को पुनर्परिभाषित कर रहा है। भारत के लिए यह संकेत स्पष्ट है कि अब केवल पारंपरिक व्यापार साझेदारों पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। बजट 2026 के माध्यम से भारत को यह संदेश देना होगा कि वह बदलती वैश्विक व्यवस्था में केवल अनुकूलन ही नहीं, बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है। निर्यात विविधीकरण इस पूरे विमर्श का सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरता है। वर्षों से भारतीय निर्यात कुछ सीमित बाजारों पर केंद्रित रहा है, जिससे किसी एक झटके का असर व्यापक हो जाता है। ट्रंप टैरिफ़ ने इसी कमजोरी को उजागर किया है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और यूरोप के उभरते बाजार भारत के लिए नए अवसर प्रस्तुत करते हैं। बजट 2026 में यदि विशेष निर्यात प्रोत्साहन, बाजार-विशेष रणनीतियां और लॉजिस्टिक समर्थन शामिल किए जाते हैं, तो भारतीय निर्यात नई दिशा पकड़ सकता है।

टैरिफ़ का प्रभाव रोजगार पर भी गहरा पड़ सकता है। निर्यात आधारित उद्योगों में मांग घटने से उत्पादन में कटौती और नौकरियों में कमी का खतरा बढ़ गया है। छोटे और मध्यम उद्योग, जो पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से घरेलू मांग पर आधारित है, फिर भी निर्यात क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। बजट 2026 में रोजगार संरक्षण और सृजन के लिए लक्षित उपाय इस चुनौती का प्रभाव कम कर सकते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए यह बजट केवल वित्तीय संतुलन साधने का अभ्यास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मरक्षा की रणनीति गढ़ने का अवसर है। नीति विशेषज्ञों की राय है कि गैर-टैरिफ़ बाधाओं को हटाना, नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाना और नीति स्थिरता सुनिश्चित करना समय की सबसे बड़ी मांग है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने के लिए स्पष्ट नियम और तेज निर्णय प्रक्रिया आवश्यक है। बजट 2026 यदि इस दिशा में ठोस संकेत देता है, तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और मजबूत स्थिति बना सकता है। घरेलू मांग को सशक्त बनाना ट्रंप टैरिफ़ के प्रभाव को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। जब देश का आंतरिक बाजार मजबूत होता है, तब बाहरी झटके सीमित प्रभाव डाल पाते हैं। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए आयकर राहत, उपभोग को बढ़ावा देने वाले कदम और अप्रत्यक्ष कर सुधार बजट 2026 की प्राथमिकताओं में शामिल हो सकते हैं। इससे न केवल खपत बढ़ेगी, बल्कि उद्योगों को स्थिर और विश्वसनीय मांग का आधार भी मिलेगा।

देश की स्वतन्त्रता का पहला संग्राम

निरंकार सिंह

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों और घटनाओं की एक शृंखला थी जिसका अंतिम उद्देश्य भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करना था। यद्यपि सन 1857 के विद्रोह को 'स्वतन्त्रता का प्रथम संग्राम' कहा जाता है, किन्तु भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन उससे भी बहुत पहले छिटफुट रूप से आरम्भ हो गया था। यह 1947 तक ही नहीं बल्कि उसके बाद गोवा की मुक्ति तक चला। भारत में अंग्रेज पहले विजेता के रूप में नहीं, बल्कि व्यापारियों के रूप में आए थे , जो भारत की असाधारण संपदा से आकर्षित थे, जो यूनानी काल से ही पश्चिम में प्रसिद्ध थी। वे भारत पहुँचे तो देखा कि विशाल मुगल साम्राज्य का प्रभुत्व भारत पर था, जिसकी स्थापना 16वीं शताब्दी में विजेता बाबर ने की थी और जो अब उपमहाद्वीप के अधिकांश भाग पर शासन करता था।

पर 1613 में, मुगल बादशाह जहाँगीर ने अंग्रेजों को गुजरात के सूरत में एक व्यापारिक चौकी स्थापित करने की अनुमति दी , जो भारत में अंग्रेजों का पहला पैर जमाने का स्थान बना। अगली शताब्दी में, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अतिरिक्त व्यापारिक चौकियाँ स्थापित कीं और धीरे-धीरे पूरे उपमहाद्वीप में अपना आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया। 1707 में सम्राट औरंगजेब की मृत्यु के बाद , मुगल साम्राज्य तेजी से पतन के दौर में प्रवेश कर गया, जिससे मराठों , सिखों और उत्तरी राजपूत सरदारों सहित विभिन्न क्षेत्रीय शक्तियों को अपनी संप्रभुता स्थापित करने का अवसर मिला । 18वीं शताब्दी के मध्य तक, उपमहाद्वीप में एक भी प्रमुख शक्ति नहीं बची थी, जिससे यह क्षेत्र औपनिवेशिक महत्वाकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील हो गया।

1757 में प्लासी की लड़ाई , ब्रिटेन और फ्रांस के बीच चले सात साल के युद्ध का हिस्सा थी। यह भारत पर ब्रिटिश विजय में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपनी स्थिति को तेजी से मजबूत किया था और अब देशी शासकों द्वारा इसे एक गंभीर खतरा माना जाता था। बंगाल के नवाब, सिराज-उल-दौला , फ्रांस के साथ गठबंधन के पक्ष में थे। वे पहले कंपनी के व्यापारिक पदों पर हमला कर चुके थे। पर नवाब के सेनापति मीर जाफर ने प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला के साथ विश्वासघात किया, जिससे अंग्रेजों को बंगाल पर नियंत्रण हासिल करने में मदद मिली। मीर जाफर को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल का नवाब बनाया था। इस महत्वपूर्ण जीत ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में एक मात्र व्यापारिक उपस्थिति से एक सैन्य और राजनीतिक शक्ति में बदल दिया । इसके बाद भी बक्सर के युद्ध (1764) के साथ बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में 1799 में बनारस बाबू जगत सिंह के विद्रोह का सामना पडा। सशस्त्र संघर्ष को अंजाम देने के लिए 13 जनवरी 1799 की शाम तक 12,837 सैनिकों की भीड़ जुटाई गयी। ऐसा करने के लिए उपलब्ध समय की कमी को ध्यान में रखते हुए उस दिन इतने सारे व्यक्तियों का जमा हो जाना सराहनीय था। एक पखवाड़े से भी कम समय की तैयारी के आधार पर बनारस शहर और घाटों के लगभग सभी हिस्सों में जमींदारों और उनके लोगों ने इस प्रतिरोध में जिस उत्साह से भागीदारी की थी वह प्रशंसा का विषय है और हर तरह से कुछ करने के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। इस प्रकार प्रतिरोध का यह चरण अच्छी तरह से योजनाबद्ध और संगठित था। इस तथ्य के बावजूद कि अंग्रेजों की सभी गतिविधियों पर संदिग्ध निगाहें थीं। अंग्रेज पहले से ही जमान शाह के आसन्न आक्रमण के कारण अपनी सभी सैन्य तैयारियों के साथ सतर्क थे। फिर भी उन्हें वास्तव में विद्रोह की रूपरेखा के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। यह स्थापित करता है कि कैसे गुप्त रूप से सुनियोजित और संगठित चीजें उन सभी लोगों द्वारा की जा रही थीं जो इसका हिस्सा थे। यहाँ तक कि वेलेजली ने कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को लिखे पत्र में कहा था कि वजीर अली को कलकत्ता ले जाने के लिए चेरी को निर्देश देने के बाद उन्होंने 'बिना किसी आशंका या भयानक घटनाओं की संभावना के बंगाल छोड़ दिया। एर्स्किन के लिए माधव दास गार्डन पर हमला करना आसान नहीं था, जो अन्ततः पूरे ऑपरेशन में 'सुनियोजित गोलीबारी' का सामना करके एक लम्बी और निरन्तर लड़ाई के बाद ही प्राप्त किया जा सकता था। बार-बार उसे सैनिकों के संगठित दलों के हमलों से निपटना पड़ा। कई मौकों पर वे बहुत करीब से भी टकराये जिससे उसे चार-6 पाउंडर्स और 4 टमब्रिल की आग की आड़ में धीमे परन्तु स्थिर तरीके से बढ़ना और काफी राउंड चलाने और गोले फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस संघर्ष में चार अंग्रेज अधिकारी मारे गये। लेकिन साधारण सैनिकों के मारे जाने की संख्या का कहीं उल्लेख नहीं मिलता है। इन मारे गये अंग्रेज अधिकारियों के नाम हैं- कमांडर चेरी, कैप्टन कानवे, राबर्ट ग्राहम और रिचर्ड इवांस। इनकी कब्रें वाराणसी के कैंट क्षेत्र में मकबूल आलम रोड के किनारे इसाइयों के कब्रिस्तान में बनी हुई है जिन्हें आज भी देखा जा सकता है। पूरे कब्रिस्तान में इन कब्रों का टावर सबसे ऊंचा बना हुआ है। इस कब्रगाह पर मारे गये अंग्रेज अधिकारियों के साथ इनको मारने वाले वजीर अली का भी नाम लिखा है जो जगत सिंह के सहयोगी थे। यह सब उन लोगों की बहादुरी और साहस को दर्शाता है जो अपनी जान की परवाह किये बिना वहाँ लड़ रहे थे। हांलाकि दोनों ओर से कुल कितने लोग मारे गये अब तक इसका कोई प्रमाणिक विवरण नहीं मिल पाया है। इस बारे में अनुमान है कि हजारों लोग मारे गये होगें। गोला-बारूद और तोपखाने के कारण अंग्रेज भाग्यशाली रहे और बाबू जगत सिंह और वजीर अली की ओर से तोपखाने की अनुपस्थिति उनकी हार का कारण बनी। प्रतिरोध की विफलता का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण इसका त्वरित दमन था जो बनारस के आसपास के क्षेत्र में तैनात तोपखाने और भारी गोला-बारूद से लैस एक बड़ी सेना की उपस्थिति के कारण संभव था। विद्रोहियों की ओर से भी उनकी प्रगति में बाधा डालने का ध्यान रखा गया था, लेकिन इस काम के लिए नियुक्त किये गये लोग मौके पर अनुपस्थित रहे। उन्होंने अपना काम नहीं किया और अंग्रेजी फौज को कहीं भी आसानी से जाने की सुविधा मिल सकी। विशेष रूप से माधव दास बाग के रास्ते में और इसके ठीक सामने उन्हें गोलीबारी की ताकत और विरोधियों की दृढ़ता का स्वाद चखना पड़ा। अगर यह सेना वहॉ तैनात नहीं होती, तो इस बात की पूरी संभावना थी कि अंग्रेजों के लिए प्रतिरोध के प्रसार को और अधिक खतरनाक स्तर तक रोकना मुश्किल हो जाता। बहरहाल बाबू जगत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा बहादुर सिंह, गजराज सिंह, बीजक सिंह प्रथम, रामदयाल, शिवशरण सिंह, लाल सिंह, शिवदेव सिंह, मिर्जा अली, इमाम अली, मिर्जा बेग, हफीजुल्लाह, खैरउद्दीन बेग, मुराद चैन को भी गिरफ्तार करके उन पर विभिन्न आरोपों का लगातार मुकदमा चलाया गया और सजा दी गयी। बाबू जगत सिंह को इस विद्रोह के लिए गिरफ्तार करके बनारस की विशेष अदालत में मुकदमा चलाया गया। अदालत ने उन्हें 'सजा-ए-मौत' की सजा दी। लेकिन निजाम अदालत ने इस सजा को बदलकर उन्हें आजीवन देश निकाला की सजा दी और इसकी पुष्टि के लिए काउंसिल के उपाध्यक्ष को भेज दिया। कलकत्ता काउंसिल ने इसकी पुष्टि करते हुए बनारस की अदालत को जगत सिंह को कलकत्ता भेजने को आदेश दिया। उधर बनारस में जगत सिंह के देश निकाला होते ही भूमिहार सरदारों में आतंकवश शान्ति छा गयी। किन्तु शहर के पक्के मुहल्लों में अब भी कुछ न कुछ आग शेष थी।

भारतीय गणतंत्र की आधारशिला महिलाएं

प्रमोद दीक्षित मलय

गणतंत्र भारत के निवासी होने के कारण हमें कर्म और अभिव्यक्ति की आजादी प्राप्त है पर इस आजादी के लिए हमारे पुरखों ने मूल्य चुकाया है। अंग्रेजों के विरुद्ध आजादी की लड़ाई में पुरुषों के साथ ही महिलाओं ने भी सक्रिय भाग लिया और स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी थी। यह उनके देश प्रेम का परिचायक तो था ही, साथ ही उनकी सामाजिक-राजनीतिक चेतना का प्रखर स्वर भी था। भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास के गगन में अनेक महिलाओं के नाम देदीप्यमान हैं। आजाद हिन्द फौज की महिला पल्टन की सशस्त्र वीरांगनाएं हों, क्रान्किारियों की सतत सहायता करने वाली वीर बालाएँ हों या फिर राजनीति के माध्यम से समाज जागरण का शंखनाद करने का महत्वपूर्ण काम, वे हर कहीं सफल रही हैं और अपनी छाप छोड़ी हैं। अपने शौर्य, मेधा, कर्मठता और चातुर्य से भारतीय गणतंत्र के निर्माण में महिलाओं का योगदान वरेण्य है।

'मैं कित्तूर नहीं दूँगी' का उद्‌घोष करने वाली कित्तूर की रानी चेन्नम्मा का नाम बड़े आदर और सम्मान से लिया जाता है। कर्नाटक के कित्तूर में सन् 1778 ई. में जन्मी चेन्नम्मा ने बचपन से युद्ध संचालन सीखा था। संस्कृत, मराठी और कन्नड में पारंगत चेन्नम्मा का विवाह दक्षिण भारत के समृद्ध राज्य कित्तूर के राजा मल्लसर्ज के साथ हुआ। राजा निःसंतान स्वर्ग सिधार गये। अंग्रेजों ने राज्य को हड़पने के लिए रानी को राज्य छोड़कर जाने का आदेश दिया। रानी नहीं मानीं। फलतः सितम्बर 1824 ई. में धारवाड़ के कलेक्टर थैकरे ने 500 सिपाहियों के साथ किले को घेर लिया। भयंकर युद्ध में रानी पकड़ी गईं और जेल में डाल भीषण यातनाएं दी गईं और वहीं 21 फरवरी, 1825 ई. को रानी के प्राण-पखेरू उड़ गये। वाराणसी में 19.11.1835 को जन्मी मनु को एक दिन इतिहास रानी लक्ष्मीबाई के रूप में याद रखेगा, यह कौन जानता था। झाँसी के राजा गंगाधर राव से विवाह हुआ पर वह लक्ष्मीबाई को निःसंतान अकेला छोडकर चल बसे।1854 ई. को अंग्रेज अधिकारियों के रानी को झाँसी छोड़ देने का हुक्म के जवाब में रानी ने दृढता से कहा, ''मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी।'' अंग्रेजों को तो बहाना चाहिए था। युद्ध प्रारम्भ हुआ। रानी बड़ी वीरता से लड़ रहीं थीं लेकिन एक सैनिक द्वारा लालचवश किले का द्वार खोल देने के कारण रानी को किला छोड़ना पड़ा। अंग्रेजी सेना ने रानी का पीछा किया। कालपी और ग्वालियर में आमने-सामने भयंकर युद्ध हुआ। घायल रानी अपने दत्तक पुत्र को पीठ पर बाँधे, घोड़े की लगाम मुँह में पकड़े, दोनों हाथों से तलवार चलाती अंग्रेज सैनिकों को मारती-चीरती रास्ता बनाती आगे बढ़ती जा रही थीं। घायल अवस्था में बाबा गंगादास की कुटी में आश्रय लिया और वहीं प्राण निकल गये। वह कुटी रानी की अन्त्येष्टि की समिधा बन जलकर देशप्रेमियों के लिए पावन हो गई। रानी लक्ष्मीबाई की हमशक्ल 1830 ई. में जन्मी झलकारी का विवाह रानी लक्ष्मीबाई के तोपची पूरन सिंह के साथ हुआ था। प्रारम्भिक जीवन जंगल में बीता, इस कारण धीरता, वीरता और चपलता के गुण उसे प्रकृति के सान्निध्य में ही मिल गये थे। रानी जब अंग्रेजों द्वारा किले में घेर ली गई तो झलकारी बाई रानी के वस्त्र धारण कर युद्धक्षेत्र में उतर गईं और रानी सुरक्षित निकल गईं। कालपी और ग्वालियर में युद्ध कर अंग्रेजी सेना को रोकने की भरपूर कोशिश की और राष्ट्र रक्षा के लिए अपने प्राण उत्सर्ग कर दिये। लक्ष्मीबाई की महिला सेना की कमांडर जूही तोपखाना सँभालती रहीं और रानी के साथ ही किले से बाहर निकलीं। अन्त तक उनके साथ रहकर अंग्रेजों को आगे बढ़ने न दिया। इसी तरह रानी के व्यक्तिगत रक्षादल की कमांडर मुन्दर ने रानी के साथ ही प्राण त्यागे और उसका भी गंगादास की कुटी में अंतिम संस्कार हुआ। अवंतिका बाई लोधी मांडला क्षेत्र के रामगढ राज्य के अंतिम राजा लक्ष्मण सिंह की रानी थीं। राजा की मृत्यु के बाद पुत्र विक्रमजीत राजकाज न चला सका। अंग्रेज कमिश्नर ने रानी को पत्र लिखा कि कलेक्टर से मिलकर सरकार से संधि कर पेंशन लेकर राज्य सौप दें अन्यथा परिणाम भुगतें। रानी के स्वाभिमान को यह स्वीकार न था फलतः अप्रैल 1858 ई. में अंग्रेजी सेना के साथ भयंकर युद्ध हुआ। रानी ने स्वयं युद्ध किया पर अपनी हार को देखते हुए रानी ने जंगलों की शरण ली और वहीं से गुरिल्ला युद्ध करती रहीं। नाना साहब की 12 वर्षीय बेटी मैना की चर्चा किए बिना वीरांगनाओं की यह मलिका अधूरी ही रहेगी। नाना साहब को पकड़ने बिठूर गई अंग्रेजी सेना नाना जी को ना पाकर गुस्से में बिठूर के किले को ध्वस्त कर दिया और आग लगा दी। इसी बीच उनकी बेटी मैना हाथ लग गई। उससे नाना साहब का पता ठिकाना पूछने पर मैना ने कहा कि उसे नहीं मालम और मालूम भी होता तो उन्हें नहीं बताती। इतना सुनकर अंग्रेज अधिकारी भड़क गया और मैना को भभकती आग में उछाल दिया, देखते ही देखते वह वीर कन्या आग की धधकती लपटों में समा गई। धन्य है भारत की वह बेटी। अवध के नवाब वाजिद अली शाह की बेगम हजरत महल का नाम भी भारत की आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाली महिलाओं की अग्र पंक्ति में शुमार किया जाता है। अंग्रेजों से युद्ध कर नाको चने चबवा दिए और अन्त में नेपाल चलीं गईं।

एक समृद्ध बंगाली परिवार में जन्मी अरुणा आसफ अली ने नमक आन्दोलन से राष्ट्रीय राजनीति में भागीदारी प्रारम्भ की। गैर कानूनी रूप से नमक बनाने पर कैद कर लिया गया और एक साल की सजा हुई। जेल से छूटने के बाद भी राजनीति में सक्रिय रहीं। 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' आन्दोलन में भाग लिया। फलतः आपकी सम्पूर्ण सम्पत्ति जब्त कर ली गई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पत्रिका 'इन्कलाब' का सम्पादन किया। हैदराबाद में 1879 ई. में जन्मी सरोजिनी नायडू की क्षमता को पहचान गोपाल कृष्ण गोखले ने इन्हें राष्ट्रीय राजनीति में आने का न्योता दिया। सरोजिनी पहली बार गाँधी से 1914 में लंदन में मिलीं। यह उनके साथ अफ्रीका भी गई और समाज संगठन के गुर सीखे। 1925 के कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की अध्यक्ष चुनीं गईं। गोलमेज सम्मेलन मे गाँधी जी के साथ लंदन गईं और भारत का जोरदार पक्ष रखा। देश की आजादी के बाद आपको उत्तर प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया।

तहसील के भूत और गणतंत्र की धूप

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के उस 'घपला गंज' इलाके में, जहाँ गणतंत्र की जड़ें उतनी ही गहरी थीं जितनी कि सरकारी सड़क पर पड़ा हुआ गड्ढा, मुंशीराम 'मक्खन' गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगे की रस्सी सुलझाने में ऐसे उलझे थे जैसे कोई नया दामाद ससुराल की मर्यादाओं में उलझता है। मुंशीराम, जिनका पेशा ही व्यवस्था की मलाई चाटना था, इस बार 'अमृत काल' के उत्साह में इतने डूबे थे कि उन्होंने खंभे पर पेंट करवाने के लिए उस पेंटर को बुलाया था जो चुनाव में विपक्षी पार्टियों के कालिख पोतने का विशेषज्ञ था। मुंशीराम ने चश्मा नाक पर टिकाते हुए कहा, देख भाई, कल झंडा फहराते वक्त अगर रस्सी अटकी, तो समझ लेना कि तुम्हारी देशभक्ति पर 'जीएसटी' लग जाएगा। संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं, पर झंडा फहराने का अधिकार केवल उसे है जिसकी फाइल मेज के ऊपर से चलती है। तभी वहां धर्मवीर 'धीठ' हाथ में हुक्का लिए प्रकट हुए। धर्मवीर ने आते ही झंडे के खंभे को लात मारते हुए उसकी मजबूती जांची, जैसे कोई डॉक्टर मरीज की नब्ज नहीं, बल्कि उसकी जेब की गहराई जांचता है। अरे मुंशी! तू यो झंडा फहरावेगा या प्रजातंत्र का कबाड़ा करेगा? यो खंभा तो कति ऐसा डगमगा रहा है जैसे अविश्वास प्रस्ताव के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी। झंडा तो तू फहरा देगा, पर यो जो संविधान की किताब तूने मंच पै सजा रखी है, इसका क्या करेगा? इसे तो तूने पिछली बार टेंट वाले का हिसाब लिखने के लिए इस्तेमाल किया था। भाई, गणतंत्र दिवस तो केवल उन खातिर है जिनकी कोठियां ऊंची हैं, हम जैसे तो बस नीचे खड़े होकर बूंदी के लड्डू की आस में 'भारत माता की जय' बोलते रह जावें हैं। मुंशीराम ने एक गहरी सांस ली, जो देशभक्ति से कम और सरकारी बजट की चिंता से ज्यादा भरी थी, और बोले, धीठ भाई, ये उत्सव है, इसे तर्क की कसौटी पर मत कसो। यहाँ तो वो भी 'जन-गण-मन' गाता है जिसे 'जन' से नफरत और 'गण' से परहेज है। ठाकुर गजेंद्र सिंह 'घसीटा' ने जब मंच संभाला, तो उनके गले की खराश भी किसी राजकीय घोषणा जैसी सुनाई दे रही थी। उन्होंने चश्मा चढ़ाया और उस कागज को खोला जिस पर 'आजादी के मायने' लिखे थे, हालांकि वह कागज किसी पुरानी फाइल का पिछला हिस्सा लग रहा था जिस पर अभी भी 'बेदखली' के आदेश की गवाही बाकी थी। ठाकुर साहब बोले, भाइयों, आज हमारा देश स्वतंत्र है, हर नागरिक राजा है! धर्मवीर 'धीठ' ने अपनी हरियाणवी की लट्ठमार शैली में बगल वाले को कोहनी मारी और बोले, सुण भाई, यो राजा तो हम सब हैं, पर हमारा राज केवल राशन की लाइन में खड़ा होने तक सीमित है। ठाकुर साहब समानता का ऐसा पाठ पढ़ा रहे हैं जैसे भेड़िया बकरियों को शाकाहार का उपदेश दे रहा हो। यो जो सामने 'संविधान' की किताब रखी है, इसे देखकर तो ऐसा लागे है जैसे किसी अनपढ़ के हाथ में रॉकेट की मैनुअल बुक आ गई हो। तभी मंच पर मुंशीराम ने घोषणा की कि अब 'गणतंत्र रत्न' पुरस्कार दिया जाएगा। सस्पेंस ऐसा बढ़ा जैसे किसी सस्पेंस फिल्म का क्लाइमेक्स हो। मुंशीराम ने चिल्लाकर नाम पुकारा- मंगल सिंह! भीड़ में सन्नाटा छा गया। मंगल सिंह इस इलाके का वह सीधा-सादा किसान था जिसकी जमीन पिछले साल एक 'सड़क परियोजना' के नाम पर ठाकुर साहब के ही किसी करीबी ने हड़प ली थी। सबने सोचा कि शायद पश्चाताप का अमृत काल चल रहा है और ठाकुर साहब उसे सम्मान देकर अपनी छवि चमकाना चाहते हैं। मुंशीराम ने फिर पुकारा, मंगल सिंह, सामने आएं और अपना सम्मान स्वीकार करें! पर कोई सामने नहीं आया। भीड़ में कानाफूसी होने लगी कि क्या मंगल सिंह ने इस 'पाखंड' का हिस्सा बनने से मना कर दिया है? या फिर प्रजातंत्र के इस नाटक में उसने अपनी चुप्पी को ही सबसे बड़ा विरोध मान लिया है? सन्नाटा और गहरा गया, यहाँ तक कि झंडे के ऊपर मँडराते कौवे भी 'कांव-कांव' करना भूल गए। मुंशीराम के माथे पर पसीना ऐसे चमकने लगा जैसे सरकारी बजट में अचानक कोई बड़ा 'होल' दिख गया हो। ठाकुर साहब ने माइक थामा और भारी आवाज में बोले, मंगल सिंह शायद भावुक हो गए हैं, या फिर भीड़ में कहीं खो गए हैं।

लोकतंत्र नहीं, जनसत्ता का उत्सव है गणतंत्र

कृति आरके जैन

26 जनवरी की सुबह कोई साधारण सुबह नहीं होती। उस दिन सूरज की किरणें सिर्फ़ रोशनी नहीं लातीं, वे आत्मसम्मान की लौ जलाती हैं। सड़कों पर लहराता तिरंगा, कदम से कदम मिलाती टुकड़ियाँ और आकाश में गूँजती गर्जना हमें याद दिलाती है कि यह देश किसी एक के आदेश से नहीं, बल्कि करोड़ों इच्छाओं से चलता है। यहाँ सत्ता का सिंहासन किसी महल में नहीं, बल्कि हर नागरिक के भीतर स्थापित है। गणतंत्र का यही अद्भुत सत्य है कि इसमें शासन का स्रोत जनता है और जनता ही शासन की दिशा तय करती है।

गणतंत्र का अर्थ केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि चेतना है। यह वह विचार है जो कहता है कि जन्म से कोई ऊँचा या नीचा नहीं, सब समान हैं। यहाँ मुकुट किसी के सिर पर स्थायी नहीं रहता, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में हर हाथ में बँट जाता है। जब हम कहते हैं कि अब हर कोई राजा है, तो उसका मतलब अधिकारों का उन्माद नहीं, बल्कि कर्तव्यों की साझेदारी है। गणतंत्र हमें सिखाता है कि सच्चा राजा वही है जो अपने निर्णयों से समाज को मजबूत बनाए, न कि केवल स्वयं को।इस व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति वह क्षण है जब एक साधारण नागरिक मतदान केंद्र पर खड़ा होता है। वहाँ न धन बोलता है, न पद, न पहचान। वहाँ केवल विवेक बोलता है। एक बटन दबाते समय वह व्यक्ति इतिहास की धारा को मोड़ने की क्षमता रखता है। उस एक क्षण में सत्ता उसके हाथों में होती है। यही वह जादू है जो गणतंत्र रचता है, जहाँ सबसे शांत दिखने वाला नागरिक भी सबसे बड़ा निर्णायक बन जाता है और सत्ता को दिशा देने का अधिकार पाता है। हमारा संविधान इस गणतंत्र की आत्मा है। यह कोई मोटी किताब भर नहीं, बल्कि करोड़ों आशाओं का लिखित संकल्प है।

इसमें अधिकार हैं ताकि कोई कुचला न जाए और कर्तव्य हैं ताकि कोई स्वेच्छाचारी न बने। संविधान हमें बोलने की स्वतंत्रता देता है, पर सुनने की जिम्मेदारी भी सिखाता है। यह हमें चुनने का अधिकार देता है, पर सोचने की अपेक्षा भी रखता है। 1950 में लिया गया यह संकल्प आज भी जीवित है, क्योंकि हर पीढ़ी इसे अपने कर्मों से नया अर्थ देती है।

गणतंत्र का सौंदर्य उसकी सहनशीलता में छिपा है। यहाँ असहमति अपराध नहीं, बल्कि विकास का साधन है। सवाल पूछना विद्रोह नहीं, बल्कि जागरूकता का संकेत है। जब नागरिक प्रश्न करते हैं, तब व्यवस्था सजग होती है। यही कारण है कि यह देश कठिन दौर से गुजरकर भी टूटता नहीं। गरीबी, विपत्तियाँ, संकट और संघर्ष आते रहे, पर हर बार गणतंत्र ने लोगों को यह भरोसा दिया कि हार अंतिम सत्य नहीं। उठना, सीखना और आगे बढ़ना ही इसकी असली पहचान है। इस देश का हर नागरिक अपने क्षेत्र में राजा है। किसान खेत में फैसले लेता है, शिक्षक कक्षा में भविष्य गढ़ता है, मजदूर ईंट पर ईंट रखकर सपनों की इमारत खड़ी करता है। महिलाएँ सीमाएँ तोड़कर नेतृत्व करती हैं और युवा नए रास्ते खोजते हैं। यहाँ राजत्व किसी सिंहासन से नहीं, बल्कि श्रम और समर्पण से मिलता है। जब हर व्यक्ति अपने दायित्व को ईमानदारी से निभाता है, तब गणतंत्र केवल शासन पद्धति नहीं रहता, वह जीवन शैली बन जाता है।

आज का गणतंत्र केवल अधिकारों का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वों की परीक्षा भी है। अगर हम राजा हैं, तो हमें न्यायप्रिय भी होना होगा। अगर हमारी आवाज़ की कीमत है, तो दूसरों की चुप्पी का सम्मान भी जरूरी है। सड़क पर नियम मानना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और कमजोर के पक्ष में खड़ा होना भी राजधर्म ही है। गणतंत्र तब खोखला हो जाता है जब हम अधिकार तो माँगते हैं, पर कर्तव्य से मुँह मोड़ लेते हैं। सच्चा राजा वही है जो अनुशासन को सम्मान समझे। तिरंगे को सलामी देते समय हमें यह भी याद रखना चाहिए कि यह ध्वज केवल गर्व का प्रतीक नहीं, बल्कि भरोसे की कसौटी है। इसमें उन बच्चों के सपने हैं जो शिक्षा से भविष्य बदलना चाहते हैं और उन बुज़ुर्गों का विश्वास है जिन्होंने संघर्ष में जीवन बिताया। यह झंडा हमें जोड़ता है, बाँटता नहीं। गणतंत्र की सफलता इसी में है कि विविधता के बीच भी एकता बनी रहे। जब हर रंग अपनी पहचान के साथ साथ दूसरे रंग का सम्मान करता है, तभी तिरंगा पूर्ण दिखता है। आज की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हम गणतंत्र को केवल पर्व न बनने दें। इसे रोज़मर्रा के व्यवहार में उतारें। सवाल पूछें, पर समाधान भी सुझाएँ।

आलोचना करें, पर निर्माण की भावना से। जब नागरिक सजग होते हैं, तब शासन पारदर्शी होता है। तब कोई प्रजा नहीं बचती, क्योंकि सब सहभागी बन जाते हैं। यही वह अवस्था है जहाँ सत्ता ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि भीतर से बाहर बहती है और देश को मजबूती देती है। गणतंत्र का संदेश सरल और स्पष्ट है। यहाँ कोई स्थायी राजा नहीं और कोई स्थायी प्रजा नहीं। यहाँ हर व्यक्ति अपने निर्णयों से राजा बनता है और अपने कर्तव्यों से व्यवस्था को जीवित रखता है। जब सब मिलकर जिम्मेदारी उठाते हैं, तब राष्ट्र आगे बढ़ता है। यही गणतंत्र की जीत है, यही भारत की ताकत है। इस विचार को केवल शब्दों में नहीं, कर्म में जिएँ। क्योंकि जब हर नागरिक राजा होता है, तब देश केवल बड़ा नहीं, महान बनता है।

पूर्व महिला सरपंच की दिनदहाड़े हत्या

घात लगाए बैठे हमलावरों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

मानसा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। (पंजाब) मानसा जिले के गांव खिल्लन में पीआरटीसी के पूर्व डायरेक्टर व कांग्रेसी नेता कर्म सिंह चौहान की भतीजी और पूर्व महिला सरपंच महिंद्रजीत कौर (40) की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उनके सिर में पिस्तौल से तीन गोलियां दागीं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। परिजनों के अनुसार शनिवार दोपहर महिंद्रजीत कौर अपने पति मनप्रीत सिंह के साथ खेत का चक्कर लगाकर स्कॉर्पियो गाड़ी से गांव पहुंचीं। जैसे ही वे घर के पास उतरीं तो पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। महिंद्रजीत कौर के सिर में तीन गोलियां लगीं जबकि एक गोली उनके पति मनप्रीत सिंह के पास से निकल गई जिससे वह बाल-बाल बच गए। हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।

वहीं, पूर्व महिला सरपंच की हत्या की खबर से गांव खिल्लन में शोक का माहौल है। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। मृतका के चाचा कर्म सिंह चौहान ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके खेत में अज्ञात लोगों द्वारा रोड़े और मलबा फेंक दिया गया था जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। परिवार मूल रूप से बुढलाडा में रहता है और कभी-कभार ही खेत देखने गांव खिल्लन आता था। पुलिस इस पुराने विवाद को भी जांच का हिस्सा मान रही है। पुलिस चौकी नरिंद्रपुरा के इंचार्ज राजविंद्र सिंह ने बताया कि महिला सरपंच की मौत गोली लगने से हुई है और मामले की गहन जांच जारी है।

'विकास शब्द पर पाबंदी लगाई जाए', सामना के जरिए बीजेपी और शिंदे पर भड़के संजय राऊत

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के मुखपत्र सामना में लिखे अपने तीखे लेख के जरिए चुनावी प्रक्रिया, ईवीएम, पैसों की राजनीति और "विकास" के नाम पर हो रही उठापटक पर सीधे सवाल खड़े किए हैं। राऊत का कहना है कि मौजूदा दौर में लोकतंत्र नहीं, बल्कि पैसे का राज चल रहा है। राऊत का कहना हैं कि मुंबई समेत 29 महानगरपालिकाओं के नतीजे आए काफी वक्त हो चुका है। मुंबई में भले ही शिवसेना-मनसे की सत्ता नहीं बनी, लेकिन भाजपा की सत्ता पर पूरी तरह अंकुश भी नहीं लग पाया। उनके मुताबिक, शिवसेना-मनसे के 71 नगरसेवक चुने गए, जो यह दिखाता है कि मुंबई के मराठी मतदाताओं ने आज भी 'ठाकरे ब्रांड' पर भरोसा जताया है। सामना में राऊत ने आरोप लगाया कि महानगरपालिका चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। उन्होंने कहा कि सत्ताधारियों ने वोटों और जीत की खुली लूट की और कई जगहों परविपक्ष की जीत छीन ली गई। राऊत ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत बताया। राऊत ने जलगांव महानगरपालिका का उदाहरण देते हुए बताया कि शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के जिलाप्रमुख कुलभूषण पाटील चुनाव जीत चुके थे। ईवीएम गिनती में जीत दिखने के बावजूद चुनाव अधिकारी ने नतीजा घोषित नहीं किया और बाद में किसी दूसरे उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया। पुनर्मतगणना की मांग ठुकरा दी गई और विरोध करने पर पुलिस बुलाकर लाठीचार्ज तक किया गया। राऊत के मुताबिक यह सीधा चुनावी घोटाला है।

पुणे के वसंत उर्फ तात्या मोरे का जिक्र करते हुए राऊत कहा हैं कि मतगणना के दौरान मोरे बढ़त बनाए हुए थे। तभी अचानक ईवीएम बंद होने की बात कही गई। नई मशीनें लाई गईं और उसी प्रक्रिया के बाद मोरे हार गए। राऊत का दावा है कि कुल मतदान और गिने गए वोटों में 1,108 वोटों का अंतर था और उतने ही अंतर से मोरे की हार हुई। सवाल यह है कि ये वोट गए कहां? राऊत का कहना है कि ऐसे 'चमत्कार' मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और पुणे जैसी जगहों पर भी हुए।

जो नेता सदन में भाजपा के कामकाज पर सवाल उठाते थे, उन्हें चुनाव में इसी तरह हराया गया। उन्होंने पूछा कि क्या यही लोकतंत्र है? राऊत ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले ही 70 नगरसेवक निर्विरोध चुन लिए गए और बाद में चुने गए प्रतिनिधियों को पैसों के दम पर तोड़ा गया। कई नेता 'विकास' के नाम पर सत्ताधारी गुट में शामिल हो गए। राऊत ने इसे "चूहों की भगदड़" करार दिया और कहा कि आज की राजनीति में सिद्धांतों की कोई जगह नहीं बची। सामना में राऊत ने तीखा तंज कसते हुए कहा कि 'विकास' शब्द इतना बदनाम हो चुका है कि उस पर ही पाबंदी लगा देनी चाहिए।

आपकी सात पीढ़ियां आ जाएं तो भी वे महाराष्ट्र को हरा नहीं बना पाएंगी

नवनीत राणा ने इम्तियाज जलील के बयान पर दे डाली कड़ी चेतावनी

अमरावती, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा ने एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इम्तियाज जलील के सिर्फ मुंब्रा ही नहीं, बल्कि पूरा महाराष्ट्र हरा होगा वाले बयान का जिक्र करते हुए नवनीत राणा ने कहा कि जलील अपनी हैसियत और हालात भूल गए हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज का जिक्र करते हुए नवनीत राणा ने कहा, छत्रपति के बच्चों और भक्तों का खून आज भी शरीर में दौड़ रहा है। आपकी सात पीढ़ियां भी आ जाएं, तो भी वे महाराष्ट्र को हरा-भरा नहीं बना पाएंगी। इम्तियाज जलील पर अपनी तमीज भूलने का आरोप लगाते हुए उन्होंने महिलाओं और महाराष्ट्र के बारे में उनके बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, हम आपको इस देश में माइनॉरिटी के तौर पर रहने देते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि हम चुप रहेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो 15 सेकंड भी काफी हैं। महाराष्ट्र कभी हरा नहीं होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे महाराष्ट्र को धमकाया जा रहा है। नवनीत राणा ने इम्तियाज जलील को चेतावनी देते हुए कहा कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र है और हम धमकियों की भीख नहीं मांगते।

उन्होंने चेतावनी दी, आप जिस शहर में रहते हैं, उसका नाम छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर है। अगर आप बदतमीजी और महिलाओं के बारे में अपमानजनक शब्द बोलना बंद नहीं करेंगे, तो महाराष्ट्र में घूमना मुश्किल हो जाएगा। नवनीत राणा ने यह भी कहा, तमीजी में रहें और अपना काम करें। अगर आप माइनॉरिटी के तौर पर रह रहे हैं, तो अच्छे तरीके से रहें।

एक्टिवा सवार दो छात्राओं को बस ने रौंदा,एक की मौत

भोपाल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भोपाल की नई मंडी गेट के सामने एक्टिवा सवार छात्रा को राजस्थान नंबर की बस ने टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा की मौत हो गई, जबकि उसकी सहेली गंभीर रूप से घायल हो गई। छोला मंदिर पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद रविवार दोपहर परिजनों को सौंप दिया। घटना रात की बताई जा रही है। मृतका की पहचान 19 वर्षीय माही यादव, पुत्री रंजीत यादव, निवासी शारदा नगर, नारियल खेड़ा के रूप में हुई है। माही शनिवार रात अपनी सहेली के साथ पीपल्स मॉल घूमने गई थी। लौटते समय नई मंडी गेट के सामने एक यात्री बस ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। हादसे में माही गंभीर रूप से घायल हो गई थी,

जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं उसकी सहेली गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। छोला मंदिर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसे में शामिल बस को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया गया है। मृतका के फूफा हीरेंद्र यादव ने बताया कि माही बीकॉम फाइनल ईयर की छात्रा थी और एचआर बनना चाहती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि टक्कर मारने वाली बस अवैध रूप से चलाई जा रही थी। बस राजस्थान में रजिस्टर्ड है और सिरोंज-भोपाल मार्ग पर संचालित की जा रही थी। माही अपने परिवार की इकलौती बेटी थी। उसके पिता डीआईजी बंगला क्षेत्र में चाय की दुकान का संचालन करते हैं।

पाक से संचालित आतंकी नेटवर्क पर एक्शन

शहजाद भट्टी का करीबी मोहाली से गिरफ्तार; अंबाला थाना ब्लास्ट केस में था शामिल

मोहाली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने पाकिस्तान में बैठे कुख्यात आतंकी शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके एक करीबी सहयोगी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रमन कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई है, जो जम्मू के गंग्याल इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 30 बोर का एक पिस्टल बरामद किया है। रमन कुमार अवैध हथियार रखने और आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामलों में संलिप्त पाया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि रमन कुमार लंबे समय से आतंकी शहजाद भट्टी के संपर्क में था और उसके निर्देशों पर काम कर रहा था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह गंग्याल इलाके में मीट की दुकान चलाता था और स्थानीय स्तर पर झगड़ों में भी शामिल रहता था। इसी दौरान उसका संपर्क इंस्टाग्राम के माध्यम से शहजाद भट्टी से हुआ। सोशल मीडिया पर शुरू हुई बातचीत धीरे-धीरे गहरे नेटवर्क में बदल गई और दोनों के बीच नियमित संपर्क बना रहा। पुलिस के अनुसार, शहजाद भट्टी ने अपने एक आपरेटिव के जरिए रमन को पिस्टल उपलब्ध करवाई थी। हालांकि, उसे अभी किसी खास टारगेट की जानकारी नहीं दी गई थी, लेकिन आगे के निर्देश मिलने थे। रमन कुमार इससे पहले अंबाला में पुलिस थाना ब्लास्ट मामले में भी शामिल रहा है। इस संबंध में अंबाला पुलिस ने एफआईआर नंबर 13, दिनांक 10 दिसंबर 2025 को आर्म एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। अंबाला पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस ने उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर अंबाला जेल से पंजाब लाया और अदालत में पेश किया। जांच में यह भी सामने आया है कि अंबाला थाना ब्लास्ट शहजाद भट्टी के निर्देश पर किया गया था, जिसमें रमन ने हमलावरों को आर्थिक मदद पहुंचाई थी।

एसएसओसी के एआईजी दीपक पारिख ने बताया कि रमन कुमार की गिरफ्तारी से पाकिस्तान से संचालित क्रास-बॉर्डर आतंकी मॉड्यूल को बड़ा झटका लगा है। इससे पंजाब में सक्रिय आतंकी नेटवर्क की एक अहम कड़ी टूट गई है। पुलिस अब शहजाद भट्टी से जुड़े अन्य सहयोगियों, मॉड्यूल्स और सपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह खत्म करने के लिए कार्रवाई तेज करेगी।

'शादी करवा देंगे' मैट्रिमोनियल साइट से लड़कों को फंसाते, फिर लड़कियों से बात कराकर पैसे ऐंठते

शिवपुरी, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी के फिजिकल थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे फर्जी मैट्रिमोनियल कॉल सेंटरों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने शादी के नाम पर नौजवान युवकों से धोखाधड़ी कर पैसा ऐंठने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर संचालित कॉल सेंटरों पर छापेमारी कर गिरोह से जुड़े आरोपियों को कस्टडी में लिया है और ठगी में इस्तेमाल उपकरण और दस्तावेज जब्त किए हैं।

शिवपुरी के पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने जिले में अवैध गतिविधियों में शामिल अपराधियों, संदिग्ध आचरण रखने वाले व्यक्तियों और साइबर फ्रॉड, मादक पदार्थ, जुआ-सट्टा, अवैध शराब, अवैध हथियार, अवैध खनन जैसी गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के पालन और पुलिस अधीक्षक शिवपुरी और सीएसपी शिवपुरी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। यह फर्जी मैट्रिमोनियल ऑफिस शिवपुरी शहर के कई इलाकों में संचालित थे, जहां पुलिस ने अचानक छापेमारी कर कार्रवाई को अंजाम दिया। जिन्हें कस्टडी में लिया गया है। उन पर आरोप है कि ये लोग शादी का झांसा देकर लोगों से ऑनलाइन ठगी करते थे। शुरुआती जांच में पुलिस ने 7 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है, जबकि तीन आरोपियों को नोटिस जारी कर कोर्ट में पेश होने के लिए पाबंद किया गया है।

पुलिस की यह कार्रवाई शुक्रवार को हुई, जिसके बाद इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। दरअसल, शुक्रवार दोपहर फिजिकल थाना पुलिस ने टीवी टॉवर रोड स्थित शिवशक्ति नगर में एक मकान पर दबिश दी। यहां से कई युवतियों और महिलाओं को पूछताछ के लिए थाने लाया गया। इसके बाद झांसी तिराहा क्षेत्र में भारत गैस एजेंसी के ऊपर पहले माले पर स्थित एक अन्य कॉल सेंटर पर भी कार्रवाई की गई।

केंद्रीय जेल से 9 कैदी होंगे रिहा: गणतंत्र दिवस पर अच्छे आचरण और सजा अवधि पूरी करने पर मिलेगी मुक्ति

जबलपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जबलपुर केंद्रीय जेल से 9 आजीवन कारावास के कैदियों को रिहा किया जाएगा। इन कैदियों को उनके अच्छे आचरण और निर्धारित सजा अवधि पूरी करने के आधार पर मुक्ति दी जा रही है। जेल उप अधीक्षक मदन कमलेश ने बताया कि रिहा होने वाले कैदियों में जबलपुर जिले के 2, कटनी जिले के 4, जबकि डिंडोरी, सिवनी और मंडला जिले के 1-1 कैदी शामिल हैं।

इन सभी कैदियों ने आजीवन कारावास के दौरान न्यूनतम 14.5 वर्ष की वास्तविक सजा और माफी सहित कुल 20 वर्ष की अवधि पूर्ण कर ली है। कैदियों की रिहाई के लिए गठित जिला चयन समिति, जिसमें कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और जेल अधीक्षक शामिल होते हैं, की अनुशंसा के बाद शासन द्वारा अंतिम स्वीकृति प्रदान की गई है। जेल प्रशासन ने बताया कि रिहा किए जा रहे कैदियों को जेल में रहते हुए विभिन्न कौशल विकास और स्वरोजगार संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

इसका उद्देश्य उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने में सक्षम बनाना है। जेल अधीक्षक ने यह भी बताया कि पूर्व में वर्ष में केवल 26 जनवरी और 15 अगस्त के अवसर पर ही कैदियों की रिहाई की जाती थी, लेकिन अब ऐसे अवसरों की संख्या बढ़ाकर पांच कर दी गई है। इनमें अंबेडकर जयंती और जनजातीय गौरव दिवस जैसे महत्वपूर्ण दिवस भी शामिल हैं। जेल अधीक्षक ने कहा कि इन कैदियों का जेल में आचरण अत्यंत सराहनीय रहा है और उन्हें विश्वास है कि वे समाज में सकारात्मक भूमिका निभाएंगे।

जंगलों की आग से हर साल हवा में घुल रहा 14.3 करोड़ टन जहर, गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा रहा प्रदूषण

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जर्नल एनवायरमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित इस नए अध्ययन के मुताबिक दुनिया भर में जंगलों, घास के मैदानों और पीटलैंड में लगने वाली आग पहले के अनुमानों से कहीं ज्यादा मात्रा में हानिकारक गैसें और कार्बनिक यौगिक वातावरण में छोड़ रही है। शोधकर्ताओं ने 1997 से 2023 के बीच जली वनस्पतियों के वैश्विक आंकड़ों का विश्लेषण किया और पाया कि आग से निकलने वाला प्रदूषण वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। जंगलों की आग से निकलने वाले धुएं में सिर्फ कार्बन डाइऑक्साइड ही नहीं, बल्कि कई ऐसे कार्बनिक यौगिक भी होते हैं जो ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। इनमें इंटरमीडिएट और सेमी-वोलाटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स शामिल हैं, जो गर्मी में उड़कर गैस बनते हैं और हवा में जाकर बेहद महीन कणों का रूप ले लेते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी अपनी रिपोर्ट में माना है कि गंगा के मैदानों की धुंध और अमेजन के जंगलों की आग से उठने वाला धुआं वायु प्रदूषण को लगातार बढ़ा रहा है। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य, कृषि और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में अमेजन में लगी आग से निकला धुआं हजारों किलोमीटर दूर बसे शहरों तक पहुंचा और वहां की हवा को भी गंभीर रूप से प्रदूषित कर दिया। अमेजन, कनाडा और साइबेरिया जैसे क्षेत्रों में लगी आग ने प्रदूषण के महीन कणों, खासकर पीएम2.5, के स्तर को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

जर्नल साइंस में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, 2001 के बाद से जंगलों की आग से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में करीब 60 फीसदी की वृद्धि हुई है। जलवायु के प्रति अत्यधिक संवेदनशील उत्तरी बोरियल वनों में यह उत्सर्जन लगभग तीन गुना तक बढ़ गया है। रिसर्च से यह भी पता चला है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के बाहर मौजूद जंगलों में भी सीओ2 उत्सर्जन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इन क्षेत्रों से हर साल करीब 50 करोड़ टन अतिरिक्त सीओ2 वातावरण में जा रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उत्सर्जन का केंद्र धीरे-धीरे उष्णकटिबंधीय जंगलों से बाहर के क्षेत्रों की ओर खिसक रहा है।

मालाड स्टेशन पर मामूली विवाद में कॉलेज प्रोफेसर की चाकू मारकर हत्या

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में पश्चिम रेलवे लाइन के मालाड रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नम्बर एक पर उस समय हड़कम्प मच गया, जब ट्रेन में मामूली कहासुनी के चलते ओंकार शिंदे नामक युवक ने कॉलेज प्रोफेसर आलोक सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गया। स्टेशन परिसर पर हुई इस सनसनीखेज वारदात से अफरा-तफरी मच गई।

इस सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिए और सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि ट्रेन में धारदार चाकू लेकर चलने पर रेलवे सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल दी है।

घटना मालाड स्टेशन की है, दोनों ही लोकल ट्रेन में सवार थे, किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। जिसके बाद प्लेटफॉर्म नंबर एक पर जैसे ही ट्रेन रुकी ओंकार शिंदे ने एकाएक चाक़ू से आलोक सिंह पर हमला कर दिया, चाकू के हमले से आलोक खून से लथपथ होकर गिर पडा। यह सब देख वहां यात्रियों में चीख पुकार मच गयी। मौका पाकर ओंकार वहां से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल हालत में आलोक को अस्पताल लेकर पहुचीं जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'10 में से 9 महामंडलेश्वर और तथाकथित शंकराचार्य झूठे' ममता कुलकर्णी ने अखिलेश यादव से भी पूछा सवाल

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व अभिनेत्री और साध्वी ममता कुलकर्णी एक बार फिर अपने बेबाक और विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने धर्म, राजनीति और संत समाज से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। साध्वी ममता कुलकर्णी ने अविमुक्तेश्वरानंद, महामंडलेश्वर, बॉलीवुड, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव तक पर खुलकर अपनी राय रखी।

ममता कुलकर्णी ने सबसे पहले अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें शंकराचार्य किसने नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों की भीड़ में रथ लेकर निकलने की क्या जरूरत थी। ममता का आरोप है कि शंकराचार्य की वजह से ही उनके शिष्यों को पिटाई झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि राजा हो या रंक, सभी को कानून का पालन करना होता है और किसी को अहंकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने महामंडलेश्वरों पर भी बड़ा हमला बोला। ममता कुलकर्णी ने कहा कि दस में से नौ महामंडलेश्वर और तथाकथित शंकराचार्य झूठे हैं और उन्हें शून्य ज्ञान है। उन्होंने दावा किया कि उनके गुरुवर नाथ संप्रदाय से थे और एक तपस्वी संत थे। इस दौरान ममता कुलकर्णी ने अपने वेद ज्ञान का भी उल्लेख किया। उन्होंने ऋग्वेद में ऋषि कुणाल और श्वेतकेतु के संवाद का हवाला दिया और कहा कि धर्म को राजनीति से दूर रखना चाहिए।

वहीं ममता कुलकर्णी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा फिलहाल कोई विकल्प नजर नहीं आता और मोदी ही आगे भी रहेंगे। वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को उन्होंने राहुल गांधी से ज्यादा काबिल बताया। ममता ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर कहा कि पिछले साल बीजेपी ने बंगाल में पूरी ताकत झोंकी थी, लेकिन महाकाली की शक्ति से ममता बनर्जी की जीत हुई। इसके साथ ही अखिलेश यादव पर सवाल उठाते हुए ममता कुलकर्णी ने कहा कि क्या वे गोहत्या रोकने का वचन दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जिस गोहत्या को रोकने की बात की जा रही है, क्या उस पर अखिलेश यादव कोई ठोस आश्वासन देंगे। ममता कुलकर्णी ने यह भी साफ किया कि वह इस जन्म में बॉलीवुड में वापस नहीं जाएंगी और उन्हें महामंडलेश्वर पद से भी मुक्त होना है। अंत में उन्होंने ममता बनर्जी को सलाह दी कि वे किसी भी मुद्दे पर एक्सट्रीम रुख न अपनाएं।

बीमार पत्नी को ठेले पर अस्पताल ले जा रहा था पति, रास्ते में ही हो गई मौत

सागर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गरीबी आम इंसानों को कितना मजबूर कर देती है इसका उदाहरण आज सागर शहर की सड़क पर देखने को मिला, जब एक वृद्ध अपनी बीमार पत्नी को हाथ ठेले पर इलाज कराने के लिए अस्पताल ले जा रहा था। बीमारी से जूझ रही पत्नी ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। यह कारूणिक दृश्य जिसने भी देखा, उसकी आंखें नम हो गईं। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं और प्रशासन ने मदद का आश्वासन दिया है। उत्तरप्रदेश के ललितपुर जिले के सेसाई ग्राम के रहने वाले पवन साहू सागर में पिछले दस बारह सालों से रह कर सब्जी बेचने का काम करते हैं। पवन साहू अपनी बीमार पत्नी को उसी सब्जी के ठेले पर अस्पताल ले जाने को मजबूर हुए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी पत्नी ने अंतिम सांस ली। पत्नी का शव और अपनी बेबसी। बीच रास्ते में हाथ ठेले पर पड़ा शव वह बार बार निहार रहे थे और आंखों में आंसू लिए लोगों से मदद की गुहार लगा रहे थे। उन्होंने बताया कि उनके पास श्राद्धकर्म के भी पैसे नहीं हैं।

'सिर्फ मिया लोगों को नोटिस' एसआईआर पर बोले असम के सीएम हिमंत, फॉर्म-7 पर चुनाव आयोग ने दिया जवाब

गुवाहाटी, 25 जनवरी (एजेंसियां)। असम में विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे स्पेशल रिविजन (एसआईआर) को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग के आरोपों पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विपक्ष को करारा जवाब देते हुए साफ कहा है कि नोटिस केवल 'मिया' यानी बांग्लादेश मूल के मुस्लिम प्रवासियों को भेजे जा रहे हैं, न कि किसी भी आदिवासी, हिंदू या असमिया मुस्लिम समुदाय को। दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि एसयूसीआई(सी) को लेकर कोई विवाद नहीं है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने सवाल उठाया, 'किसी हिंदू परिवार को नोटिस मिला क्या? किसी असमिया मुस्लिम परिवार को नोटिस मिला क्या? नोटिस सिर्फ मिया लोगों को दिए जा रहे हैं।' उन्होंने दो टूक कहा, 'हां, मैं उन्हें परेशान कर रहा हूं, इसमें छिपाने जैसा कुछ नहीं है।' सीएम हिमंत ने साफ किया कि यह कार्रवाई अवैध प्रवासियों पर दबाव बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'उन्हें समझना होगा कि असम के लोग किसी स्तर पर उनका विरोध कर रहे हैं। नहीं तो उन्हें वॉकओवर मिल जाएगा।

इसलिए किसी को एसआईआर के तहत नोटिस मिलेगा, किसी को अतिक्रमण के मामले में, तो किसी को बॉर्डर पुलिस की ओर से।' सरमा ने कहा कि सरकार असम की 'जाति' और पहचान से समझौता नहीं करेगी। वहीं, फॉर्म-7 को लेकर उठ रहे सवालों पर राज्य निर्वाचन विभाग ने सार्वजनिक एडवाइजरी जारी कर स्थिति साफ की है। विभाग ने कहा है कि फॉर्म-7 दाखिल होने से किसी भी मतदाता का नाम अपने आप नहीं हटता। हर आपत्ति पर कानूनी प्रक्रिया के तहत फील्ड वेरिफिकेशन किया जाता है, संबंधित मतदाता को नोटिस देकर सुनवाई का मौका दिया जाता है और उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाता है। इसके बावजूद विपक्षी दलों ने फॉर्म-7 के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए चिंता जताई है।

सीपीएम, सीपीआई, भाकपा (माले), फॉरवर्ड ब्लॉक और एसयूसीआई(सी) ने संयुक्त बयान में कहा कि इस प्रावधान का इस्तेमाल अल्पसंख्यक मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस ने भी बोको-छायगांव में स्थानीय भाजपा नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ कथित अवैध नाम कटने-जुड़ने को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विपक्ष ने चुनाव आयोग से मांग की है कि वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण के दौरान किसी भी पात्र मतदाता का नाम न हटाया जाए और दावे-आपत्तियों के निपटारे की 2 फरवरी की समयसीमा को बढ़ाया जाए।

77वें गणतंत्र दिवस पर यूरोपीय संघ के नेता होंगे मुख्य अतिथि, क्या है भारत की बड़ी रणनीति?

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 26 जनवरी 2026 को भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। हर साल ये दिन देश के लिए गर्व और उत्सव का होता है, लेकिन इस बार रिपब्लिक डे सिर्फ परेड और समारोह तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ये भारत की वैश्विक कूटनीति और आर्थिक रणनीति का बड़ा संदेश भी देगा। इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेता चीफ गेस्ट के तौर पर भारत आ रहे हैं, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

कौन होंगे मुख्य अतिथि?

गणतंत्र दिवस 2026 में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। ये पहली बार है जब यूरोपीय संघ के इतने बड़े नेता एक साथ भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होंगे।

यूरोपीय यूनियन 27 देशों के ब्लॉक की तरह काम करता है। यूरोपीय कमीशन ईयू की एग्जिक्यूटिव विंग है, जो ट्रेड डील और नियमों को लागू करती है। वहीं एंटोनियो कोस्टा सभी 27 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का रिप्रेजेंटेशन करते हैं और रणनीतिक दिशा तय करते हैं।

भारत ने ईयू को क्यों चुना?

भारत का ये फैसला सिर्फ औपचारिक नहीं है। इसके पीछे बड़ी आर्थिक और रणनीतिक सोच है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच पिछले कई सालों से मुक्त व्यापार समझौते (मुक्त व्यापार समझौता – एफटीए) पर बातचीत चल रही है। सरकार चाहती है कि इस समझौते को जल्द अंतिम रूप दिया जाए। गणतंत्र दिवस के आसपास भारत- ईयू शिखर सम्मेलन भी प्रस्तावित है, जहां एफटीए समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

दुनिया की राजनीति में क्या मायने?

ये कदम सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। मौजूदा समय में जब अमेरिका और चीन के बीच तनाव बना हुआ है, भारत और यूरोपीय संघ एक-दूसरे को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रहे हैं। इससे भारत की वैश्विक ताकत बढ़ेगी। साथ ही रक्षा, तकनीक और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग मिलेगा। हर साल गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि का चयन भारत की विदेश नीति का संकेत देता है।

ईयू के शीर्ष नेताओं को आमंत्रित कर भारत ने साफ कर दिया है कि वो मजबूत व्यापार चाहता है, संतुलित वैश्विक रिश्ते बनाए रखना चाहता है और दुनिया में एक अहम आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। कुल मिलाकर, गणतंत्र दिवस 2026 सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा बताने वाला दिन साबित हो सकता है।

कनाडा में बने प्रोडक्ट ही खरीदें

ट्रंप की टैरिफ धमकी के जवाब में कनाडा के पीएम की देशवासियों से अपील

वाशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के व्यापार समझौते के कारण 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी तो कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मोर्चा खोलते हुए देशवासियों से भावुक अपील कर डाली। उन्होंने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था बाहरी देशों की वजह से खतरे में है, इसलिए अब हमारा मिशन होगा कनाडा में बने प्रोडक्ट खरीदो और एक मजबूत देश कनाडा का निर्माण करो। कार्नी ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए यह बयान जारी किया अमेरिका के खिलाफ राष्ट्रीय मोर्चा खोल दिया।

बता दें कि अमेरिका की धमकी और कनाडा को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप के इरादों को भापंते हुए कार्नी दबाव में हो सकते हैं, इसलिए वे देश को आत्मनिर्भरता का संदेश दे रहे हैं। करीब 10 दिन पहले ही चीन जाकर उन्होंने बड़ा व्यापारिक समझौता किया, जिसमें उन्होंने चीन के उत्पादों के आयात के लिए टैरिफ बहुत कम कर दिया है। अमेरिका से दूर होने की कनाडा की यह कोशिश ट्रंप को अखर गई, इसलिए उन्होंने 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी और प्रधानमंत्री कार्नी को गवर्नर कार्नी कहकर संबोधित किया, कनाडा को अमेरिका का हिस्सा साबित किया।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था दबाव में है। विदेशों के कारण देश की अर्थव्यवस्था खतरे में है। कनाडा को अमेरिका से बचाना है तो एक ही विकल्प है कि जो अपने हाथ में है, उस पर फोकस करें। कनाडा में बने प्रोडक्ट ही खरीदें। सिर्फ वो सामान खरीदें, जो कनाडा में बनाया गया हो, जिसे बनाने के लिए कनाडा के लोगों ने पसीना बहाया हो।

इससे अन्य देशों पर कनाडा की निर्भरता कम होगी और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। डेफेंस प्रोडक्ट भी देश में ही बनाए जाने चाहिए। बता दें कि मार्क कार्नी की इस अपील से साफ जाहिर हो रहा है कि बाजार के ग्लोबलाइजेशन की परिभाषा सिमट रही है और टैरिफ को लेकर दुनियाभर में फैले तनाव के बीच देशों का फोकस आत्मनिर्भर बनने पर बढ़ रहा है।

रूस ने यूक्रेन के एक और गांव पर किया कब्जा करने का दावा, दूसरी तरफ युद्ध रोकने पर चर्चा

यूक्रेन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते को लेकर लंबे समय से कोशिशें जारी हैं। एक तरफ शांति स्थापित करने के लिए वार्ता हो रही है, तो दूसरी तरफ दोनों देशों के बीच संघर्ष भी जारी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी सेना ने उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के खार्कीव क्षेत्र में स्थित स्टारित्स्या गांव पर पूरा नियंत्रण पा लिया है। यह गांव वोवचांस्क कस्बे के पास स्थित है, जो यूक्रेन-रूस सीमा के बेहद नजदीक में है। इसी क्षेत्र में रूसी सेना ने मई 2024 में बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया था।

पिछले कुछ महीनों में रूस ने इस इलाके में अपने कब्जे का दायरा बढ़ाने की कोशिशें तेज की हैं, हालांकि यूक्रेनी सेना लगातार प्रतिरोध कर रही है। यूक्रेन की सेना के जनरल स्टाफ ने रात अपने बयान में कहा कि रूस ने स्टारित्स्या समेत आसपास के क्षेत्रों पर छह हमले किए। हालांकि, यूक्रेन ने यह स्वीकार नहीं किया कि गांव रूस के नियंत्रण में चला गया है। यूक्रेन के ओपन-सोर्स मिलिट्री ब्लॉग डीपस्टेट ने अपनी रिपोर्ट में स्टारित्स्या का जिक्र नहीं किया, लेकिन यह जरूर कहा कि रूसी सैनिक वोवचांस्क सेक्टर में दबाव बढ़ा रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि उसकी सेना ने रात को यूक्रेन के लॉन्ग-रेंज ड्रोन ठिकानों और ऊर्जा ढांचों पर बड़े पैमाने पर हमले किए। इन सैन्य दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। रूस पिछले कई महीनों से दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है और नियमित रूप से नए गांवों पर कब्जे का दावा करता रहा है। उसकी अधिकतर हालिया प्रगति डोनेत्स्क क्षेत्र में दर्ज की गई है,

लेकिन खार्कीव और दक्षिण में स्थित जापोरिझिया इलाके में भी रूसी सेना यूक्रेनी रक्षा पंक्तियों पर दबाव बनाए हुए है। आपको बता दें कि ये सब तब हुआ जब अबू धाबी में यूक्रेन, रूस और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल बातचीत में लगे थे। रूसी मीडिया बंद कमरे में चर्चा जारी रही। रूस ने वार्ता में एक बार फिर मांग दोहराई कि यूक्रेन पूर्वी डोनबास क्षेत्र (डोनेत्स्क और लुहांस्क) से सेना वापस बुलाए। यूक्रेन ने इसे सख्ती से खारिज किया।

मादुरो के अपहरण में क्यों उठ रहे वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति पर सवाल?

वेनेजुएला, 25 जनवरी (एजेंसियां)। एक लीक हुए वीडियो में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने दावा किया कि जब पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ा गया, तो अमेरिकी सेना ने उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को 15 मिनट का समय दिया कि वे अमेरिका की मांगों को मानें वरना उन्हें मार डालेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अपहरण के पहले ही मिनट से धमकियां शुरू हो गईं।

उन्होंने डियोसडाडो (कैबेलो, गृह मंत्री), जॉर्ज रोड्रिगेज (कार्यवाहक राष्ट्रपति के भाई और संसदीय अध्यक्ष) और मुझे 15 मिनट का समय दिया था। अमेरिकी हमले के सात दिन बाद वेनेजुएला में हुई 2 घंटे की बैठक की एक लीक हुई वीडियो रिकॉर्डिंग में, रोड्रिगेज को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उनकी प्राथमिकता वेनेजुएला की राजनीतिक सत्ता को बचाना थी, इसीलिए उन्होंने मांगें मान लीं। ऐसी खबरें थीं कि अमेरिका ने मादुरो को पकड़ने से पहले रोड्रिगेज

और उनके भाई ने ट्रंप के साथ सहयोग करने की कसम खाई थी। हालांकि, वीडियो से पता चलता है कि शासन के बाकी सदस्य देशद्रोही करार दिए जाने से चिंतित थे। दरअसल, रोड्रिगेज ने कहा कि अमेरिकी सशस्त्र बलों ने उन्हें बताया था कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की हत्या कर दी गई है। उन्हें नहीं पता था कि उनका अपहरण किया गया था। उन्होंने जवाब दिया कि वह, उनके भाई और कैबेलो उसी अंजाम के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा, और मैं आपको बता दूं, हम आज भी उस बयान पर कायम हैं, क्योंकि धमकियां और ब्लैकमेल लगातार जारी हैं, और हमें धैर्य और रणनीतिक सूझबूझ के साथ, स्पष्ट उद्देश्यों के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने तीन लक्ष्य गिनाए, शांति बनाए रखना।।। अपने बंधकों को छुड़ाना।।। और राजनीतिक सत्ता को बनाए रखना।

बयान और काम में मेल नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रोड्रिगेज की उनके मांगों को मानने के लिए प्रशंसा की है। हालांकि, रोड्रिगेज ने कहा कि वह ऐसा केवल लगातार धमकियों और ब्लैकमेल के कारण कर रही हैं। जनवरी में ट्रंप ने द अटलांटिक को बताया था कि अगर रोड्रिगेज सही काम नहीं करती हैं, तो उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, शायद मादुरो से भी बड़ी।

कौन है एलेक्स जेफरी प्रेट्टी, जिसे अमेरिका में फेडरल एजेंट्स ने मारा डाला, सड़कों पर उतरे लोग

वाशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के मिनियापोलिस में फेडरल एजेंट्स ने एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी है। शख्स का नाम एलेक्स जेफरी प्रेट्टी बताया जा रहा है। जिसकी उम्र 37 साल थी। मिनेसोटा के मिनियापोलिस में बॉर्डर पेट्रोल एजेंटों ने प्रेट्टी को गोली मारकर हत्या कर दी। पेशे से प्रेट्टी नर्स थे। प्रेट्टी ने संघीय एजेंटों का सामना किया, जिसके बाद हाथापाई हुई और फिर उसे गोली मार दी गई। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। मिनियापोलिस शहर में आईसीई की बड़ी कार्रवाई जारी रहने के बीच अब लोगों का गुस्सा फूटा है। शहर में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। विरोध हो रहा है।

अमेरिका के भीषण शीतकालीन तूफान की आशंका के बावजूद, मिनियापोलिस के व्हिटियर इलाके की सड़कों पर भारी जाम देखा गया, जब एक हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी व्हिटियर पार्क में जुटे। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस मामले में भी संघीय एजेंट के बचाव में तुरंत प्रतिक्रिया दी है और प्रेट्टी को संदिग्ध बताया। इस बीच, होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मृत व्यक्ति के पास से एक बंदूक और दो मैगजीन बरामद की गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि प्रेट्टी के पास हथियार रखने का वैध लाइसेंस था और उसका कोई गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। उसके नाम पर सिर्फ कुछ पार्किंग चालान दर्ज थे।

आज हुई इस गोलीबारी के बाद, मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज ने एक बार फिर राज्य में संघीय एजेंटों की कार्रवाई की निंदा की और ट्रंप प्रशासन से कर्मियों को मिनेसोटा से वापस बुलाने की मांग की। प्रेट्टी, जो मिनियापोलिस वेटरंस अफेयर्स हेल्थ केयर सिस्टम में आईसीई नर्स के रूप में काम करते थे, को राज्य रिकॉर्ड के अनुसार 2021 में एक मिनेसोटा नर्सिंग लाइसेंस जारी किया गया था जो मार्च 2026 तक एक्टिव था। उनका प्रोफ़ाइल दिखाता है कि उन्होंने पहले मिनेसोटा यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल में जूनियर वैज्ञानिक के रूप में भी काम किया था। प्रेट्टी की गोलीबारी को लेकर गुस्से और विरोध के माहौल के बीच, जिस संघीय एजेंट ने गोली चलाई उसकी पहचान अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

भारत ने बांग्लादेश पर हमला किया तो पाकिस्तान देगा जवाब, शहबाज शरीफ के करीबी की धमकी

इस्लामाबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश पूरी तरह से पाकिस्तान की चंगुल में फंस चुका है। भारत ने जिस पाकिस्तान के अत्याचारों से बांग्लादेश को आजादी दिलाई, आज वही देश रक्षा की कसमें खा रहा है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के एक नेता कामरान सईद उस्मानी ने भारत को धमकी दी है।

उन्होंने कहा है कि अगर भारत ने बांग्लादेश पर हमला किया तो पाकिस्तान पूरी ताकत के साथ ढाका के साथ खड़ा होगा। इतना ही नहीं, उन्होंने मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष का भी जिक्र कर शेखी बघारी। कामरान सईद उस्मानी ने पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश का झंडा लगाकर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में उन्हें भारत को धमकाते हुए सुना जा सकता है।

उन्होंने कहा, आज मैं राजनेता के तौर पर नहीं, बल्कि उस शख्स के रूप में बात कर रहा हूं, जो बांग्लादेश की मिट्टी, तारीख, कुर्बानी और जुर्रत को सलाम पेश करता है। मैंने जब 2021 में यह कैंपेन शुरू की थी तो मेरे साथ कोई नहीं था। आज अल्हम्दुलिल्लाह बांग्लादेश और पाकिस्तान एक साथ खड़े हैं। आज मैं कोई सियासी बयान नहीं दूंगा, बात करूंगा उस्माना की, जो एक सोच था, जो एक जुर्रतमंद आवाज थी। जो कहता था कि बांग्लादेश को किसी देश की कॉलोनी नहीं बनने दूंगा। मैं बांग्लादेश के अंदर किसी की दादागिरी कबूल नहीं करूंगा। बांग्लादेश को किसी का गुलाम नहीं बनने दूंगा।

23 साल के एक और हिंदू युवक की जिंदा जलाकर हत्या, नहीं थम रहा अल्पसंख्यकों पर अत्याचार

ढाका, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर जघन्य अत्याचार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। नरसिंहदी जिले में एक बार फिर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमले की खौफनाक घटना सामने आई है, जहां 23 साल के एक और हिंदू युवक को कट्टरपंथियों ने जिंदा जलाकर मार डाला है। इससे हिंदू समुदायों में आक्रोश के साथ दहशत का माहौल है। आरोप है कि कट्टरपंथियों ने हिंदू युवक चंचल चंद्र भौमिक को सोते हुए उनके ऑटोमोबाइल वर्कशॉप (गैरेज) में जिंदा जला दिया गया। पुलिस ने इसे सुनियोजित हत्या करार दिया है और जांच जारी है। घटना रात की है। यह घटना नरसिंहदी शहर के पुलिस लाइंस इलाके में 'खानाबाड़ी मस्जिद मार्केट' स्थित वर्कशॉप में हुई। चंचल कुमिला जिले के बरुड़ा उपजिला के लक्ष्मीपुर गांव के निवासी थे और उनके पिता का नाम खोकन चंद्र भौमिक है। वे इस वर्कशॉप में मिस्त्री के रूप में काम करते थे। रात में काम खत्म करने के बाद थकान के कारण चंचल वर्कशॉप के अंदर ही सो गए थे।

अज्ञात अपराधियों ने शटर के नीचे से आग लगा दी। वर्कशॉप में पेट्रोल, मोबिल ऑयल और अन्य ज्वलनशील पदार्थ मौजूद थे, जिससे आग तेजी से फैल गई। चंचल को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला और दम घुटने तथा जलने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिवार और स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति शटर में आग लगाते दिख रहे हैं।

नरसिंहदी सदर मॉडल थाने के प्रभारी निरीक्षक ए आर एम अल मामून ने कहा, "मामले की गंभीरता को देखते हुए गहन जांच चल रही है। शव बरामद कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज कब्जे में है। दोषियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगी हुई हैं। यह घटना बांग्लादेश में हाल के हफ्तों में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की श्रृंखला में नवीनतम है।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के रडार पर क्यों आए 2 टॉप अधिकारी? क्या है पूरा मामला

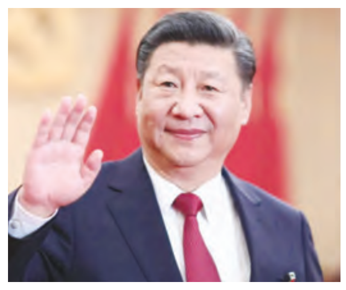

बिजिंग, 25 जनवरी (एजेंसियां)। चीन ने अपनी ही सेना के टॉप जनरल के खिलाफ सख्त एक्शन लिया गया है। दोनों अफसर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रडार पर हैं। चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सर्वोच्च उपाध्यक्ष जनरल झांग यूक्सिया समेत 2 अफसरों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। दोनों पर अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगा है। चीनी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लियू झेनली और लियू झेनली राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व वाली शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सर्वोच्च उपाध्यक्ष हैं। दोनों चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के जांच के दायरे में आ गए हैं। चीनी सरकार ने झांग और लियू पर लगे आरोपों का खुलासा नहीं किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अपनी सेना में शुद्धिकरण अभियान चलाया है। वहीं, दोनों अधिकारी शी चिनफिंग को अपनी वफादारी साबित करने नाकाम रहे हैं। हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब चीन इस तरह का अभियान चला रहा है। इससे पहले भीकई बार चीन में समय-समय पर ये अभियान चलाया जाता रहा है। 2012 में शी चिनफिंग के सत्ता में आने के बाद से अब तक 2 लाख से ज्यादा अधिकारियों को सजा मिल चुकी है।

पाकिस्तान में वकीलों पर हुआ सख्त एक्शन, सोशल मीडिया पोस्ट के लिए सुनाई 17-17 साल की सजा

इस्लामाबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक अदालत ने दो मानवाधिकार वकील जैनब मजारी और उनके पति हादी अली चट्ठा को दोषी ठहराया है। अदालत ने दोनों वकीलों को सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में दोषी ठहराते हुए 17-17 साल की जेल की सजा सुनाई। अधिकारियों का दावा है कि कपल की ये पोस्ट राज्य और उसकी सुरक्षा संस्थाओं के खिलाफ थीं। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, जज अफजल माजोका ने यह फैसला इस्लामाबाद में जैनब मजारी और उनके पति हादी अलीचट्ठा की गिरफ्तारी के एक दिन बाद सुनाया।

कपल इस सुनवाई के लिए वीडियो लिंक के जरिए थोड़ी देर के लिए पेश हुए। लेकिन, उन्होंने सुनवाई का बहिष्कार किया, जिसके बाद अदालत ने मुकदमे को समाप्त करते हुए फैसला सुना दिया। परिवार और दोस्तों ने इस फैसले की निंदा की। कपल ने सभी आरोपों से इनकार किया है। अदालत के फैसले में कहा गया कि मजारी ने

पिछले कुछ सालों में कई ट्वीट किए, जिनमें प्रतिबंधित बलूच अलगाववादी समूह और पाकिस्तानी तालिबान के एजेंडे को दर्शाया गया। यह मामला अगस्त 2025 में नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी में दर्ज कराई गई एक शिकायत से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कपल ने सोशल मीडिया के जरिए राज्य और उसकी सुरक्षा संस्थाओं को बदनाम किया। उन्हें पिछले साल अक्टूबर में औपचारिक रूप से आरोपित किया गया था और वो बार-बार अदालत में पेश होने से इनकार करते रहे। अपने फैसले में जज ने शिकायत का हवाला देते हुए कहा कि मजारी ने अपने पति की सक्रिय मिलीभगत से सोशल मीडिया पर लगातार आपत्तिजनक, भ्रामक और राष्ट्र-विरोधी सामग्री प्रसारित की। फैसले में कहा गया कि मजारी के ट्वीट राज्य संस्थाओं के खिलाफ झूठे और भ्रामक कथनों से भरे हुए हैं, जो पेका (प्रिवेंशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक क्राइम्स एक्ट) के तहत अपराध हैं। यह कानून संसद ने पिछले साल गलत सूचना और नफरत फैलाने से रोकने के लिए पारित किया था।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मानवाधिकार संगठनों ने मजारी और चट्ठा की गिरफ्तारी की निंदा की और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि कपल की हिरासत पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से न्यायिक उत्पीड़न और डराने-धमकाने के लंबे अभियान में ताजा बढ़ोतरी है।

अमेरिका में आईसीई एजेंट्स ने 2 साल की बच्ची पर क्यों लिया एक्शन, किराने की दुकान से लौटते समय किया डिटेन

वाशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) लगातार एक्शन ले रहा है। हाल ही में सामने आया था कि एक 5 साल के बच्चे को डिटेन किया गया था। इसी के बाद अब सामने आया है कि मिनियापोलिस में एक 2 साल की बच्ची को अमेरिका की आईसीई की हिरासत में ले लिया गया। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने बताया कि बच्ची अपने पिता के साथ थी, जब दोनों को हिरासत में लिया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, अदालत के उस आदेश के बावजूद जिसमें बच्ची को तुरंत रिहा करने को कहा गया था, दोनों को टेक्सास भेज दिया गया। परिवार की वकील कीरा केली ने प्रकाशन को बताया, आज दोपहर तक बच्ची को हिरासत से बाहर निकाल लिया गया है और वो इस भयावह अनुभव से उबर रही है।

सीरियाई सेना-एसडीएफ के बीच सीजफायर 15 दिन और बढ़ा, इसमें अमेरिका की क्या भूमिका?

दमिश्क़, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सीरिया में सरकार और कुर्द नेतृत्व वाली सशस्त्र ताकतों के बीच चल रहा संघर्ष फिलहाल थमता नजर आ रहा है। सीरियाई सेना ने कुर्दों के नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के साथ हुए युद्धविराम को 15 दिनों के लिए और बढ़ाने का ऐलान किया है। 4 दिन का अस्थायी सीजफायर शनिवार को खत्म हो गया था। सीरिया के डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा कि युद्धविराम बढ़ाने का मकसद अमेरिकी सेना के उस अभियान को सहयोग देना है, जिसके तहत पूर्वोत्तर सीरिया की जेलों में बंद इस्लामिक स्टेट (आईएस) के संदिग्ध आतंकियों को इराक भेजा जा रहा है।

रक्षा मंत्रालय के बयान पर एसडीएफ ने कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बीते तीन हफ्तों में सीरियाई आर्मी और एसडीएफ के बीच भीषण झड़पें हुई हैं। इन संघर्षों में एसडीएफ को भारी नुकसान हुआ है और उसने अपने कब्जे वाले कई अहम इलाके गंवा दिए हैं।सीरिया की अंतरिम सरकार और एसडीएफ के बीच मार्च में एक समझौता हुआ था। इसके तहत एसडीएफ को अपने कब्जे वाले इलाके सरकार को सौंपने थे और उसके लड़ाकों को धीरे-धीरे सरकारी सेना और पुलिस में शामिल किया जाना था। लेकिन जनवरी की शुरुआत में इस मुद्दे पर हुई बातचीत विफल रही, जिसके बाद दोबारा हिंसा भड़क गई। पिछले हफ्ते इस समझौते का संशोधित रूप सामने आया। इसके बाद मंगलवार को चार दिन का युद्धविराम घोषित किया गया। नए समझौते के अनुसार, एसडीएफ के लड़ाकों को समूह के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तिगत तौर पर सेना और पुलिस में शामिल किया जाएगा। एसडीएफ ने बयान जारी कर कहा कि सीरियन आर्मी की ओर से सैन्य जमावड़ा और रसद गतिविधियां देखी गई हैं। इससे संकेत मिलता है कि सरकार हालात को फिर से टकराव की ओर ले जा सकती है। हालांकि एसडीएफ ने साफ किया कि वह युद्धविराम का पालन करता रहेगा। इस बीच सीरियाई सरकारी टीवी ने बताया कि रक्का के पास स्थित अल-अक्तान जेल से 18 साल से कम उम्र के 126 लड़कों को रिहा कर उनके परिवारों को सौंप दिया गया।

1857 के गुमनाम शहीदः 168 साल से सड़ रहे 282 शहीदों के कंकाल

अंग्रेजों ने कुएं में जिंदा दफनाया, हत्यारे अफसर के नाम पर अमृतसर में सड़क भी है

अमृतसर, 25 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पंजाब में वाघा बॉर्डर से सिर्फ 35 किमी दूर अजनाला एक छोटा सा शहर है। यहां गुरुद्वारा सिंह सभा के कैंपस में एक कुआं है। इस कुएं को 'शहीदों का कुआं या 'कलियांवाला खोह' के नाम से जाना जाता है। कुएं तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनी हैं। सीढ़ियों से उतरकर नीचे जाने पर कुआं नजर आने लगता है, पास में ही एक लोहे का बक्सा रखा है।

इस बक्से में इंसानों की हड्डियां भरकर रखी गई हैं। आपको ये जानकर थोड़ा झटका लग सकता है कि ये हड्डियां 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने वाले 282 सैनिकों की हैं। इन सैनिकों को इस कुएं में जिंदा दफना दिया गया था। 2014 में पहली बार खुदाई में ये अवशेष निकले। सरकारों को लगातार चिट्ठियां लिखी गईं, लेकिन शहीदों के बचे-खुचे कंकाल को अब तक लोहे का बक्सा ही हासिल हो पाया है।

168 से ज्यादा साल बीत चुके हैं। न तो किसी सरकार ने इन शहीदों का अंतिम संस्कार करवाने की पहल की। न इन अवशेषों को सम्मान के साथ किसी म्यूजियम में रखा गया। शर्म की बात ये है कि इस नरसंहार को अंजाम देने वाले अंग्रेज अफसर फ्रेडरिक हेनरी कूपर के नाम पर अमृतसर में एक रोड है। क्रिस्टल चौक से रेलवे ब्रिज की तरफ जाने वाली इस रोड का नाम है- कूपर रोड।

राज्य में कांग्रेस, अकाली-बीजेपी और आप की सरकार भी आ गई, लेकिन किसी को फुर्सत नहीं मिली। केंद्र सरकार को भी लेटर लिखे गए, लेकिन अभी तक ये शहीद सम्मान का इंतजार कर रहे हैं, पहचान का इंतजार कर रहे हैं।

ये कहानी सुरेंद्र कोछड़ नाम के शख्स को कबाड़ में मिली एक किताब से शुरू हुई। 1857 में अमृतसर का डिप्टी कमिश्नर था फ्रेडरिक हेनरी कूपर। इसी फ्रेडरिक ने 1858 में ब्रिटेन में एक किताब लिखी थी, द क्राइसिस इन द पंजाब। इस किताब को भारत में कोई नहीं जानता था।

ये अमृतसर की मोती लाल नेहरू लाइब्रेरी में रखी थी। ये लाइब्रेरी अंग्रेजों के जमाने में बने टाउन हॉल में है, जो गोल्डन टेंपल से महज कुछ दूरी पर है। सौ साल से ज्यादा समय तक रखी इस किताब को 2003 में लाइब्रेरी में ही रद्दी के ढेर में फेंक दिया गया। इसी लाइब्रेरी में अमृतसर के सुरेंद्र कोछड़ जाया करते थे। उन्होंने ये किताब पढ़ने के लिए ले ली।

किताब के पेज नंबर 151 पर चैप्टर-6 है। इसमें 1857 में मौजूद 26वीं नेटिव इन्फैन्ट्री बटालियन का जिक्र है। इस चैप्टर में मेजर स्पेंसर की हत्या और उस रेजिमेंट के टोटल डिस्ट्रक्शन की बात है। इसी चैप्टर में हेनरी कूपर ने अजनाला के सूखे कुएं में 282 सैनिकों को मारकर दफनाने का जिक्र किया है।

यहीं से सुरेंद्र कोछड़ की खोज शुरू हुई। सुरेंद्र कोछड़ के मुताबिक, 'किताब में लिखा था कि अजनाला थाने के पास कैंपिंग ग्राउंड है। पहले वहां एक छोटा कुआं था। इसमें 20-30 लोगों को ही फेंका जा सकता था। उससे करीब 100 मीटर दूर एक बड़ा सूखा कुआं मिल गया।' 'इसके बाद कूपर ने उसी कुएं में गोलियों से मारे गए सैनिक और भूख-प्यास से जिंदा, लेकिन अधमरे हो चुके सैनिकों को दफना दिया था। हमें 1928 में प्रयागराज से पब्लिश एक पत्रिका मिली। इस पत्रिका में अजनाला के रहने वाले बाबा जगत सिंह का इंटरव्यू छपा था। अजनाला हत्याकांड उन्होंने अपनी आंखों से देखा था। उनके हवाले से लिखा गया था कि 26 नंबर की पलटन के कुछ थके हुए सिपाही अमृतसर की एक तहसील अजनाला से 6 मील दूर रावी नदी के किनारे पड़े थे। ये वही सिपाही थे, जो 30 जुलाई की रात को लाहौर की छावनी से भागे थे। इन्हें शक के आधार पर पकड़ लिया गया। इसके बाद मार दिया गया। इस पत्रिका में कूपर की दरिंदगी का भी जिक्र था।'

सुरेंद्र आगे बताते हैं, 'इसी के बाद मुझे इस कहानी पर यकीन हो गया। जिस कैंपिंग ग्राउंड में छोटे कुएं और उसके 100 मीटर की दूरी पर बड़े कुएं की बात हो रही थी। उसकी 1857 और 1957 यानी 100 साल बाद की भी फोटो मिल गई। 1857 की पहली फोटो में बंद कुएं के आसपास झाड़ियां नजर आ रही हैं। 1957 की फोटो में उस कुएं के आसपास ईंट की चारदीवारी बना दी गई थी। कुछ बच्चे और लोग खड़े थे। साल 2007 के आसपास उसी कुएं के ऊपर गुरुद्वारा बना दिया गया था।'

सुरेंद्र कहते हैं, 'खुदाई के दौरान मिले दो सैनिकों के कंकाल को मैं कभी नहीं भूल सकता। एक सैनिक के कंकाल के जबड़े में कुछ दबा हुआ था। उसे खोला तो जबड़े में उंगली डाली हुई थी। उंगली में एक अंगूठी भी थी। वो अंगूठी किसी महिला की थी। सोने और हीरे की बनी हुई। ऐसा लगता है कि या तो उस सैनिक की नई शादी हुई होगी या फिर सगाई होने वाली होगी।

दूसरा कंकाल मुझे याद है, उसकी हाथ की मुट्ठी बंद थी। उस कंकाल की हथेली को खोला गया, तब उसमें 7 सिक्के मिले। उसने अपनी मेहनत की कमाई और परिवार की याद में सिक्के दबा रखे होंगे। सुरेंद्र कोछड़ बताते हैं, 'खुदाई के दौरान 282 लोगों के कंकाल मिले थे। इनमें जो काफी हद तक बेकार हो चुके थे, उन्हें तो हमने खुद हरिद्वार में जाकर जल प्रवाह करा दिया। कुछ कंकाल आज भी पंजाब यूनिवर्सिटी के पास हैं। बाकी जो दांत मिले थे, वो बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में जांच के लिए रखे हैं।'

'इनके अलावा सैनिकों की काफी निशानियां मिली थीं, जैसे उस समय के चांदी के सिक्के, सोने की अंगूठियां, हीरे की अंगूठी, सोने के कई सामान, हाथ के कड़े और कुछ मालाएं। ये सब हमने गुरुद्वारा कमेटी के पास ही रख दिए थे। ये निशानियां आज भी उनके पास ही रखी हैं। हम चाहते थे कि ये सामान भारत सरकार के पास रहे। इन्हें लोगों को दिखाने के लिए किसी म्यूजियम में रखा जाए।'

कंकालों की डीएनए जांच में जुटे बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे बताते हैं, '10-10 लोगों के हाथ पीछे की तरफ बांधकर कैंपिंग ग्राउंड में ले गए। फिर उन्हें गोली मार दी गई। गोलियां कम पड़ गईं, तो उन्हें पत्थर की गोलियां मारी गईं। इसके सबूत हमें कंकालों की जांच में मिले हैं

कुएं के पास ले जाकर सुरेंद्र एक लोहे का बक्सा दिखाते हैं। ये एक सामान्य बक्सा है, जैसा घरों में सामान या कपड़े रखने के लिए इस्तेमाल होता है। वे इस बक्से का ढक्कन खोलते हैं और हाथ में एक इंसानी हड्डी लेकर हमें दिखाने लगते हैं।

सुरेंद्र कोछड़ उदास होकर कहते हैं, 'साल 2014 में 28 फरवरी से 3 मार्च के बीच गुरुद्वारे के नीचे खुदाई हुई थी। इसमें से 282 सैनिकों के कंकाल मिले। खुदाई के 12 साल बाद और दफन होने के 168 साल बाद भी इनके कंकाल आज भी उसी कुएं के पास 2 बाई 1 के एक संदूक में बंद हैं।'

सुरेंद्र कोछड़ ने 25 जुलाई 2025 को पंजाब के मुख्यमंत्री को एक लेटर लिखा था। इसका ज्ञापन अजनाला के एसडीएम रविंद्र सिंह अरोड़ा को भी दिया था। लेटर में सवाल किया गया था कि अजनाला से खुदाई में मिले अवशेषों को पंजाब सरकार कब्जे में क्यों नहीं ले रही है।

जानकारी के मुताबिक, पूरे मामले की जांच के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जेएस सहरावत को जिम्मेदारी दी गई है। उनका कहना है कि हम लोग इस पर लगातार काम कर रहे हैं। जल्द ही साइंटिफिक तरीके से एक रिपोर्ट पब्लिश करेंगे। उस रिपोर्ट पर सहमति मिल जाएगी, तभी हम उस बारे में मीडिया को जानकारी दे सकेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार मार्क टली का निधन

90 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

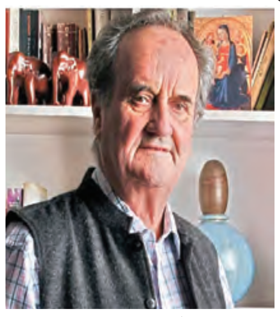

नई दिल्ली25 जनवरी (एजेंसियां)। लंबे समय तक भारत में बीबीसी दिल्ली के अध्यक्ष रहे वरिष्ठ पत्रकार मार्क टुली का रविवार को 90 साल की उम्र में दिल्ली के मैक्स अस्पताल में निधन हो गया। टुली के निधन की पुष्टी उनके दोस्त और पत्रकार सतीश जैकब ने दी। जैकब ने टुली के निधन की जानकारी देते हुए बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और एक सप्ताह से मैक्स अस्पताल में भर्ती थे।

24 अक्टूबर, 1935 को कोलकाता में जन्मे टुली ने 22 वर्षों तक बीबीसी, नई दिल्ली के ब्यूरो प्रमुख के रूप में कार्य किया। वे न केवल एक प्रतिष्ठित पत्रकार थे, बल्कि बीबीसी रेडियो 4 के कार्यक्रम 'समथिंग अंडरस्टुड' के प्रस्तुतकर्ता भी रहे। , मार्क टुली ने भारत में हुए कई अहम और बड़े बदलाव के दौरान रिपोर्टिंग की थी। इनमें 1975 में इंदिरा गांधी के आपातकाल लगाने के फैसले की जब मार्क टुली ने आलोचना की तो सरकार ने उन्हें भारत छोड़ने का आदेश दे दिया। जिसके बाद टुली कुछ समय के लिए दोबारा भारत आए। इसी तरह जब 1977 में मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या हुई तो उस समय भी टुली ने अहम रिपोर्टिंग की। मार्क टुली को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कई बार सम्मानित किया गया। उन्हें 2002 में नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया और 2005 में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से नवाजा गया।

काला चश्मा, खुली जीपः झामुमो विधायक का ऐसा अंदाज

म्यूजिक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

रांची, 25 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के खरसावां विधानसभा क्षेत्र से विधायक दशरथ गगराई इन दिनों अपने एक म्यूजिक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। उनका नया वीडियो सोशल मीडिया पर रिलीज होते ही तेजी से वायरल हो गया है, जिसके बाद इसे लेकर राजनीतिक हलकों में भी बहस शुरू हो गई है।

'चढ़ा जान, नशा चढ़ा जान' से मिली पहचान

विधायक का यह म्यूजिक वीडियो 'चढ़ा जान, नशा चढ़ा जान' नाम से सामने आया है। वीडियो में दशरथ गगराई सिंगर और स्टार के रूप में नजर आ रहे हैं। काला चश्मा, खुली जीप, रंगीन लाइट्स और स्टाइलिश लुक में उनका यह अवतार लोगों को चौंकाता दिख रहा है।

गायन से अभिनय तक

विधायक की मौजूदगी

इस म्यूजिक वीडियो में गाने की आवाज और अभिनय खुद विधायक दशरथ गगराई ने किया है। वीडियो के प्रोड्यूसर राहुल गगराई हैं, जबकि निर्देशन अतुल लांबा ने किया है। शूटिंग चक्रधरपुर इलाके में की गई है और वीडियो का बजट लगभग तीन लाख रुपये बताया जा रहा है।

चक्रधरपुर में हुई शूटिंग, बॉलीवुड स्टाइल की पेश

जानकारी के अनुसार, वीडियो की शूटिंग चक्रधरपुर के बीड़ा पुल डैम के पास की गई। कोलकाता से आई प्रोफेशनल टीम ने शूटिंग और एडिटिंग का कार्य संभाला। वीडियो में खुली जीप, एक्ट्रेस के साथ डांस और हाई-फाई लोकेशन के जरिए पूरा माहौल बॉलीवुड स्टाइल में दिखाया गया है।

'नशा' शब्द को लेकर शुरू हुआ विवाद

हालांकि एल्बम का नाम हरियाणवी नहीं है, लेकिन गाने में इस्तेमाल किए गए शब्द 'नशा' को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने सवाल उठाया है कि जिस जनप्रतिनिधि पर युवाओं को सही दिशा देने की जिम्मेदारी है, उसका इस तरह के शब्द वाले गाने में अभिनय करना कितना उचित है।

विधायक की प्रतिक्रिया का इंतजार

इस पूरे मामले पर अब तक विधायक दशरथ गगराई की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बावजूद इसके, उनका म्यूजिक वीडियो पूरे झारखंड में चर्चा का विषय बना हुआ है और राजनीतिक बयानबाजी भी तेज होती दिख रही है।

छत्तीसगढ़ में रातोंरात चोरी हुआ 40 साल पुराना 10 टन लोहे का पुल

कबाड़ में बेचा, पांच गिरफ्तार

कोरबा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रातों रात नहर पर बना चार दशक पुराना 10 टन का लोहे का पुल चोरी हो गया। इससे स्थानीय लोग हैरान रह गए। नहर पर बना यह 70 फीट लंबा पुल पैदल आने-जाने के लिए इस्तेमाल होता था। कोरबा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने बताया कि जांच में सामने आया है कि इस चोरी में करीब 15 लोग शामिल थे।

अब- तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पटले का कहना है कि बाकी 10 आरोपियों की तलाश सरगर्मी से जारी है। इनमें चोरी का सरगना मुकेश साहू और असलम खान भी शामिल हैं।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने पुल चोरी कर कबाड़ में बेचने की बात कबूल की है।

आरोपियों ने गैस कटर से पुल को काटकर कबाड़ के रूप में बेचने की योजना बनाई थी। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने 18 जनवरी को वार्ड नंबर 17 के ढोढ़ीपारा इलाके में हसदेव बायीं नहर पर बना पुल अचानक गायब पाया। पार्षद लक्ष्मण श्रीवास ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

सीएसईबी पुलिस चौकी प्रभारी भीमसेन यादव ने बताया कि नहर में छिपाकर रखे गए करीब सात टन लोहा बरामद कर लिया गया है। चोरी में इस्तेमाल वाहन भी जब्त कर लिया गया है। उन्होंने कहा अब पुलिस यह पता लगा रही है कि बाकी बचा लोहा कहां बेचा गया है।

कौन हैं बुधरी ताती जिन्हें मिलेगा पद्मश्री

नक्सल प्रभावित इलाकों में फैलाया उजाला, लोग कहते हैं बड़ी दीदी

रायपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र की रहने वाली बुधरी ताती को 2026 के पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। रविवार को पद्म पुरस्कारों की घोषणा हो रही है। सूत्रों के अनुसार, छत्तीसगढ़ की बुधरी ताती को सामाजिक कार्य के क्षेत्र में पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। बुधरी ताती दक्षिण बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित व पिछड़े हुए इलाके में समाजसेवा की अलख जगा रही हैं। बुधरी ताती के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपना पूरा जीवन बच्चियों, महिलाओं के उत्थान व बुजुर्गों की सेवा के लिए समर्पित किया है। वह बीते 36 सालों से समाजसेवा कर रही हैं। बुधरी ताती ने नक्सलियों के हार्डकोर इलाका माने जाने वाले अबूझमाड़ इलाके में महिलाओं के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही हैं। बुधरी ताती ने सिलाई प्रशिक्षण, बच्चियों को शिक्षित करने का काम कर रही हैं। बुधरी ताती अभी तक 500 से ज्यादा महिलाओं को आत्मनिर्भर बना चुकी हैं। बुधरी ताती दंतेवाड़ा जिले के नक्सल प्रभावित हीरानार की रहने वाली हैं। बुधरी ताती को छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। बुधरी ताती को बस्तर इलाके में बड़ी दीदी के नाम से पुकारा जाता है। बुधरी ताती ने अपने जीवन के 40 साल सामाजिक सेवा में बिताए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जो बच्चे शिक्षा से दूर हैं उन बच्चों के बीच वह शिक्षा की अलख जगाने का काम कर रही हैं। वहीं, वृद्धाश्रम में रहने वाले लोगों की मदद भी करती हैं। महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षक देकर समाज में बदलाव लाने का काम कर रही हैं।

शिक्षक के घर में चोरों का धावा

ताला तोड़कर नकदी-जेवरात ले भागे चोर, पुलिस

रायगढ़, 25 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शिक्षक के सुने मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए नकदी के अलावा सोने के जेवरात की चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

शिक्षक की रिपोर्ट के बाद पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामला कापू थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार केशव दास महंत 58 साल निवासी ग्राम लिप्ती ने कापू थाने में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि वह माध्यमिक शाला बालकपोड़ी में शिक्षक के पद पर कार्यरत है। 23 जनवरी की सुबह 10 बजे वह अपने स्कूल गया था और उसकी पत्नी पारिवारिक सम्मेलन में शामिल होने दामाखेडा बिलासपुर गई हुई थी, घर में कोई नहीं था।

केशव दास महंत ने बताया कि शाम 5 बजे जब वह स्कूल से घर पहुंचा तो देखा कि ड्रेसिंग टेबल का दरवाजा का ताला टूटा था और वहां से 20 हजार रुपये गायब था और अन्य सामान भी बिखरा पड़ा था। साथ ही दूसरे रूम के आलमारी से 29 हजार रुपए भी गायब मिले। इसके अलावा लाकर में रखे एक तोले सोने का मंगलसूत्र, जिसकी कीमत करीब 50 हजार, को मिलाकर अज्ञात चोरों ने करीब 99 हजार की चोरी की घटना को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है, सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

प्रलोभन-पूर्वाग्रह से दूर रहें, अपने विवेक के आधार पर लें फैसला

नेशनल वोटर्स डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी सलाह

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह को संबोधित किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे लोकतंत्र की ताकत केवल मतदाताओं की विशाल संख्या में ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भावना की गहराई में भी निहित है। यहां तक कि सबसे बुजुर्ग मतदाता, दिव्यांग मतदाता और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोग भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं।

चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों की सराहना

उन्होंने जागरूक मतदाताओं और चुनाव आयोग के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों की सराहना की, जिन्होंने मताधिकार का प्रयोग करने के इतने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि जनभागीदारी जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की भावना को व्यावहारिक रूप देती है। चुनाव आयोग ने यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई प्रयास किए हैं कि कोई भी मतदाता पीछे न छूटे।

मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा इस वर्ष चुना गया विषय, 'मेरा भारत, मेरा वोटः भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिक', हमारे लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के अधिकार के महत्व को रेखांकित करता है।

उन्होंने आगे कहा कि मतदान मात्र एक राजनीतिक अभिव्यक्ति नहीं है। यह लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया में नागरिकों के विश्वास का प्रतिबिंब है। यह नागरिकों के लिए अपनी आकांक्षाओं को व्यक्त करने का एक साधन भी है। सभी वयस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के प्राप्त मतदान का अधिकार, राजनीतिक और सामाजिक न्याय और समानता के हमारे संवैधानिक आदर्शों को मूर्त रूप देता है। हमारे संविधान में निहित 'एक व्यक्ति, एक वोट' प्रणाली, आम जनता की बुद्धिमत्ता में हमारे संविधान निर्माताओं के दृढ़ विश्वास का परिणाम थी। हमारे देश के मतदाताओं ने उनके विश्वास को सही साबित किया है, और भारतीय लोकतंत्र ने विश्व मंच पर एक असाधारण उदाहरण के रूप में सम्मान अर्जित किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मतदान का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सभी वयस्क नागरिक अपने संवैधानिक कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी मतदाता, प्रलोभन, अज्ञानता, गलत सूचना, दुष्प्रचार और पूर्वाग्रह से मुक्त होकर, अपनी अंतरात्मा की शक्ति से हमारी चुनावी प्रणाली को मजबूत करेंगे।

युवा मतदाताओं को बधाई

राष्ट्रपति मुर्मु ने देशभर के उन सभी युवा मतदाताओं को बधाई दी, जिन्हें उनके मतदाता पहचान पत्र मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्ड उन्हें दुनिया के सबसे बड़े और जीवंत लोकतंत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने का अमूल्य अधिकार प्रदान करता है। आज के मतदाता भारत के भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश के सभी युवा मतदाता जिम्मेदारी से अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करेंगे और राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।

सवर्णों को क्यों सता रहा डर ? यूजीसी कानून पर अगड़ी जातियों का क्या है तर्क

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां) ।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी की UGC एक ऐसा कानून लेकर आया है, जो देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। सरकार का तर्क है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव रोकने और समानता को बढ़ावा देने के लिए ये कानून लाया गया है, लेकिन अगड़ी जातियों ने खुलकर इस कानून का विरोध शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश और बिहार से लेकर राजस्थान तक सवर्ण समाज के लोग इस कानून के विरोध में सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में आइए आपको विस्तार से बताते हैं कि आखिर ये यूजीसी कानून है क्या और अगड़ी जातियों के लोग इसका विरोध क्यों कर रहे हैं।

आखिर क्या है ये यूजीसी कानून

यूजीसी हायर एजुकेशन के संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए एक कानून लेकर आया है। इसे 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने का नियम, 2026' नाम दिया है, जो 15 जनवरी 2026 से देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में लागू हो चुका है। नए रेगुलेशन की सबसे अहम बात यह है कि अब अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जातिगत भेदभाव की परिभाषा में शामिल कर लिया गया है।

कौन से संगठन कर रहे विरोध

इस कानून का मुख्य रूप से ब्राह्मण संगठन, कायस्थ महासभा, वैश्य संगठन और करणी सेना कर रहे हैं। इन चारों ने मिलकर राजस्थान में सवर्ण समाज समन्वय समिति (S-4) नाम का संगठन बनाया है। उत्तर प्रदेश के विश्व हिंदू संगठन ने इस कानून को हिंदू समाज को बांटने की साजिश बताया है। इसके अलावा ये संगठन बीजेपी के सामान्य कैटेगिरी के नेताओं पर भी सवाल उठा रहे हैं कि वे इस कानून को लेकर चुप क्यों हैं।

हम लेट तो जुर्माना, सरकार लेट तो सब माफ?

टैक्स रिफंड के इस नियम पर भड़का मिडिल क्लास!

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बजट 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। जैसे-जैसे यह अहम दिन करीब आ रहा है, देश के करोड़ों करदाताओं की निगाहें वित्त मंत्री की पोटली पर टिकी हैं। हर बार की तरह टैक्स स्लैब में बदलाव की उम्मीद तो है ही लेकिन इस बार एक मुद्दा ऐसा है जिसने करदाताओं और टैक्स विशेषज्ञों के बीच एक नई और गंभीर बहस छेड़ दी है। यह मुद्दा है 'ब्याज की समानता' का। इस साल रिफंड में हुई भारी देरी ने इस मांग को एक आंदोलन का रूप दे दिया है। सवाल सीधा है, जब करदाता टैक्स चुकाने में देरी करता है, तो उसे भारी जुर्माना देना पड़ता है, लेकिन जब सरकार रिफंड देने में देरी करती है, तो ब्याज की दर इतनी कम क्यों?

50 लाख करदाताओं का अटका पैसा

इस वित्त वर्ष में टैक्स रिफंड में देरी करदाताओं के लिए सबसे बड़ी सिरदर्द बनकर उभरी है। करीब 50 लाख करदाता अभी भी अपने रिफंड के प्रोसेस होने का इंतजार कर रहे हैं। ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मध्यमवर्गीय परिवारों और छोटे व्यापारियों की गाढ़ी कमाई है, जो उन्होंने अपनी घरेलू जरूरतों या बिजनेस के कैश फ्लो के लिए प्लान कर रखी थी। सरकार ने भी माना है कि असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए कुछ मामलों में देरी हुई है। इसके पीछे तर्क दिया गया है कि धोखाधड़ी रोकने के लिए बैकएंड पर जांच कड़ी कर दी गई है। एआईएस (एन्नुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट) और टीआई के डेटा का मिलान किया जा रहा है ताकि गलत रिफंड क्लेम को रोका जा सके। सरकार का यह कदम राजस्व सुरक्षा के लिए जरूरी हो सकता है, लेकिन करदाताओं का कहना है कि अगर जांच के नाम पर देरी हो रही है, तो उसका हर्जाना या मुआवजा भी उचित होना चाहिए।

ब्याज का दोहरा मापदंड, लेना 12%, देना सिर्फ 6%

इस पूरे विवाद की जड़ में इनकम टैक्स एक्ट के नियम हैं, जो फिलहाल सरकार के पक्ष में झुके हुए नजर आते हैं। मौजूदा नियमों में एक बड़ा विरोधाभास है। टैक्स एक्सपर्ट्स इसे 'असमानता' करार दे रहे हैं।चार्टर्ड अकाउंटेंट डॉ। सुरेश सुराणा इस गणित को समझाते हुए बताते हैं कि इनकम टैक्स एक्ट में ब्याज की दरें करदाता और सरकार के लिए अलग-अलग तय की गई हैं। अगर कोई आम आदमी अपना रिटर्न भरने, एडवांस टैक्स चुकाने या सेल्फ-असेसमेंट टैक्स देने में चूक करता है, तो उसे धारा 234ए, 234बी और 234सी के तहत 1% प्रति माह यानी 12% सालाना की दर से ब्याज चुकाना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, जब सरकार धारा 244ए के तहत देरी से रिफंड जारी करती है, तो वह करदाता को केवल 0.5% प्रति माह यानी 6% सालाना की दर से ही ब्याज देती है। बजट 2026 से उम्मीद की जा रही है कि सरकार इस भारी अंतर को खत्म कर ब्याज दरों को तर्कसंगत बनाएगी।

क्या कहता हैं कानून

नियमों की गहराई में जाएं तो स्थिति और स्पष्ट होती है। धारा 244ए के मुताबिक, रिफंड पर 6% का साधारण ब्याज तभी मिलता है जब रिफंड की राशि आपकी कुल टैक्स देनदारी के 10% से ज्यादा हो। अगर आपने समय पर रिटर्न भरा है, तो ब्याज की गणना 1 अप्रैल से रिफंड मिलने की तारीख तक होती है। लेकिन अगर आपने रिटर्न भरने में देरी की, तो ब्याज रिटर्न भरने की तारीख से शुरू होगा।यहां एक और पेंच है जो आम आदमी को चुभता है, रिफंड पर जो ब्याज आपको मिलता है, वह भी टैक्सेबल होता है। यानी, पहले तो ब्याज कम मिला, और फिर उस पर भी टैक्स देना पड़ा।

साल 2025 में कम बिके मकान

2022 के बाद आई सबसे बड़ी सुस्ती, कीमतों में कितना बदलाव?

नई दिल्ली,25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के मकानों की बिक्री में साल 2025 में थोड़ी कमी आई है। प्रोपटाइगर की एक रिपोर्ट के अनुसार, मकानों की बिक्री पहले के मुकाबले थोड़ी कम हुई है, लेकिन कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। यह दिखाता है कि रियल एस्टेट बाजार अब ज्यादा समझदारी से काम कर रहा है और मजबूत हो रहा है। पूरे भारत के टॉप आठ शहरों में साल 2025 में मकानों की कुल बिक्री 2024 के मुकाबले 12% कम रही। साल 2024 में जहां 4,36,992 यूनिट्स की बिक्री हुई थी, वहीं साल 2025 में यह आंकड़ा 3,86,365 यूनिट्स पर आ गया। यह साल 2022 के बाद सबसे कम सालाना बिक्री है। इसी तरह, नए मकानों की सप्लाई भी 6% कम होकर 3,61,096 यूनिट्स पर पहुंच गई, जो 2021 के बाद सबसे कम है।

तिमाही नतीजों में भी दिखी मंदी

यह मंदी तिमाही नतीजों में भी साफ दिखी। साल 2025 की अक्टूबर-

दिसंबर तिमाही में मकानों की बिक्री पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 10% कम रही। वहीं, पिछली तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) के मुकाबले भी यह 0.5% कम रही। यह अप्रैल-जून 2023 तिमाही के बाद सबसे कमजोर प्रदर्शन था। ऑरम प्रोपटैक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ओंकार शेट्ये ने कहा, '2025 मांग में कमी का साल नहीं था, बल्कि यह एक समायोजन का साल था। खरीदार सक्रिय तो थे, लेकिन वे ज्यादा सोच-समझकर फैसले ले रहे थे। डेवलपर्स ने भी सप्लाई को नियंत्रित रखा। इससे इन्वेंट्री का दबाव कम हुआ और बिक्री कम होने के बावजूद कीमतें स्थिर रहीं।'

किस शहर का कैसा प्रदर्शन?

हैदराबाद और चेन्नई लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। इन शहरों में तिमाही और सालाना दोनों तरह की बिक्री में लगातार बढ़ोतरी देखी गई। चेन्नई में सालाना बिक्री 55% बढ़कर 24,892 यूनिट्स हो गई, जबकि हैदराबाद में यह 6% बढ़कर 54,271 यूनिट्स पर पहुंच गई। मुंबई और पुणे में बिक्री में भारी गिरावट आई, जो क्रमशः 26% और 27% रही। दिल्ली-एनसीआर एकमात्र ऐसी जगह रही जहां साल 2025 की चारों तिमाहियों में सालाना बिक्री में गिरावट दर्ज की गई।

सप्लाई में भी गिरावट

सप्लाई की बात करें तो दिसंबर तिमाही में आठ शहरों में नए मकानों की लॉन्चिंग पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 4% और पिछली तिमाही के मुकाबले 0.2% बढ़कर 92,007 यूनिट्स हो गई। हालांकि, पूरे साल की बात करें तो साल 2024 की तुलना में कुल सप्लाई 6% कम रही।

2.5 लाख करोड़ रुपये स्वाहा... टॉप 10 में से 9 कंपनियों को घाटा

रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली,25 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। इस गिरावट का असर देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों पर भी पड़ा। इनमें से 9 कंपनियों का कुल मार्केट कैप 2.5 लाख करोड़ रुपये कम हो गया। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स 2,032.65 अंक यानी 2.43 प्रतिशत गिर गया। दरअसल, पिछले हफ्ते मार्केट में बड़ी बिकवाली देखी गई।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, रुपये का गिरना और कंपनियों की कमाई का उम्मीद से कम रहना, इन सब वजहों से बाजार पर दबाव बना रहा। बाजार में गिरावट के कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज , एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल जैसी टॉप 10 कंपनियों में से 9 का कुल मार्केट कैप 2,51,711.6 करोड़ रुपये घट गया।

किस कंपनी को कितना नुकसान

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 96,960.17 करोड़ रुपये गिरकर 18,75,533.04 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 48,644.99 करोड़ रुपये कम होकर 9,60,825.29 करोड़ रुपये हो गया।एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 22,923.02 करोड़ रुपये गिरकर 14,09,611.89 करोड़ रुपये पर आ गया।भारती एयरटेल का मूल्य 17,533.97

करोड़ रुपये घटकर 11,32,010.46 करोड़ रुपये हो गया।टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 16,588.93 करोड़ रुपये गिरकर 11,43,623.19 करोड़ रुपये हो गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्य 15,248.32 करोड़ रुपये गिरकर 5,15,161.91 करोड़ रुपये पर आ गया।बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,093.93 करोड़ रुपये घटकर 5,77,353.23 करोड़ रुपये हो गया।स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मूल्य 11,907.5 करोड़ रुपये कम होकर 9,50,199.77 करोड़ रुपये रह गया।इंफोसिस का बाजार मूल्य 7,810.77 करोड़ रुपये गिरकर 6,94,078.82 करोड़ रुपये हो गया।

सिर्फ एक कंपनी को हुआ फायदा

पिछले हफ्ते जहां टॉप 10 में से 9 कंपनियों को नुकसान हुआ तो एक कंपनी को फायदे में रही। इसका नाम हिंदुस्तान यूनिलीवर है। इसके मार्केट कैप में 12,311.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस तेजी के साथ हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप बढ़कर 5,66,733.16 करोड़ रुपये हो गया।

पहले अमेरिका छूटेगा पीछे, फिर चीन, भारत कब तक हो जाएगा नंबर 1? बड़े उलटफेर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली,25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत इस सदी के अंत तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। ओईसीडी (ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट) के अनुमानों में यह बात कही गई है। अगर ओईसीडी के लंबे समय के अनुमान सही साबित हुए तो भारत अमेरिका और चीन दोनों को पीछे छोड़ देगा।

एमईआरआईसीएस में सीनियर एसोसिएट फेलो और सिंगापुर की नेशनल यूनिवर्सिटी के ईस्ट एशियन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर बर्ट हॉफमैन ने ओईसीडी के इन अनुमानों के आधार पर कहा है कि 21वीं सदी के दूसरे हिस्से में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। ओईसीडी ने पिछले साल सितंबर में जो अनुमान जारी किए थे, उनके मुताबिक भारत 2060 तक अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। सदी के अंत तक चीन से लगभग दोगुना बड़ा हो जाएगा। अमेरिका 2040 के दशक में तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा। लेकिन, 2070 में फिर से चीन के बराबर आ जाएगा।

इन बदलावों के पीछे क्या है?

ओईसीडी के लंबे समय के अनुमान असल में इस बात का अध्ययन हैं कि बदली हुई जनसांख्यिकी किसी अर्थव्यवस्था को कैसे बदलती है। हॉफमैन ने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि 2024 में जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रभाग (यूएन पॉपुलेशन डिवीजन) के अनुमानों के अनुसार, चीन की आबादी पहले सोचे गए से कहीं ज्यादा तेजी से घट रही है। सबसे खास बात यह है कि चीन की आबादी में यह गिरावट सदी के दूसरे हिस्से में होने की उम्मीद है। इस गिरावट के कारण 2100 तक चीन की आबादी करीब 65 करोड़ रह जाएगी। भले ही वहां काम करने वाले लोगों की संख्या बढ़ाई जाए। फिर भी यह 30 करोड़ से कम होगी। यह भारत की आबादी का सिर्फ 40 फीसदी होगा। अमेरिका की आबादी से बहुत ज्यादा बड़ा नहीं होगा।

2060 में आबादी में शुरू हो जाएगी गिरावट

हॉफमैन ने कहा कि 2100 तक भारत की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा होगी। भले ही 2060 के बाद इसमें गिरावट शुरू हो जाए। काम करने लायक आबादी में लोगों की भागीदारी भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। यह अभी 50 फीसदी है। 2100 तक यह 70 फीसदी तक पहुंच जाएगी।यह सिर्फ आबादी के आंकड़े नहीं हैं, बल्कि अनुमानों के तरीके भी मायने रखते हैं। हॉफमैन ने समझाया कि ओईसीडी कॉब-डगलस फंक्शन का इस्तेमाल करता है। यह फंक्शन बताता है कि देशों की जीडीपी एक-दूसरे के करीब आती है।

लेकिन, यह कितनी तेजी से होगा, यह 'प्रभावी' श्रम और शुरुआती कैपिटल-लेबर रेशियो पर निर्भर करता है। इसी तरह पूंजी भंडार में भी बदलाव आता है। इन दोनों ही तरीकों से भारत चीन से ज्यादा आगे बढ़ता दिख रहा है। यही कारण हैं कि चीन की प्रोडक्टिविटी ग्रोथ भारत से कम है। ओईसीडी के अनुसार, चीन इस सदी के मध्य तक अमेरिका को पकड़ने की कोशिश करना भी बंद कर देगा।हालांकि, चीन लेबर एफिशिएंसी में इस पकड़ने के नियम को तोड़ सकता है। अगर वह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और रोबोटिक्स को भारत और अमेरिका से भी तेज रफ्तार से अपनाता है तो वह आगे बढ़ सकता है। चीन तब और तेजी से बढ़ सकता है, अगर काम करने वाले लोगों का हिस्सा उस स्तर से नीचे रहे जो मॉडल में तय किया गया है।चीन में श्रम का हिस्सा भी समय के साथ बढ़ेगा, जैसा कि उसकी वर्तमान नीति से पता चलता है। इसका उद्देश्य कंजम्पशन को बढ़ावा देना है।

अमेरिका में ब्रिटेन की फील्डिंग सेट करेंगे वरुण चंद्रा

भारतीय मूल के वरुण को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अमेरिका में ब्रिटेन की कारोबारी फील्डिंग सेट करने के लिए एक भारतीय को चुना है। भारतीय मूल के बिजनेस एडवाइजर वरुण चंद्रा को अमेरिका में व्यापार और निवेश के लिए विशेष दूत नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका ब्रिटेन का सबसे बड़ा सिंगल-कंट्री ट्रेड पार्टनर है। चंद्रा का काम ब्रिटेन के आर्थिक हितों को अमेरिका में आगे बढ़ाना होगा।

वरुण चंद्रा एक अनुभवी निवेश बैंकर हैं। उन्होंने 2005 से 2008 तक लेहमन ब्रदर्स में काम किया। इसके बाद वह 2008 से 2014 तक टोनी ब्लेयर एसोसिएट्स में स्ट्रेटेजी डायरेक्टर रहे। 2014 में चंद्रा हक्लुयट एंड कंपनी से जुड़े। वहां वह 10 साल तक रहे। इसके फाउंडिंग पार्टनर और प्रेसिडेंट बने। 2024 में उन्हें प्रधानमंत्री के व्यापार और निवेश पर विशेष सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था। 2025 में वह प्रधानमंत्री के मुख्य व्यापार, निवेश और व्यापार सलाहकार बने। चंद्रा की यह नई भूमिका महत्वपूर्ण है। अमेरिका और ब्रिटेन के बीच 330 अरब पाउंड (450 अरब डॉलर से ज्यादा) का व्यापार है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति

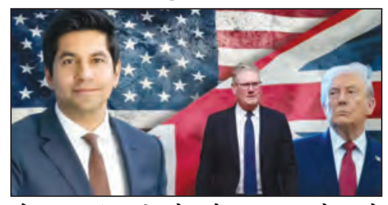

डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले टैरिफ की धमकियों, ग्रीनलैंड को खरीदने की कोशिश और गाजा के लिए बोर्ड ऑफ पीस पहल को लेकर ब्रिटेन और अमेरिका के बीच कुछ तनाव की स्थिति बनी हुई है। वरुण चंद्रा के पास दर्शन, राजनीति और अर्थशास्त्र में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की डिग्री है। उन्होंने ब्रिटेन के अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सितंबर में ट्रंप की ब्रिटेन की राजकीय यात्रा के दौरान घोषित 10 अरब डॉलर से ज्यादा के आर्थिक समझौतों को सुरक्षित करने में उन्होंने अहम योगदान दिया था। यह नई स्थिति चंद्रा की ओर से पहले से निभाई जा रही जिम्मेदारियों को औपचारिक रूप देती है। वह पहले से ही वरिष्ठ अमेरिकी मंत्रियों और अधिकारियों के साथ संपर्क में थे। इनमें वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

(कुंडली: ११ राहु; १२ शनि; सूर्य शुक्र १० मंगल बुध; ९; ८; चंद्र १; ७; २; ४; ६; ३ गुरु; ५ केतु)

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष सोमवार 26 January 2026
तिथि - अष्टमी 21-18 रात तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - अश्विनी 12-32 तक उपरान्त भरणी
योग - साध्य 09-11 तक उप. शुभ
करण - विष्टी (भद्रा) 10-17 तक उप. बव
भद्रा 10-17 तक,भीष्माष्टमी
गणतंत्र दिवस ७७

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर मे	मकर....	06-07 बजे
चंद्र	मेष मे	कुंभ....	07-58 बजे
मंगल	मकर मे	मीन....	09-36 बजे
बुध	मकर मे	मेष.....	11-12 बजे
गुरु	मिथुन मे	वृष....	12-57 बजे
शुक्र	मकर मे	मिथुन..	14-57 बजे
शनि	मीन मे	कर्क...	17-09 बजे
राहु	कुंभ मे	सिंह---	19-22 बजे
केतु	सिंह मे	कन्या--	21-28 बजे
		तुला----	23-33 बजे
		वृश्चिक..	01-44 बजे
		धनु.....	03-57 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 08-15 से 09-40 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-53 - 08-15	शुभ	चंचल	18-03 - 19-42	शुभ
काल	08-15 - 09-40	अशुभ	रोग	19-42 - 21-18	अशुभ
शुभ	09-40 - 11-04	शुभ	काल	21-18 - 22-53	अशुभ
रोग	11-04 - 12-29	अशुभ	लाभ	22-53 - 00-29	शुभ
उत्पात	12-29 - 13-53	अशुभ	उत्पात	00-29 - 02-04	अशुभ
चंचल	13-53 - 15-18	शुभ	शुभ	02-04 - 03-40	शुभ
लाभ	15-18 - 16-42	शुभ	अमृत	03-40 - 05-15	शुभ
अमृत	16-42 - 18-03	शुभ	चंचल	05-15 - 06-53	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,)
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी ।आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें ।अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है ।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है ।लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सस्ती होने वाली हैं इलेक्ट्रिक गाड़ियां!,भारत-ईयू की एफटीए डील से बदलेगा ईवी का बाजार

नई दिल्ली,25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) होने वाला है। इससे भारत में यूरोपीय कारों, खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी काफी कम हो जाएगी। यह ड्यूटी 10 से 15% तक हो सकती है। इससे इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कीमत में कमी आ सकती है। इंपोर्ट ड्यूटी कम होने और कीमतों में गिरावट से यूरोपीय लग्जरी ईवी की बिक्री भारत में बढ़ सकती है। यह जानकारी उन लोगों ने दी है जो इस मामले से जुड़े हैं। यह डील 27 जनवरी को होने वाले द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में घोषित हो सकती है। इसके बाद भारत यूरोपीय

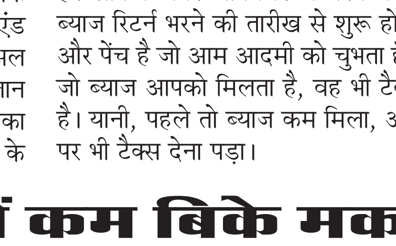

लग्जरी ईवी के लिए एक आकर्षक मैन्युफैक्चरिंग हब भी बन सकता है। अगर किसी यूरोपीय कार की कीमत 40,000 डॉलर (करीब 37 लाख रुपये) से ज्यादा है तो भारत में उस पर करीब 100% इंपोर्ट ड्यूटी लगाती है। जब भारत-ईयू एफटीए के तहत इंपोर्ट ड्यूटी कम होगी, तो यूरोपीय लग्जरी ईवी बनाने वाली कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स को भारतीय बाजार में और भी किफायती दामों पर बेच पाएंगी।

स्थानीय कार निर्माताओं की सुरक्षा

भारतीय कंपनियां बजट ईवी बनाती हैं। उन पर इस डील का ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे यहीं भारत में बनती हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस एफटीए में ऐसे नियम भी शामिल होंगे जो बाजार तक पहुंच और घरेलू निर्माताओं जैसे टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा को सुरक्षा प्रदान करेंगे। ईवी बनाने वाली कंपनियों के लिए धीरे-धीरे स्थानीय स्तर पर पुर्जे बनाने और वैल्यू-एडिशन के नियम लागू रहेंगे। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आयात बढ़ने से भारत की लंबी अवधि की मैन्युफैक्चरिंग योजनाओं को नुकसान न पहुंचे। भारत की ईवी पॉलिसी के अनुसार कंपनी को ऑपरेशन शुरू होने के तीसरे साल तक 25% और पांचवें साल तक 50% घरेलू वैल्यू-एडिशन करना होगा।

दोनों को होगा फायदा

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने कहा, 'हमें विश्वास है कि भारत-ईयू एफटीए डील दोनों पक्षों को फायदा पहुंचाएगी और व्यापार भी बढ़ाएगी। साथ ही इससे टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का भी आदान-प्रदान होगा।

मिडिल ईस्ट से भारत की ओर मुड़ने लगे टैंकर, रूसी तेल पर अमेरिकी बैन के बाद पुराने दोस्त याद आए

नई दिल्ली,25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना कम कर दिया है और मध्य पूर्व (मिडिल) से अपनी तेल की खरीद बढ़ा दी है। हालांकि रूस अभी भी भारत को तेल बेच रहा है, लेकिन उसकी मात्रा कम हो गई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत को रूसी तेल खरीदने में कुछ जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। जनवरी 2026 के पहले तीन हफ्तों के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने रूस से करीब 1.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा। यह दिसंबर के औसत 1.21 मिलियन बीपीडी से कम है और 2025 के मध्य में 2 मिलियन बीपीडी से भी काफी कम है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने पीटीआई को बताया कि जनवरी 2026 में भारत की कच्चा तेल खरीद कम जोखिम और अधिक भरोसेमंद आपूर्ति की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाती है। मध्य पूर्व से तेल की आमद बढ़ रही है, जबकि रूसी कच्चे तेल का प्रवाह अभी भी मौजूद है, लेकिन यह अधिक चुनिंदा और नियमों के अनुसार हो रहा है। भारत

अपनी जरूरत का लगभग 90% कच्चा तेल आयात करता है। अब वह एक बार फिर अपने पारंपरिक मध्य पूर्वी आपूर्तिकर्ताओं पर अधिक भरोसा कर रहा है। इराक अब रूस के लगभग बराबर मात्रा में तेल की आपूर्ति कर रहा है। दिसंबर 2025 में इराक से औसत खरीद 9,04,000 बीपीडी थी। सऊदी अरब से भारत को होने वाली निर्यात भी इस महीने बढ़कर 9,24,000 बीपीडी हो गई है। अप्रैल 2025 में यह मात्रा 5,39,000 बीपीडी थी और दिसंबर 2025 में 7,10,000 बीपीडी थी। रिफाइनरियां सुचारू डिलीवरी और कम परिचालन समस्याओं को सुनिश्चित करने के लिए मध्य पूर्व से अपनी खरीद बढ़ा रही हैं। इससे आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स की चुनौतियों को कम करके रिफाइनरियों में स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलती है। साल 2022 में,रूस भारत का शीर्ष कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा था। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रियायती रूसी तेल की बड़ी मात्रा में खरीद शुरू कर दी थी। इस दौरान, रूसी कच्चे तेल का आयात भारत के कुल आयात का 1% से भी कम से बढ़कर अपने चरम पर लगभग 40% तक पहुंच गया था।

नैनो टेक्नोलॉजी में रोजगार के अवसर

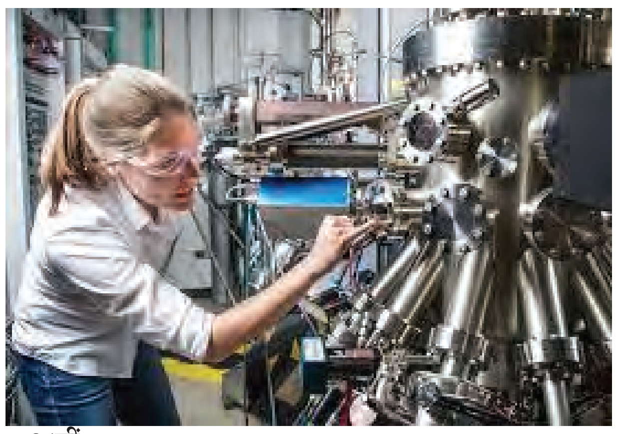

21वीं सदी नैनो सदी बनने जा रही है। आज वस्तुओं के आकार को छोटा और मजबूत बनाने की होड़-सी मची हुई है। विभिन्न क्षेत्रों में नैनो तकनीक विकसित करने के लिए दुनिया भर में बड़े पैमाने पर शोध हो रहे हैं। अति सूक्ष्म आकार, बेजोड़ मजबूती और टिकाऊपन के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिसिन, ऑटो, बायोसाइंस, पेट्रोलियम, फॉरेंसिक और डिफेंस जैसे तमाम क्षेत्रों में नैनो टेक्नोलॉजी की असीम संभावनाएं बन रही हैं।

नैनो टेक्नोलॉजी का भविष्य

भविष्य में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा, इसलिए इस क्षेत्र में रोजगार की जबरदस्त संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। विज्ञान, इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी के किसी भी विषय से ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर नैनो टेक्नोलॉजी विषय लिया जा सकता है। तकनीकी जानकारों का मानना है कि आने वाला समय नैनो टेक्नोलॉजी का होगा। इससे ऐसी सूक्ष्म दवा बनाई जा सकेगी, जो कैंसर की करोड़ों कोशिकाओं में से किसी एक को पहचान कर उसका अलग से इलाज कर सकेगी।

नैनो टेक्नोलॉजी क्या है?

नैनो का अर्थ है ऐसे पदार्थ, जो अति सूक्ष्म आकार वाले तत्वों (मीटर के अरबवें हिस्से) से बने होते हैं। नैनो टेक्नोलॉजी अणुओं व परमाणुओं की इंजीनियरिंग है, जो भौतिकी, रसायन, बायो इन्फॉर्मेटिक्स व बायो टेक्नोलॉजी जैसे विषयों को आपस में जोड़ती है। इस प्रौद्योगिकी से विनिर्माण, बायो साइंस, मेडिकल साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स व रक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है, क्योंकि इससे किसी वस्तु को एक हजार गुणा तक मजबूत, हल्का और भरोसेमंद बनाया जा सकता है। नैनो विज्ञान अति सूक्ष्म मशीनें बनाने का विज्ञान है। ऐसी मशीनें, जो इंसान के जिस्म में उतर कर, उसकी धमनियों में चल-फिर कर वहीं रोग का ऑपरेशन कर सकें। ऐसी मशीनें, जो मोबाइल को आपके नाखून से भी छोटा कर दें। जो ऐसी धातु बना दें, जो स्टील से दस गुना हल्की और सौ गुना मजबूत हो। यानी वह धातु, जिससे ऐसे खंभे बनाए जा सकें, जो सिर्फ कुछ इंच के हों, लेकिन पुल का बोझ सह सकें। नेसकॉम की रिपोर्ट के मुताबिक नैनो टेक्नोलॉजी का अनुमानित बाजार 2015 तक 180 अरब डॉलर से बढ़ कर 891 अरब डॉलर हो जाएगा। इसके साथ ही दुनिया भर में 1.2 करोड़ नए रोजगार पैदा होंगे, जिसमें एक बड़ा हिस्सा भारत का होगा। अमेरिका, जापान और चीन के बाद भारत इस क्षेत्र में शोध पर सबसे अधिक निवेश करने वाला देश है। बेंगलुरू में बन रहा नैनो-एस एंड टी पार्क देश को विश्व के नैनो टेक्नोलॉजी बाजार में स्थापित करेगा।

कौन बन सकता है नैनो इंजीनियर

नैनो टेक्नोलॉजी का मुख्य काम आज की तकनीक का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए बेहतर रिजल्ट तैयार करना है, इसलिए छात्रों को नए अनुसंधानों के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। यदि फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स व बायोलॉजी में अच्छी पकड़ है तो इससे अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने वाले छात्रों का धैर्यशील होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में कठिन और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है।

प्रमुख कोर्स

बी.टेक. इन नैनो टेक्नोलॉजी
एम.टेक. इन नैनो टेक्नोलॉजी
पी.जी. इन नैनो टेक्नोलॉजी

योग्यता

नैनो टेक्नोलॉजी में करियर बनाना है, तो तैयारी 12वीं से ही करनी होगी। बारहवीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान या गणित से पास होनी चाहिए, क्योंकि इसके बाद ही ग्रेजुएशन में साइंस रख पाएंगे। यही नैनोटेक का आधार भी है। जिन छात्रों ने मेकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रानिक्स, बायो टेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस जैसे विषयों से एमटेक किया है, वे भी इस क्षेत्र से जुड़ सकते हैं। नैनो टेक्नोलॉजी में पीजी करने के लिए साइंस में 50 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएट होना जरूरी है। एम.टेक. करने के लिए बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस, मैटीरियल साइंस, मैकेनिकल, बायो मेडिकल, केमिकल में से किसी भी विषय में बी.टेक. की डिग्री आवश्यक है। कुछ संस्थानों ने नैनोटेक्नोलॉजी में बी.टेक. की डिग्री भी शुरू की है।

वेतन : अगर आप नैनो टेक्नोलॉजी में बीटेक हैं तो शुरुआती दौर में 20 से 25 हजार रुपए आसानी से कमा सकते हैं। अगर एमटेक किया है तो वेतन 20 से 30 हजार रुपए प्रतिमाह तक जा सकता है। हालांकि आपकी क्षमता के आधार पर यह राशि लाखों में भी पहुंच सकती है।

किन-किन क्षेत्रों में हैं अवसर

नैनो टेक्नोलॉजी का अर्थ है साइंस ऑफ मिनिएचर यानी छोटी चीजों का विज्ञान। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन में बदल जाती है तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में भी भारी परिवर्तन आ जाता है। यह तकनीक मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में उपयोगी है। फार्मा, मेडिकल, कृषि, डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य एवं पेय पदार्थ की कंपनियों में, सरकार एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जा रहे शोध एवं विकास के प्रोजेक्ट में, शिक्षा और शोध में, बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में और प्रोडक्ट डेवलपमेंट में यह उपयोगी है।

फिटनेस ट्रेनर से बनाएं एक सुनहरा करियर

स्वस्थ शरीर और दिमाग दोनों ही फिटनेस को डिफाइन करते हैं। अगर हर दिन आप कसरत करते हैं तो कोई बीमारी आपको छू नहीं सकती है। कसरत कौन सी करें और कैसे करें इसके बारे में आपको फिटनेस ट्रेनर अच्छी तरह बता सकते हैं। आज के इस ब्लॉग के जरिए हम आपको बताएंगे कि फिटनेस ट्रेनर कौन होते हैं और फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए क्या करना पड़ता है। चलिए विस्तार से जानते हैं कि फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर कैसे बनाएं।

जैसे-जैसे लोग ठीक से व्यायाम करने लगते हैं, फिटनेस ट्रेनर उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्देश देते हैं और उन्हें जमकर प्रेरित भी करते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर एक या एक से अधिक क्षेत्रों में एक्सपर्ट हो सकते हैं और इस प्रकार, लोगों को उनके गाइडेंस में शारीरिक कसरत को करने में सहायता कर सकते हैं।

वे लोगों के एक ग्रुप को तैयार कर सकते हैं, या विशिष्ट क्लाइंट्स के साथ एक-के-बाद-एक सेशंस ले सकते हैं। यदि वे फिजिकल ट्रेनर बनने की इच्छा रखते हैं तो उनके पास संबंधित स्किल्स होना आवश्यक है क्योंकि नौकरी के लिए रोज़ाना के आधार पर क्लाइंट डीलिंग की आवश्यकता होती है।

फिटनेस ट्रेनर के कार्य

फिटनेस ट्रेनर का काम होता है अपने क्लाइंट्स को एक्सरसाइज कराना उसके अनुसार डाइट प्लानिंग कराना या बताना।

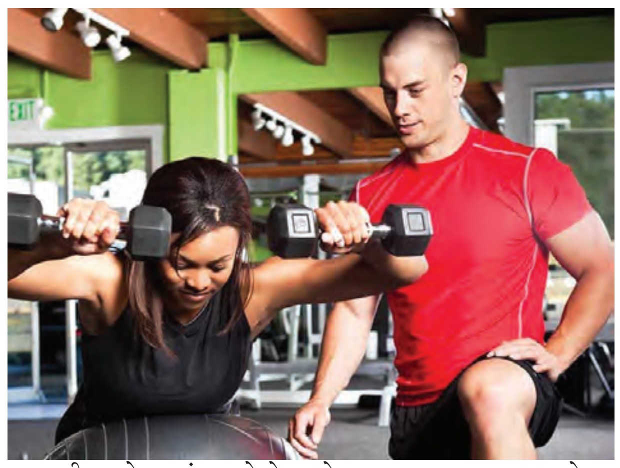

कसरत से आधारित सभी जानकारी अपने क्लाइंट्स को देना फिटनेस ट्रेनर के लिए आवश्यक होता है।

सभी ट्रेनिंग से संबंधित उपकरणों की नॉलेज होना बहुत आवश्यक है।

व्यक्ति के अनुसार तथा शरीर के मुताबिक कसरत और डाइट प्लान को बताना होता है।

फिटनेस ट्रेनर को पोषण, वजन प्रबंधन, तनाव कम करना, वजन घटाना, वजन बढ़ना, आहार से संबंधित आदि विषयों पर ध्यान देना होता है।

फिटनेस ट्रेनर के प्रकार

ऐसे कई अलग-अलग क्षेत्र हैं जिनमें एक ट्रेनर स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकता है। आइए नीचे जानते हैं फिटनेस ट्रेनर के प्रकार-

वेट मैनेजमेंट ट्रेनरः लाइफस्टाइल और वेट मैनेजमेंट सभी की एक आम चिंता बन गई है, इस प्रकार, ऐसे ट्रेनर लोगों को उनके सेट टारगेट के अनुसार वजन कम करने या बढ़ाने में मदद करते हैं और एक संतुलित लाइफस्टाइल प्राप्त करने में भी उनकी मदद करते हैं।

ऑर्थोपेडिक ट्रेनरः ऑर्थोपेडिक ट्रेनर उन क्लाइंट्स को अटेंड करते हैं जिनके पास विशेष रूप से घुटनों में मेडिकल कंडीशंस हैं और उनकी चिकित्सा स्थिरता को ध्यान में रखते हुए विशेष एक्सरसाइज और निर्देव की आवश्यकता होती है।

मेडिकल ट्रेनरः एक मेडिकल फिटनेस ट्रेनर उन लोगों का मैनेजमेंट करता है जो मेडिकल ट्रीटमेंट से गुजर रहे हैं या उन्हें कोई बीमारी है। जिसके कारण उन्हें एक निश्चित स्तर की फिजिकल फिटनेस बनाए रखनी होती है।

स्पेशल या सेलिब्रिटी ट्रेनरः फिटनेस ट्रेनर जो एडवांस ट्रेनिंग में स्पेशलाइजेशन रखते हैं, वे आमतौर पर लोकप्रिय सेलेब्स के साथ काम करते हैं और एक भूमिका के लिए उनकी बॉडी को प्राप्त करने में उनकी मदद करते हैं।

फिटनेस ट्रेनर बनने ले लिए टिप्स?

आवश्यक स्किल्स प्राप्त करेंः फिटनेस क्षेत्र में प्रभावी होने के लिए, आपको फिट होने और दूसरों को भी ऐसा करने में मदद करने के लिए समर्पित होना चाहिए। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को कसरत करने के लिए प्रेरित करने में मदद कर सकते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर के लिए मजबूत इंटरपर्सनल स्किल्स की आवश्यकता होती है।

क्वालिफिकेशन परीक्षा देंः किसी मान्यता प्राप्त संघ द्वारा सर्टिफिकेशन फिटनेस इंडस्ट्री में शामिल होने का एक मानदंड है। कई संगठन लिखित और वास्तविकता मूल्यांकन के साथ स्वास्थ्य जांच प्रोग्राम प्रदान करते हैं।

स्पेशलाइजेशनः आप अपने चुने हुए क्षेत्र में विशेष कोर्स को करके अपने ट्रेनिंग अनुभव का विस्तार करते हैं। यदि आप वेट लिफ्टिंग या फंक्शनल फिटनेस में शामिल हैं, तो उस क्षेत्र के लिए विशिष्ट एडवांस्ड कोर्सेज के लिए एनरोल करें।

ऑन-द-जॉब ट्रेनिंगः यदि आप एक प्रोफेशनल फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो कार्य अनुभव एक आवश्यकता है। कई कंपनियां स्पेशलाइजेशन के आधार पर लोगों को भर्ती करती हैं। प्रैक्टिक अनुभव प्राप्त करने के लिए फ्रेशर्स ट्रेंड फिटनेस प्रोफेशनल्स के साथ असिस्टेंट के रूप में काम कर सकते हैं।

आयुष मंत्रालय में फ्रेशर्स के लिए नौकरी

भारत सरकार के मंत्रालय में नौकरी पाने का शानदार अवसर है। खासकर फ्रेशर कैंडिडेट्स जिनके पास काम का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, उन्हें भी इसमें आवेदन करने का मौका दिया जा रहा है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार अच्छी जॉब की तलाश में है, वो इस भर्ती में अप्लाई कर सकते हैं। आयुष भवन में फॉर्म ऑफलाइन भेजना होगा। जिसकी लास्ट डेट **8 फरवरी 2026** तय की गई है।

दरअसल आयुष मंत्रालय यंग प्रोफेशनल के खाली पदों को भर रहा है। इसके लिए मिनिस्ट्री ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट ayush.gov.in पर वैकेंसी नोटिफिकेशन जारी करके अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

आयुष मिनिस्ट्री में नौकरी के लिए योग्यता

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उम्मीदवार के पास बीटेक/एमबीए जैसी टेक्निकल क्वालिफिकेशन में बैचलर की डिग्री या संबंधित फील्ड में समकक्ष डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा किसी तरह का अनुभव नहीं चाहिए। मास्टर्स/एमफिल/पीएचडी/ एमडी या संबंधित फील्ड में अनुभवी कैंडिडेट्स भी अप्लाई कर सकते हैं। कैंडिडेट की हिन्दी और इंग्लिश लिखने में अच्छी पकड़ होनी चाहिए। कंप्यूटर पर प्रौद्योगिकी आधारित कौशल का अच्छा ज्ञान और पारस्परिक कौशल होना चाहिए।

आवेदन कैसे करें?

आयुष मंत्रालय यंग प्रोफेशनल वैकेंसी में अप्लाई करने के लिए उम्मीदवारों को नोटिफकेशन से आवेदन पत्र का प्रारूप डाउनलोड करना होगा। इसका प्रिंट आउट निकालने के बाद हाथ से अपनी सभी डिटेल्स भरें। ऊपर अपना कलरफुर पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ चिपकाएं और फॉर्म सीवी के साथ आयुष भवन में भेज दें। फॉर्म भेजने का पता है- स्थापना-II अनुभाग, आयुष मंत्रालय, आयुष भवन, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली-110023। इस भर्ती से जुड़ी अन्य किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयुष मिनिस्ट्री की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

इंडियन नेवी में बनें सब लेफ्टिनेंट 10 ब्रांचों में निकली वैकेंसी

भारतीय नौसेना में ऑफिसर बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए नई भर्ती आ गई है। इंडियन नेवी ने विभिन्न एंट्रीज के लिए शॉर्ट सर्विस कमीशन ऑफिसर्स (SSC)-जनवरी 2027 (ST27) कोर्स में 24 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट www.joinindiannavy.gov.in पर अप्लाई कर सकते हैं।

इंडियन नेवी की इस भर्ती में केवल अविवाहित महिला और पुरुष कैंडिडेट्स ही आवेदन करने के योग्य हैं। इस एंट्री के जरिए एग्जीक्यूटिव ब्रांच, लॉजिस्टिक्स, एजुकेशन, पायलट, सब्मरीन टेक इलेक्ट्रिकल, नेवल एयर ऑपरेशंस, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, इंजीनियरिंग ब्रांच समेत कुल 10 ब्रांचों में 260 पद भरे जाएंगे। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उम्मीदवार को सब लेफ्टिनेंट रैंक पर पोस्टिंग मिलेगी।

नेवी सब लेफ्टिनेंट बनने के लिए योग्यता

ब्रांच वाइज अलग-अलग योग्यता मांगी गई है। एग्जीक्यूटिव ब्रांच के लिए बीई/बीटेक की डिग्री न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ होनी चागिए। पायलट के साथ बीई/बीटेक के साथ 10वीं, 12वीं में 60 प्रतिशत अंक और इंग्लिश सब्जेक्ट में भी 60 प्रतिशत मार्क्स होने चाहिए। लॉजिस्टिक्स के लिए बीई/बीटेक/एमबीए/बीएससी/बी.कॉ म / बी ए स सी फाइनेंस/लॉजिस्ट्रिक्स में पीजी डिप्लोमा के साथ/ एमसीए/एमएससी (आईटी) वाले अप्लाई कर सकते हैं।

इसी तरह अन्य पदों पर बी.ई/बीटेक/एमबीए/बी.कॉम/बीए ससी/एमसीए/एमएससी/एमए/एम टेक आदि की डिग्री होनी चाहिए। भारत सरकार, जहाजरानी एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले उम्मीदवार चाहे वे द्वितीय मेट, मेट या मास्टर हों और जिनका जन्म 2 जनवरी 1997 से 1 जुलाई 2007 (दोनों तिथियां शामिल) के बीच हुआ हो, वे आवेदन कर सकते हैं।

जिन उम्मीदवारों के पास डीजीसीए द्वारा जारी सीपीएल लाइसेंस है और जिनका जन्म 02 जनवरी 2002 से 01 जनवरी 2008 के बीच हुआ है, पायलट पोस्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं। योग्यता से संबंधित ये जानकारी अभ्यर्थी विस्तार से भर्ती के आधिकारिक नोटिफिकेशन से चेक कर सकते हैं।

आवेदन कैसे करें?

अभ्यर्थी इंडियन नेवी की ऑफिशियल वेबसाइट प्रवेश www.joinindiannavy.gov.in पर इस भर्ती के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

आपको पहले रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करना होगा। इस दौरान ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर की जानकारी बिल्कुल सही भरें।

अब प्राप्त लॉगइन आईडी से वेबसाइट पर लॉगइन करें।

संबंधित भर्ती के आवेदन के लिंक पर जाएं और आवेदन का फॉर्म भरना शुरू करें।

पर्सनल डिटेल्स, एजुकेशन क्वालिफिकेशन, पता जैसी जो-जो डिटेल्स मांगी जाती हैं, वो ध्यान से भर दें।

अपना पासपोर्ट साइज फोटोग्राफर, हस्ताक्षर और अन्य डॉक्यूमेंट्स स्कैन करके अपलोड करें।

फॉर्म को फाइनली सब्मिट करें और उसका प्रिंट आउट निकालकर सुरक्षित रख लें।

इस भर्ती से संबंधित अन्य किसी भी जानकारी के लिए उम्मीदवार इंडियन नेवी की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

बिहार पुलिस में दरोगा की नई भर्ती, आवेदन करने की आखिरी तारीख 27 फरवरी

बिहार पुलिस में भर्ती होने के इच्छुक युवाओं के लिए दरोगा की नई भर्ती आ गई है। हाल ही में बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (BSSSC) 'अवर निरीक्षक मद्य निषेध' (प्रोहिबिशन एसआई) भर्ती का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। ऑनलाइन आवेदन आयोग अपनी आधिकारिक वेबसाइट bpssc.bihar.gov.in पर जल्द ही शुरू करने वाला है। तब तक कैंडिडेट्स आवेदन के लिए अपने जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार कर सकते हैं।

सब-इंस्पेक्टर प्रोहिबिशन के लिए योग्यता

शैक्षिक योग्यताः उम्मीदवारों का 1 अगस्त 2025 तक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उसे समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आयुसीमाः उम्र सीमा की गणना 1 अगस्त 2025 के आधार पर की जाएगी। अनारक्षित कोटि के पुरुषों की न्यूनतम उम्र 20 वर्ष और अधिकतम उम्र 37 वर्ष तथा महिलाओं के लिए न्यूनतम उम्र 20 वर्ष और अधिकतम उम्र 40 वर्ष तक होगी। हाइटः सामान्य वर्ग के पिछड़ा वर्ग के पुरुषों के लिए न्यूनतम उम्र 165 सेमी, ओबीसी/एसटी/एससी पुरुषों के लिए 160 सेमी। सभी वर्गों की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई 155 सेमी तय की गई है।

आवेदन कैसे करें?

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट bpssc.bihar.gov.in पर जाना होगा। पहले रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करना होगा। पंजीकरण के बाद प्राप्त लॉगइन आईडी की मदद से लॉगइन करें। अपनी आईडी, मोबाइल नंबर जैसी डिटेल्स सही भरें। भर्ती के अंतिम चरण के पूर्ण होने तक आयोग अभ्यर्थी से उसी मोबाइल नंबर/ईमेल आईडी पर संपर्क करेगा। आवेदन शुल्क का भुगतान करें और आवेदन पत्र का प्रिंट आउट निकाल लें।इस भर्ती से जुड़ी अन्य किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

मरीन इंजीनियरिंग में भविष्य

मरीन इंजीनियरिंग पेशे का अपना आकर्षण है। इसमें देश-विदेश में घूमने की सहूलियत और इंजीनियरिंग की दूसरी ब्रांचेस के मुकाबले अच्छी तनख्वाह और बहुत अच्छी ज़िंदगी मिलती है। साल के छह महीने जहाज पर रहना और बाकी महीने अपनी जिंदगी जीना। यही वजह है कि बड़ी संख्या में युवा इस क्षेत्र में आ रहे हैं। खासकर वे युवा, जो थोड़े वक्त में अच्छा पैसा कमाने की चाह रखते हैं, जल्द से जल्द अपना करियर स्थापित करना चाहते हैं।

वैसे, सुविधाओं के साथ-साथ यह पेशा काफी चुनौती भरा भी है। मरीन इंजीनियर के कंधों पर जलपोतों के निर्माण, रख-रखाव और इंस्टॉलेशन की बड़ी जिम्मेदारी होती है। इन दिनों जहाज भी मॉडर्न टेक्नोलॉजी और इक्विपमेंट से लैस रहने लगे हैं, जिन्हें हैंडल करने के लिए मरीन इंजीनियर्स की जरूरत पड़ती है। चीफ मरीन इंजीनियर ही शिप और उसके कार्गो का इंचार्ज होता है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री ट्रैफिक बढ़ने से पब्लिक और प्राइवेट शिपिंग कंपनीज में मरीन इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कोर्स एवं योग्यता

अंडरग्रैजुएट कोर्स में एडमिशन लेने के लिए अभ्यर्थी को 12वीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा 12वीं में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथेमेटिक्स में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना जरूरी है। उम्र किसी भी सत्र के अगस्त तक 17 से 25 साल के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हीं छात्रों को

एडमिशन लेने का अवसर मिलता है, जिन्होंने आई.एम.यू द्वारा आयोजित सी.ई.टी (कॉमन एंट्रेंस टैस्ट) की परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथ, रीजनिंग, इंग्लिश एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित 200 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते हैं।

कार्यक्षेत्र

एक मरीन इंजीनियर के तौर पर काम करने के लिए आप में सामुद्रिक संरचना की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की समझ होनी भी जरूरी है। इंडस्ट्री के अनुसार कार्यक्षेत्र का दायरा भी कुछ अलग हो सकता है। वैसे तो एक मरीन इंजीनियर का मुख्य काम पोत का निर्माण व मशीनरी की मरम्मत करना ही होता है लेकिन ये जहाजों और नौकाओं के डिजाइन की रूपरेखा तैयार करने समेत कई अन्य जिम्मेदारियां भी निभाते हैं। इसके अलावा ऑफशोर ऑइल व गैस के लिए ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म, पाइपलाइन आदि का निर्माण व डिजाइनिंग का काम भी इन्हीं के जिम्मे होता है। कई बार प्रोफेशनल्स को मरीन सर्वेयर की भूमिका भी निभानी पड़ती है, जिसके अंतर्गत जहाजों का परीक्षण, ऑफशोर इंस्टॉलेशन और सेफ्टी उपायों का अध्ययन आदि करना होता है। मरीन इंजीनियर में लीडरशिप क्वॉलिटी होनी भी जरूरी है क्योंकि उसे मरीन टेक्निशियंस की टीम को मैनेज करना होता है।

जॉब के अवसर

मरीन इंजीनियर अपना करियर शिप पर फोर्थ इंजीनियर या थर्ड असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा इंजन प्रोडक्शन फर्म्स, शिप बिल्डिंग फर्म्स, रिसर्च बॉडीज, शिप डिजाइन फर्म्स या भारतीय नौसेना में भी काम करने के मौके मिल सकते हैं। बंदरगाहों पर स्थित मरीन वर्कशॉप्स में भी मरीन इंजीनियर्स की जरूरत होती है। अनुभवी मरीन इंजीनियर्स की आईटी सेक्टर, कंसल्टेंसी फर्म्स, कंस्ट्रक्शन कंपनीज, पावर सेक्टर, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री में भी अच्छी मांग है।

वेतन

इस क्षेत्र में प्रारंभिक रूप में भी काफी अच्छा वेतन पैकेज होता है। मर्चेंट नेवी में बतौर जूनियर इंजीनियर काम करने वाला व्यक्ति भी 25000 से 30000 रुपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। एक मरीन इंजीनियर शुरुआती स्तर पर भी 7.5 से 10 लाख रुपए प्रतिवर्ष अर्जन करता है। रैंक बढ़ने पर यह कमाई डेढ़ लाख से बढ़कर छह लाख या फिर उससे अधिक भी हो सकती है। अनुभव के बाद दूसरे सेक्टर्स में भी अच्छे पैसे मिलते हैं।

'स्किल्ड युवाओं' के लिए काम की कमी नहीं

मुंबई से लंदन होते हुए अमरीकाकनाडा यात्रा प्रवास के दौरान बहुत कुछ जानने, समझने और सीखने के लिए मिला है, जो हमारे देश के लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

तीन सप्ताह की इस विदेश यात्रा में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश कनाडा में भारतीय लोगों के लिए रोजगार व्यवसाय की अपार संभावनाएं देखी गईं।

आकार में बड़ा होने के बावजूद जनसंख्या बहुत कम होने के कारण कनाडा में काम करने वाले लोगों की अति आवश्यकता है। अमरीका की तरह ही साधन-सुविधाओं से सम्पन्न देश कनाडा में रोजगारव्यवसाय के लिए वीजा प्रक्रिया भी काफी आसान है।

स्किल्ड लोगों के लिए इधर काम के अनेक अवसर मौजूद हैं, वर्क वीजा के लिए अंग्रेजी की प्राथमिक परीक्षा पास करना जरूरी है।

अपनी शिक्षा और कौशल के आधार पर सेवाएं देकर भी धनोपार्जन कर सकते हैं- जैसे कि शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबंधक, वकील, श्रमिक, कलाकार आदि । विभिन्न प्रकार की घरेलू वस्तुओं जैसे फ्रिज,

एयर कंडीशनर, टैलीविजन, रसोई घर के उपकरण मरम्मत का काम, इलैक्ट्रीशियन, प्लंबर, बढ़ई आदि कौशल पर आधारित रोजगार भी हैं। कम्प्यूटर व मोबाइल फोन जैसी वस्तुओं के मुरम्मत के काम की अच्छी मांग है। सरकारी नियमानुसार 15 डॉलर प्रति घंटा न्यूनतम वेतन है, फिर भी एक कुशल व्यक्ति को 50 से 100 डॉलर के बीच सामान्य पगार मिल जाती है।

महेश बाबू प्रियंका चोपड़ा की तारीफ की कहा - वह 'अटल' और 'मजबूत' है

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगे। जिसे एसएस राजामौली डायरेक्ट कर रहे हैं। ये अगले साल 2027 में संक्रांति के मौके पर थिएटर्स में रिलीज होगी और इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज भी नजर आएंगे। हालांकि उसके रहले एक्ट्रेस की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिस पर एक्टर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

महेश बाबू ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म 'द ब्लफ' के ट्रेलर की क्लिप शेयर की। इसमें एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं। एक्टर ने पोस्ट कर इसे कैप्शन दिया, 'ट्रेलर बहुत अच्छा लगा। प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दमदार और मजबूत अंदाज में नजर आ रही हैं।' महेश बाबू ने प्रियंका को 'अटल' और 'मजबूत' बताया है। उन्होंने पोस्ट कर इसे कैप्शन देते हुए लिखा, 'फिल्म 'द ब्लफ' की पूरी टीम को 25 फरवरी के लिए ढेरों शुभकामनाएं।' इस पर एक्ट्रेस ने रिप्लाई किया- थैंक यू दोस्त। साथ में रेड हार्ट और हाथ जोड़ने वाला इमोजी बनाया।

प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द ब्लफ'

बता दें कि 'द ब्लफ' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें एक्ट्रेस 'ब्लडी मैरी' नामक एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पूर्व में समुद्री डाकू रह चुकी है। फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के परफॉर्मेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। यह फिल्म 25 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

इसके अलावा, प्रियंका एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ महेश बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही, इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज जैसे कलाकार भी हैं। वहीं, मेकर्स ने अभिनेत्री का लुक भी रिवील कर दिया है। इसमें प्रियंका चोपड़ा पीली साड़ी में बंदूक थामें नजर आ रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा 'कृष 4' में हो सकती हैं

इस फिल्म के जरिए राजामौली फिर से दर्शकों को ऐतिहासिक दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। फैंस में भी फिल्म को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है। वे स्क्रीन पर प्रियंका और महेश बाबू को साथ में देखने के लिए बेताब हैं और साथ ही, कई सालों के बाद ये फिल्म प्रियंका की भारत में वापसी जैसी भी है। साल 2027 में फिल्म के रिलीज की आशंका जताई जा रही है। इसके साथ अभिनेत्री 'कृष-4' में भी नजर आ सकती हैं।

मौनी रॉय के साथ एक इवेंट में हुई छेड़छाड़, जताई नाराजगी

फोटो खिंचाने के बहाने उन्होंने मेरी कमर छुई

अभिनेत्री मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि हाल ही में हरियाणा में हुए एक कार्यक्रम में कुछ बुजुर्ग पुरुषों ने उनके साथ छेड़छाड़ की। एक्ट्रेस इस हैरान कर देने वाले घटनाक्रम से सदमे में हैं और उन्हें भारी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

फोटो खिचाने के बहाने किया ये काम

मौनी ने इंस्टाग्राम पर दो स्टोरी साझा की हैं। इनमें उन्होंने लंबे नोट के साथ अपने साथ हुए हादसे का जिक्र किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'पिछले दिनों करनाल में एक कार्यक्रम था और मेहमानों के व्यवहार से मैं बेहद निराश हूं। खासकर उन दो अंकल लोगों के व्यवहार से जो दादा-दादी की उम्र के हैं। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ और मैं मंच की ओर बढ़ी, अंकल और परिवार के सदस्यों सभी पुरुष ने तस्वीरें खींचने के लिए मेरी कमर पर हाथ रख दिया। जब मैंने कहा सर, कृपया अपना हाथ हटा लें, तो उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आया।'

वीडियो बनाया और गालियां दीं

अभिनेत्री ने आगे बताया, 'मंच पर तो और भी बुरा हाल था। दो अंकल ठीक मेरे सामने खड़े हो गए और अश्लील टिप्पणियां करने लगे, मुझे अश्लील इशारे करने लगे और गालियां देने लगे। मुझे इसका एहसास हुआ और मैंने पहले तो विनम्रता से उन्हें ऐसा न करने का इशारा किया, जिस पर उन्होंने मुझ पर गुलाब फेंकना शुरू कर दिया। प्रदर्शन के बीच में ही मैं मंच से बाहर निकलने की ओर चली गई, लेकिन तुरंत वापस आकर अपना कार्यक्रम पूरा किया। इसके बाद भी वे नहीं रुके और न ही किसी परिवार या आयोजक ने उन्हें आगे से हटाया। जब किसी ने उन्हें रोकने के लिए कहा, तो उन्होंने गालियां दीं।'

कितनी बेशर्मी और मर्द होने का घमंड है

एक्ट्रेस ने अपनी स्टोरी पर आगे लिखा, 'हम कलाकार हैं जो अपनी कला के माध्यम से ईमानदारी से जीविका कमाने की कोशिश कर रहे हैं। सोचिए इन पुरुषों का क्या होगा अगर उनके दोस्त उनकी बेटियों, बहनों या परिवार के किसी भी सदस्य के साथ ऐसा ही व्यवहार करें? धिक्कार है तुम पर। मुझे अपने देश, अपने लोगों और अपनी परंपराओं से प्यार है, लेकिन यह? कितनी बेशर्मी! मर्द होने का घमंड।

मौनी रॉय के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो पिछले साल आई एक स्पाई-थ्रिलर 'सलाकार' में नजर आई थीं। सीरीज में उन्होंने भारतीय खुफिया जासूस की भूमिका निभाई थी। इससे पहले वो फिल्म 'द भूतनी' में नजर आई थीं। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

जापानी फैन की तेलुगु सुनकर हैरान रह गए अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना, एक्टर ने प्रशंसक को दे डाली ये खास सलाह

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' इन दिनों सिनेमाघरों में चल रही है। पिछले दिनों फिल्म के प्रीमियर पर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना भी टोक्यो पहुंचे थे। इस दौरान दोनों सितारों को अपने बीच पाकर जापानी फैंस काफी खुश हुए थे। इसके कई वीडियोज भी वायरल हुए थे। इस दौरान अल्लू अर्जुन ने जापानी में फिल्म का डायलॉग बोलकर फैंस को हैरान कर दिया था। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें एक जापानी फैन ने तेलुगु बोलकर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना को अपना मुरीद बना दिया।

प्रशंसक ने साझा किया वीडियो

वायरल वीडियो में जापानी फैन की धाराप्रवाह तेलुगु सुनकर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना पूरी तरह से हैरान रह गए। काजू नाम के प्रशंसक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। फैन ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका को संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वो दोनों सितारों से तेलुगु में बात करता है। ये देखकर दोनों स्टार्स हैरान रह जाते हैं। जब अल्लू अर्जुन उनसे जापानी में बात करते हैं, तो वे उसी भाषा में जवाब देते हैं। फिर तेलुगु में कहते हैं, 'आप तेलुगु फिल्मों का गौरव हैं। मैं तेलुगु सीख रहा हूं। कृपया मेरी तेलुगु को बर्दाश्त करें।' रश्मिका फैन की धाराप्रवाह तेलुगु पर ताली बजाती हैं। फिर अल्लू अर्जुन मजाक में कहते हैं, 'तुम्हें भी किसी तेलुगु लड़की से शादी करनी चाहिए।'

कॉपी किया सिग्नेचर पोज

प्रशंसक ने इसके अलावा एक तस्वीर भी पोस्ट की है। इसमें वो दोनों स्टार्स के साथ 'पुष्पा 2' का सिग्नेचर पोज दे रहा है। इसे पोस्ट करते हुए प्रशंसक ने लिखा, 'मुझे भारत के दो शीर्ष अभिनेताओं अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना का इंटरव्यू करने का सौभाग्य मिला। एक अप्रत्याशित तेलुगु आश्चर्य भी था। इस अविश्वसनीय अवसर के लिए आभारी हूं।

अल्लू अर्जुन के पास हैं बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अल्लू अर्जुन अब एटली के साथ अपनी अगली फिल्म 'AA22' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक बड़े बजट की फिल्म है। इसके अलावा वो लोकेश कनगराज के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं। वहीं रश्मिका मंदाना की अगली फिल्म 'कॉकटेल 2' है। इसमें वो शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में फिल्म 'म्यासा' भी है।

प्रकाश राज ने की हिंदी सिनेमा से तमिल और मलयालम की तुलना, गिना दी बड़ी कमियां

अभिनेता प्रकाश राज अपनी अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने केरल लिटरेचर फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा को लेकर कई बातें कही हैं। उन्होंने तमिल और तेलुगु सिनेमा की तुलना हिंदी सिनेमा से की है। इसके अलावा उन्होंने हिंदी सिनेमा को लेकर एक बड़ी बात कही है।

हिंदी सिनेमा के बारे में क्या बोले प्रकाश राज?

केरल लिटरेचर फेस्टिवल के नौवें एडिशन में प्रकाश राज ने मलयालम और तमिल सिनेमा की तारीफ की। उन्होंने कहा इनके कहानी कहने का तरीका मजबूत और कंटेंट पर आधारित होता है। उन्होंने हिंदी सिनेमा के बारे में कहा कि मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से दूर हो गया है। वह ज्यादा से ज्यादा 'नकली' और 'पैसे पर फोकस' हो गया है। एक्टर ने हिंदी फिल्मों के बनावटीपन के लिए आलोचना की और कहा कि वे 'मैडम तुसाद म्यूजियम' जैसी हो गई हैं, जहां सब कुछ सुंदर तो दिखता है लेकिन उसमें कोई गहराई नहीं होती।

हिंदी सिनेमा का जुड़ाव खत्म हुआ

एक्टर ने आगे कहा 'हमारे (दक्षिण) पास अभी भी बताने के लिए कहानियां हैं, तमिल के नए युवा डायरेक्टर दलित मुद्दों पर बात कर रहे हैं। इससे बहुत उम्मीद मिलती है।' हिंदी सिनेमा के बारे में उन्होंने कहा 'मल्टीप्लेक्स आने के बाद, बॉम्बे फिल्म इंडस्ट्री सिर्फ मल्टीप्लेक्स के लिए फिल्में बनाने लगी। क्योंकि वे अच्छी चल रही थीं। वे पेज 3 कल्चर में चले गए और इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीण राजस्थान और बिहार से अपना जुड़ाव खो दिया।'

प्रकाश ने किया हिंदी फिल्मों में काम

आपको बता दें कि प्रकाश राज ने हिंदी फिल्मों 'सिंघम' और 'वांटेड' में जबरदस्त एक्टिंग की है। इन्हीं फिल्मों से उन्हें हिंदी पट्टी में पहचान मिली। आखिरी बार उन्हें धनुष और कृति सेनन की अदाकारी वाली फिल्म 'तेरे इश्क में' में देखा गया था।

सारा अली खान और इब्राहिम से हुई ओरी की तकरार

दोनों भाई-बहन ने किया अनफॉलो, क्या पलक तिवारी हैं वजह?

ओरी फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव नहीं हैं। मगर, वे लाइमलाइट में खूब रहते हैं। स्टारकिड्स के साथ वे अक्सर पार्टी करते नजर आते हैं। जान्हवी कपूर से लेकर नीसा देवगन और सारा के साथ उनकी अक्सर फोटोज वायरल होती हैं। मगर, इस बीच खबर आ रही है कि सारा अली खान से उनकी तकरार हो गई है। इतना ही नहीं, सारा और उनके भाई इब्राहिम ने ओरी को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है।

क्या सारा-इब्राहिम और ओरी की दोस्ती में आई दरार?

सारा अली खान और इब्राहिम अली खान ने कथित तौर पर ओरी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि बीते दिनों ओरी ने सारा अली खान और पलक तिवारी के नाम को लेकर खराब कमेंट किया था। इतना ही नहीं, उन्होंने सारा की मां अमृता का नाम भी इसमें शामिल किया था। इस पर नेटिजन्स ने भी ओरी की आलोचना की थी और इसे गैर-जरूरी बताया था।

ओरी ने इन तीन नामों को बताया था 'खराब'!

ओरी ने कथित तौर पर एक वीडियो शेयर किया था। इसमें उन्होंने महिलाओं के सबसे खराब तीन नामों को लिस्ट किया था। ओरी ने कथित तौर पर सारा, पलक और अमृता नाम को लेकर कहा कि ये सबसे 'खराब' नाम हैं। ये तीनों नाम इब्राहिम अली खान से जुड़े हैं। दरअसल, सारा, इब्राहिम की अपनी बहन हैं। अमृता उनकी मां हैं।

वहीं, पलक तिवारी के साथ उनकी काफी अच्छी दोस्ती है। दोनों को अक्सर साथ देखा जाता है। इनके लिंकअप की अफवाहें भी जुड़ चुकी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ओरी की बात इब्राहिम और सारा को खराब लगी है। उन्होंने ओरी को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है।

'मुझे पता था तुम सबसे अलग हो...'; एनिवर्सरी पर सोहा अली खान ने हमसफर कुणाल के लिए लिखा नोट

सोहा अली खान और कुणाल खेमू इंडस्ट्री के पावर कपल में शामिल हैं। आज 25 जनवरी को इनकी शादी को 11 साल पूरे हो गए हैं। कपल ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर एक-दूसरे पर प्यार लुटाया है।

सोहा अली खान ने आज रविवार को एनिवर्सरी के मौके एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कुणाल के साथ की कुछ खूबसूरत यादें साझा की हैं। साथ ही एक लव नोट लिखा है। सोहा ने लिखा है, 'मुझे हमेशा से पता था कि तुम अलग हो कुणाल और फिर, 11 साल पहले, हमने हिम्मत करके इसे ऑफिशियल करने का फैसला किया। हमारा अब तक का सबसे अच्छा फैसला। हैप्पी एनिवर्सरी'।

कुणाल खेमू ने शेयर कीं मैमोरी

एक्टर कुणाल खेमू ने भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सोहा और अपनी कुछ थ्रोबैक फोटोज शेयर की हैं। सोहा और कुणाल की शाादी 25 जनवरी 2015 को हुई थी। कपल एक बेटी इनाया के माता-पिता हैं। सोहा अली खान, दिग्गज एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर और मंसूर अली खान पटौदी की बेटी हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार फिल्म 'छोरी 2' में देखा गया। कुणाल खेमू भी एक्टर और डायरेक्टर हैं।

सोहा और कुणाल की लव स्टोरी

सोहा और कुणाल साल 2009 में पहली बार एक-दूसरे से मिले थे। दोनों फिल्म 'ढूंढते रह जाओगे' के सेट पर मिले थे। पहली मुलकात में दोनों एक दूसरे से हैंडशेक करने तक ही सीमित थे। एक इंटरव्यू में सोहा ने कहा था, 'कुणाल से पहली मुलाकात में तो मैं उनसे दोस्ती करने के बारे में भी नहीं सोच सकती थी।' फिर इसी साल दोनों की मुलाकात फिल्म '99' के सेट पर दोबारा हुई। यहां से दोनों दोस्त बने। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदली। फिर दोनों ने शादी का फैसला लिया।

ऋतिक रोशन को बैसाखी के सहारे चलते देख फैंस बेचैन

पिछले साल भी लगी थी चोट, सब बोले- कृष 4 मत अटकाना

एक्टर ऋतिक रोशन को हाल ही में बैसाखी के सहारे चलते देखकर उनके फैंस हैरान-परेशान हो गए। हर कोई उनसे हाल पूछने लगा कि आखिर उन्हें हुआ क्या है। ऋतिक को एक पार्टी में भी बैसाखी के सहारे चलते देखा गया। पिछले साल की तरह इस बार भी उनके साथ यही चीज हुई है।

ऋतिक रोशन बैसाखी के सहारे चलते दिखे

पिछले साल मार्च में ऋतिक रोशन के घुटने में चोट लग गई थी और अब खबर है कि उन्हें फिर से चोट लग गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो में एक्टर को फिल्ममेकर गोल्डी बहल के मुंबई वाले घर पर एक पार्टी में बैसाखी के सहारे पहुंचते देखा गया।

एक वीडियो में, ऋतिक रोशन को बैसाखी के सहारे पार्टी में पहुंचते हुए देखा जा सकता है। एक्टर ने काले रंग के कैजुअल कपड़े पहने हुए थे, जिनमें जैकेट, जॉगर्स, जूते और टोपी थी। फैंस परेशान तो हुए और उन्होंने ऋतिक का हाल पूछने के साथ-साथ ये भी रिक्वेस्ट कर ली कि इस चोट के चलते 'कृष 4' के साथ कुछ न हो।

ऋतिक रोशन को ये क्या हुआ!

ऋतिक रोशन के कई फैंस ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में रिएक्ट किया। एक ने लिखा- सर, आप जल्द ही ठीक हो जाएंगे, चिंता न करें। एक चिंतित फैन ने पूछा- इन्हें हर साल चोट क्यों लग जाती है? एक ने कहा- जल्द स्वस्थ हो जाइए। एकने लिखा- मुझे याद है कि पिछले साल मैंने उनकी एक पोस्ट देखी थी जिसमें वे बैसाखियों पर थे। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि इतनी कम उम्र में अकेले ही इतने फुर्तीले एक्शन सीक्वेंस करना और फिर सिक्स पैक एब्स बनाना और उन्हें बनाए रखना उनके लिए आसान है।

ऋतिक पिछले साल भी बैसाखी पर थे

यह पहली बार नहीं है जब ऋतिक को बैसाखी का इस्तेमाल करते देखा गया है। पिछले साल जब उनके घुटने में चोट लगी थी, तब भी उन्हें सहारे के लिए बैसाखी का सहारा लेते हुए देखा गया था। उनके मैनेजर ने उस समय कहा था, 'ऋतिक के घुटने में चोट लग गई है। उस समय वह शूटिंग नहीं कर रहे थे। यह घटना 'वॉर 2' के एक गाने की रिहर्सल के दौरान हुई। डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।'

ऋतिक रोशन की अगली फिल्म 'कृष 4'

वहीं दूसरी ओर, वर्कफ्रंट पर, ऋतिक रोशन अगली बार सुपरहीरो फिल्म 'कृष 4' में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म से ऋतिक निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखेंगे।

'तारक मेहता...' की मुनमुन दत्ता नहीं बनना चाहती हैं मां बोलीं- अगर कोई जज करे तो फर्क नहीं पड़ता

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी के किरदार में नजर आने वाली एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने शादी नहीं की है। वह 38 साल की हैं और अविवाहित हैं। उनका नाम कई बार को-एक्टर राज अनादकट के साथ जुड़ा है लेकिन दोनों ने इसे सिरे से नकारा है और ऐसे दावे करने वालों को फटाकर भी लगाई है। अब एक्ट्रेस ने शादी और बच्चे के बारे में खुलकर बताया है कि उनके पति में क्या खूबियां होनी चाहिए।

मुनमुन दत्ता अपनी ग्लोनिंग स्किन का राज बताती हैं, जिसमें कहती हैं, 'हमारी जेनेरेशन के लोग बहुत जवान दिखते हैं। मेरे ख्याल से हमारी एनर्जी ऐसी है। और हम अंदर से खुश हैं तो शायद इसलिए भी वो रिफ्लेक्ट होता है। और मैं शादीशुदा नहीं हूं। मेरे बच्चे नहीं हैं। इसलिए सारा ध्यान मैं अपने आप पर दे पाती हूं।'

जब मुनमुन से पूछा गया कि शादी करने है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे अभी नहीं पता। मैं अभी ऐसे उसमें हूं कि करनी है, नहीं करनी है, मुझे नहीं पता। मुझे प्यार अच्छा लगता है। अगर मेरे लिए लिखा होगा तो शायद करूंगी। लेकिन मैं वो नहीं हूं जो शादी के पीछे भागे। मेरा ऐसा कोई सपना भी नहीं रहा। मुझे कभी भी बचपन से वो ड्रीम नहीं था कि मेरा आइडियल पति ऐसा होना चाहिए।

कि मेरा आइडियल शादी ऐसा होना चाहिए।'

मुनमुन दत्ता को ऐसा लड़का चाहिए

फिर पूछा गया कि आपका ऐसा कोई बॉयज में टाइप नहीं है? तो मुनमुन दत्ता ने कहा, 'है ना, वैसे तो है। अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल्स बहुत जरूरी है। इंटेलेक्ट बहुत जरूरी है। लॉयल्टी, गुड लुकिंग (भी होनी चाहिए) मैं लुक्स देखती हूं। मेरे लिए वो मैटर करता है। मैं झूठ नहीं बोल सकती कि नहीं नहीं लुक्स नहीं जरूरी। लेकिन ऐसा नहीं है। लुक्स, पैसा... सबकुछ जरूरी है लाइफ में। हम ये नहीं कह सकते कि ये जरूरी है और ये नहीं। सब जरूरी है। और ये पर्सनल चॉइस है। तो मेरी ये चॉइस है। मैं ऐसी हूं। मुझे लंबा, गोरा, अच्छा दिखने वाला लड़का पसंद है। सज्जन होना चाहिए।'

मुनमुन दत्ता को विदेशी लड़के पसंद

एक्ट्रेस ने कई अमेरिकन, ब्रिटिश और कोरियन एक्टर्स के नाम बताए, जो उन्हें पसंद है। अच्छे लगते हैं। फिर सवाल किया गया कि क्या वह किसी विदेशी से शादी करेंगी तो उन्होंने कहा, 'हां खुशी से। क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि मेरी बॉन्डिंग उनके साथ ज्यादा होती है। भारतीय पुरुष खोड़े अलग हैं। विदेशियों में ये खास बात होती है कि वह पैदा किसी और देश में होते हैं और रहते किसी और देश में हैं। वो बहुत ट्रैवल करते हैं तो विकसित होते हैं।'

मुनमुन दत्ता नहीं बनना चाहतीं मां

रणवीर ने एक्टेस से कहा कि वह बहुत अच्छी मां बनेंगी तो मुनमुन ने कहा कि वह मां नहीं बनना चाहती हैं। 'मेरे ख्याल से मैं मां नहीं बनना चाहती हूं और मैं इसके बारे में पूरी तरह से क्लियर हूं। मुझे फर्क नहीं पड़ता अगर कोई मुझे इस पर जज करेगा। ये मेरी चॉइस है, और मैं इस पर टिकी रहूंगी।'

महिलाओं को पुरुषों से 3 गुना ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है

किस 'दर्द' का जिक्र कर गई पूर्व सीएम वसुंधरा राजे?

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। वसुंधरा राजे जयपुर में आज जाट महिला शक्ति संगम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजनीति में महिलाओं को पुरुषों से तीन गुना अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि अब संख्या बढ़ी है, लेकिन यह संख्या अभी भी पर्याप्त नहीं है।

वसुंधरा राजे ने जयपुर में की महिलाओं की राजनीति में चर्चा

जयपुरः राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अब राजनीति में महिलाओं की भूमिका और उनके संघर्ष को लेकर बड़ा बयान दिया है। वे जयपुर में कॉन्सिट्यूशन क्लब में आयोजित जाट महिला शक्ति संगम कार्यक्रम में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि कहा कि महिलाओं को राजनीति में पुरुषों की तुलना में तीन गुना अधिक मेहनत करनी पड़ती है, तब जाकर उन्हें अपनी जगह मिलती है।

महिला की राजनीति में संख्या अभी भी पर्याप्त नहीं

वसुंधरा राजे ने कहा कि आजादी के समय देश में महिलाओं की साक्षरता दर केवल 9 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 65 प्रतिशत हो गई है। इसके बावजूद राजनीति में महिलाओं की भागीदारी अभी भी कम है। उन्होंने कहा कि आम चुनावों में चुनाव लड़ने वाली महिलाओं की संख्या आज करीब 10 प्रतिशत है, जबकि 1957 में यह मात्र 3 प्रतिशत थी।

पहली लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 22 थी, जो अब बढ़कर 74 हो गई है। वहीं राज्यसभा में 1952 में 15 महिला सदस्य थीं, जो अब 42 हो चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह संख्या अभी भी पर्याप्त नहीं है और महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर होनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभा पाटिल और द्रौपदी मुर्मू ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। इस दौरान उन्होंने हेमा मालिनी, डॉ. कमला बेनीवाल, सुमित्रा सिंह, डॉ. प्रियंका चौधरी, रीटा चौधरी, डॉ. शिखा मील, सुशीला बराला, कृष्णा पूनिया, कमला कंस्वा और दिव्या मदेरणा जैसी महिला नेताओं की चर्चा करते हुए उनकी तारीफ की।

कॉलेज छोड़ 27 साल का युवक बनेगा जैन संत

बोले- 32 लाख का पैकेज छोड़ सॉफ्टवेयर इंजीनियर साध्वी बनी थी, यह देख मेरा मन बदला

ब्यावर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। ब्यावर की रहने वाली सॉफ्टवेयर इंजीनियर हर्षाली कोठारी (28) ने एडॉब (Adobe) में 32 लाख रुपए का सालाना पैकेज छोड़ा। सांसारिक जीवन त्याग कर दिसंबर 2024 में जैन साध्वी बन गईं। ये देख मुझे भी संयम पथ पर चलने की प्रेरणा मिली। उसी समय मैंने भी संत बनने का निश्चय कर लिया था।

यह कहना है ब्यावर के रहने वाले अनिष्क कांठेड़ का। 27 साल के अनिष्क डीफार्मा के स्टूडेंट हैं। ये अपनी पढ़ाई-लिखाई छोड़ कर जैन संत बनेंगे। 28 जनवरी को बीकानेर के उदासर में जैन भगवती दीक्षा ग्रहण करेंगे। यह दीक्षा उन्हें व्यसन मुक्ति के प्रणेता जैनाचार्य प्रवर रामलालजी महाराज (रामगुरु) प्रदान करेंगे। इससे पहले इनके परिवार के 5 लोग दीक्षा ले चुके हैं।

इस दीक्षा महोत्सव को लेकर ब्यावर सहित देशभर के जैन समाज में उत्साह का माहौल है। समारोह में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों श्रद्धालुओं के उदासर पहुंचने की संभावना है।

दीक्षा से पूर्व ब्यावर में धार्मिक कार्यक्रम शुरू

दीक्षा से पूर्व ब्यावर स्थित जैन जवाहर भवन में श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ की ओर से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। भगवान महावीर, आचार्य नानेश और आचार्य रामगुरु के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष गौतम चौधरी ने बताया कि विराट दीक्षा महोत्सव के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। संघ महामंत्री धर्मीचंद ओस्तवाल के अनुसार, अध्यक्ष के नेतृत्व में केंद्रीय कार्यालय आनंद भवन में प्रतिदिन बैठकें हो रही हैं और विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस दौरान उपाध्यक्ष निहाल कोठारी, कैलाश खींचा, ऋषभ कांकरिया सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संयम शुभारंभ महोत्सव एवं कुंकुम समारोह

24 जनवरी को ब्यावर के विनोद नगर स्थित जैन जवाहर भवन के नानेश रत्नम हॉल में मुमुक्षु अनिष्क के दीक्षा महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ।

'संयम शुभारंभ महोत्सव एवं कुंकुम समारोह' में नगर और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर स्वामी और गुरु भगवंतों के जयकारे लगाए। समारोह का संचालन अनिष्क के मामा और केकड़ी संघ के महामंत्री ऋषभ सोनी ने किया।

चौबीसी गीतों से गूंजा परिसर, परिवार हुआ भावुक

समता युवा संघ के अध्यक्ष अंकुश बोहरा ने बताया कि अनिष्क के सम्मान में जैन मित्र मंडल की तीनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में चौबीसी गीतों का भव्य आयोजन हुआ। लगभग दो घंटे तक चले इस कार्यक्रम में समता महिला मंडल एवं श्राविकाओं ने जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों की स्तुति में भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किए। एक संयम भजन के दौरान अनिष्क सहित उनका पूरा परिवार भावुक हो उठा।

परिवार से 5 लोग पहले ले चुके दीक्षा

अनिष्क के पिता प्रेमचंद कांठेड़ का देहांत हो चुका है। मां नीता काठेड़ अधिकतर समय समाज के कार्यक्रमों में जुड़ी रहती हैं। एक बहन की शादी हो गई है। दूसरी बहन साध्वी बन चुकी है। इसके अलावा मौसी भी जैन साध्वी बन चुकी हैं। परिवार में कुल पांच लोग दीक्षा ग्रहण कर चुके हैं।

2.50 लाख किसान बनेंगे 'प्राकृतिक योद्धा'

सरकार देगी प्रति एकड़ 4000 रुपये का ईनाम

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 2.50 लाख किसानों के साथ राजस्थान सरकार ने प्राकृतिक खेती का जो दांव खेला है, वह खेती की सूरत बदलने वाला है। 4000 रुपये की प्रोत्साहन राशि और 1 लाख रुपये के संसाधन केंद्रों के साथ 'कृषि सखियां' घर-घर पहुंच रही हैं। क्या राजस्थान का यह टिकाऊ कृषि मॉडल यूरिया-डीएपी के चक्रव्यूह को तोड़ पाएगा?

राजस्थान की धरती अब न केवल सोना उगलेगी, बल्कि यह पूरी तरह 'केमिकल फ्री' और सेहतमंद भी होगी। राज्य सरकार ने बजट 2025-26 में प्राकृतिक खेती को लेकर एक ऐसा मेगा प्लान तैयार किया है, जिससे प्रदेश के 2 लाख 50 हजार किसानों की किस्मत बदलने वाली है। इस योजना का मकसद साफ है कि खेती की लागत को न्यूनतम करना और मिट्टी की खोई हुई उर्वरता को वापस लौटाना।

आर्थिक मदद की 'डबल डोज'

इस मिशन को सफल बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने हाथ मिलाया है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 2.25 लाख किसानों के लिए 60:40 के अनुपात में बजट आवंटित किया गया है, जबकि अतिरिक्त 25 हजार किसानों का पूरा खर्च राज्य सरकार खुद उठा रही है। सरकार केवल सलाह नहीं दे रही, बल्कि प्रोत्साहन भी दे रही है। चयनित किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में 4,000 रुपये प्रति एकड़ की राशि भेजी जा रही है।

क्लस्टर मॉडल और 'कृषि सखी' का साथ

योजना को कागजों से खेतों तक पहुंचाने के लिए 2000 क्लस्टर बनाए गए हैं। हर 50 हेक्टेयर के क्षेत्र को एक यूनिट मानकर 125 किसानों का समूह बनाया गया है। इन किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए उदयपुर के प्राकृतिक खेती केंद्र से मास्टर ट्रेनरों को तैयार किया गया है। इतना ही नहीं, खेतों पर मार्गदर्शन के लिए 'कृषि सखी' और CRP को तैनात किया गया है, जो हर मोड़ पर किसानों की मदद करेंगी।

खाद बनाने के लिए मिलेंगे 1 लाख रुपये

जैविक खाद और दवाओं के लिए किसानों को बाजार न भागना पड़े, इसके लिए सरकार बायो इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित कर रही है। एक केंद्र की स्थापना के लिए 1 लाख रुपये का प्रावधान है, और अब तक प्रदेश में 180 ऐसे केंद्र धरातल पर उतर चुके हैं।

सरकारी स्कूलों में शिफ्ट होंगे किराए के कमरों में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। किराए के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को अब पास के सरकारी स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा। आंगनबाड़ी में शाला पूर्व शिक्षा लेने वाले बच्चों को आगे उसी स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस दिशा में कवायद शुरू कर दी है। जो केंद्र स्कूलों में शिफ्ट नहीं हो पाएंगे, उनकी पास के स्कूलों से मैपिंग को जाएगी।

दूरी का निर्धारण

शहरी क्षेत्रों में एक किमी के दायरे में स्थित स्कूलों में आंगनबाड़ी केंद्र शिफ्ट होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में 500 मीटर के दायरे में स्थित स्कूलों में आंगनबाड़ी केंद्र शिफ्ट किए जाएंगे।

जयपुर में सबसे अधिक

किराए के भवनों में सबसे अधिक आंगनबाड़ी केंद्र जयपुर में चल रहे हैं। जिले में कुल 1078 केंद्र किराए के भवनों में संचालित हैं। स्थिति इतनी खराब है कि कई केंद्र छोटे-छोटे कमरों में चल रहे हैं।

किराए के भवनों में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों को पास के स्कूलों में जोड़ रहे हैं, जिससे स्कूल प्रबंधन की मॉनिटरिंग भी हो सकेगी। वहीं, बच्चों को स्कूल जैसा माहौल भी मिलेगा। 6 वर्ष की आयु पूरी होते ही बच्चे को उसी स्कूल में प्रवेश मिल जाएगा।

उदयपुर में तेज रफ्तार ने छीनी सांसें

चाय-नाश्ते के ठेले पर चढ़ी बेकाबू कार, एक पल में उजड़ गई 2 परिवारों की दुनिया

उदयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र में रविवार सुबह तेज रफ्तार कार ने कहर बरपा दिया। सुबह करीब सात बजे बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने सड़क किनारे लगे नाश्ते के ठेले को एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

बता दें कि हादसा इतना भीषण था कि ठेला करीब 20 फीट दूर जा गिरा और पास खड़े होकर चाय-नाश्ता कर रहे लोग भी चपेट में आ गए। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार कार पहले ठेले से टकराई और इसके बाद पास खड़े चार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर आगे जाकर पलट गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकालने में मदद की और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के अनुसार, छीपा कॉलोनी निवासी अब्दुल मजीद (70) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोहम्मद इमरान (35) ने एमबी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों रोज की तरह सुबह नमाज के बाद चाय पीने के लिए शक्ति टी स्टॉल पर पहुंचे थे। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका एमबी अस्पताल में इलाज जारी है।

प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

घटना की सूचना मिलते ही अंबामाता थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों व मृतकों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों का कहना था कि हादसे के कई घंटे बीत जाने के बाद भी आरोपी चालक को गिरफ्तार नहीं किया गया, जबकि कार से पहचान करना आसान था।

पालनपुर-आबूरोड हाईवे पर ट्रक बना काल! एसयूवी के उड़े परखच्चे

राजस्थान के 8 लोगों की मौत, परिजनों में कोहराम

पालनपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के बनासकांठा जिले में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा पेश आया है. अमीरगढ़ तालुका के इकबालगढ़ के पास पालनपुर-आबू हाईवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक और इनोवा कार की भीषण भिड़ंत में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. इस दर्दनाक हादसे में सभी मृतक राजस्थान के रहने वाले बताए जा रहे हैं. टक्कर इतनी भयानक थी कि इनोवा कार मलबे के ढेर में तब्दील हो गई और ट्रक भी सड़क पर पलट गया. पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब इनोवा कार में सवार 10 लोग पालनपुर से राजस्थान की ओर लौट रहे थे. इसी दौरान इकबालगढ़ के पास हाईवे पर रॉन्ग साइड (गलत दिशा) से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि धमाका इतना तेज था कि दूर-तक आवाज सुनाई दी. कार के परखच्चे उड़ने के कारण शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. इस हादसे में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुँचाया गया.

पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा, "गुजरात के बनासकांठा में हुए भीषण सड़क हादसे में राजस्थान के सिरोही व पाली निवासी 7 लोगों की असामयिक मृत्यु का समाचार हृदयविदारक है. मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं, ईश्वर उन्हें यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें एवं दिवंगतों की आत्मा को शांति दें." गहलोत ने इस दुख की घड़ी में मृतकों के परिवारों को ढांढस बंधाया और प्रशासन से घायलों के समुचित उपचार की अपील की.

राजस्थान के तीन जिलों के थे सभी यात्री

पुलिस जाँच में सामने आया है कि कार में सवार सभी यात्री राजस्थान के सिरोही, पाली और पिंडवाड़ा इलाके के रहने वाले थे. मृतकों की पहचान प्रकाश कलावंत (36) निवासी फालना (पाली), मोहम्मद हुसैन, उनकी पत्नी जिन्नत, मोहम्मद शरीफ निवासी शिवगंज (सिरोही) और दीपक सिंह निवासी आबूरोड के रूप में हुई है. एक अन्य मृतक पिंडवाड़ा का निवासी बताया जा रहा है, जबकि अन्य मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं. ये सभी लोग पालनपुर से अपने घर राजस्थान लौट रहे थे, तभी किस्मत को कुछ और ही मंजूर था.

हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया. पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और हत्या जैसी धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है. हाईवे पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि चालक की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार किया जा सके. पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है, जिसके बाद से ही पाली और सिरोही के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है. इस भीषण हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर सुरक्षा और भारी वाहनों की गति सीमा पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

हादसे की सूचना मिलते ही अमीरगढ़ पुलिस और बनासकांठा एसपी प्रशांत सुम्बे दलबल के साथ मौके पर पहुँचे. दुर्घटना के कारण पालनपुर-आबू हाईवे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया और लगभग 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया. पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर रास्ता साफ कराया. एसपी ने बताया कि ट्रक चालक की लापरवाही (रॉन्ग साइड ड्राइविंग) हादसे का मुख्य कारण नजर आ रही है. राजस्थान के रहने वाले इन सात लोगों की मौत की खबर मिलते ही उनके पैतृक गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है. पुलिस मृतकों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है. फिलहाल घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है. प्रशासन ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.

पीटीआई भर्ती घोटाला, फर्जी डिग्री और डमी कैंडिडेट से नौकरी; एसओजी ने दर्ज किया केस

जालोर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जालोर जिले में शारीरिक शिक्षा अध्यापक (पीटीआई) भर्ती से जुड़ा एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी डिग्री और डमी अभ्यर्थी के जरिए परीक्षा पास कर सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में आरोपी रिड़मल राम देवासी निवासी अरणाय के खिलाफ धोखाधड़ी, राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम सहित करीब दस धाराओं में मामला दर्ज किया है। खास बात यह है कि इस प्रकरण में पहली बार फर्जी डिग्री जारी करने वाली यूनिवर्सिटी को भी आरोपी बनाया गया है।

विस्तृत आवेदन पत्र के हस्ताक्षरों में स्पष्ट अंतर

एसओजी की जांच में सामने आया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 में रिड़मल राम ने स्वयं परीक्षा नहीं दी। उसने 25 सितंबर 2022 को जयपुर के ब्रह्मपुरी स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र पर दोनों पारियों में एक डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाया था। जांच के दौरान आवेदन पत्र, प्रवेश पत्र, उपस्थिति पत्रक, ओएमआर शीट और चयन के बाद भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र के हस्ताक्षरों में स्पष्ट अंतर पाया गया।

एमपी से निकला ये कनेक्शन

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आवेदन के समय रिड़मल राम ने मध्य प्रदेश के सागर स्थित स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय से बीपीएड डिग्री का परिणाम लंबित होना बताया था, जबकि दस्तावेज सत्यापन के दौरान उसने भोपाल स्थित श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज की बीपीएड डिग्री प्रस्तुत की। डिग्री और हस्ताक्षरों में गड़बड़ी पाए जाने पर एसओजी ने उसे आरोपी (रिस्पॉन्सिबल पर्सन) मानते हुए मामला दर्ज किया।

चयन के बाद रिड़मल राम ने बाड़मेर जिले का चयन किया और 30 सितंबर 2023 को धनाऊ ब्लॉक के लिचिया बेरा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में पीटीआई पद पर कार्यभार ग्रहण किया। कर्मचारी चयन बोर्ड की शिकायत पर चल रही जांच के आधार पर शिक्षा विभाग ने 16 जनवरी 2025 को उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया था।

बजाते हैं राजस्थान का अनोखा वाद्ययंत्र भपंग

कौन हैं गफरुद्दीन मेवाती? जो मिलेगा पद्म अवॉर्ड

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की माटी में ऐसे कई नायाब हीरे दिए हैं, जिन्होंने अपनी ख्याति दुनियाभर में पहुंचाई है। ऐसे ही एक कलाकार हैं, गफरुद्दीन मेवाती जोगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त लोक कलाकार और भपंग वादक गफरुद्दीन मेवाती जोगी को अब पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। गफरुद्दीन मेवाती राजस्थान के विख्यात लोक कलाकार और भपंग वादक हैं। राजस्थान के डीग जिले से ताल्लुक रखने वाले मेवाती को पहले भी कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। मेवाती का जन्म डीग ज़िले की पहाड़ी तहसील के गांव कैथवाड़ा में हुआ। मेवाती जोगी समुदाय से आने वाले गफरुद्दीन मेवाती को संगीत की विरासत में मिला। मिली जानकारी के अनुसार उनके पिता बुद्ध सिंह जोगी खुद सारंगी के उस्ताद थे। मेवाती लगभग 20 लोक वाद्यों में निपुण थे। गफरुद्दीन का संगीत भले ही सरल प्रतीत हो, लेकिन उसमें गहराई और परंपरा की समृद्ध छाप दिखाई देती है। उल्लेखनीय है कि मेवाती जोगी समुदाय हिंदू और मुस्लिम परंपराओं का सुंदर मिश्रण है। उनके लोक गीत महाभारत, लोक रामायण, शिव, श्रीराम और श्रीकृष्ण जैसे हिंदू देवी-देवताओं की कथाओं को जीवंत करते हैं। पांडुन का कड़ा के माध्यम से मेव समुदाय अपने वंश को महाभारत के पात्रों, विशेषकर अर्जुन, से जोड़ता है। गफरुद्दीन इस कला में माहिर हैं।

कोटा में कुत्तों का आतंक: कलेक्ट्रेट तक मचाया तांडव

नायब तहसीलदार समेत 30 लोग घायल

कोटा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। शिक्षा नगरी कोटा में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार गंभीर होता जा रहा है। शहर के नयापुरा क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो आवारा कुत्तों ने राह चलते लोगों पर अचानक हमला कर दिया।

बता दें कि देखते ही देखते इन कुत्तों ने एक के बाद एक करीब 30 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया। हमलों में आम नागरिकों के साथ सरकारी कर्मचारी और अधिकारी भी चपेट में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह के समय नयापुरा इलाके में लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले थे और बाजार भी खुलने की तैयारी में था। इसी दौरान दो कुत्ते अचानक आक्रामक हो गए और राहगीरों पर झपटने लगे। घायलों में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं। हमले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुत्ते कलेक्ट्रेट परिसर में भी घुस गए, जिसे आमतौर पर सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है।

कलेक्ट्रेट में ड्यूटी पर तैनात नायब तहसीलदार अनुराग शर्मा पर भी एक कुत्ते ने हमला कर दिया। बताया गया कि अचानक हुए हमले में उनके पैर में गहरा घाव हो गया, जिसके बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में घटना के बाद कर्मचारियों में दहशत फैल गई और कुछ देर के लिए कामकाज भी प्रभावित हुआ।

डॉग बाइट की घटनाओं में एक पांच वर्षीय मासूम बच्ची आयुषी और मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग सीताराम भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल एमबीएस अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए इंजेक्शन रूम के बाहर लंबी कतारें लग गईं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, कई लोगों के घाव काफी गहरे थे, जिनकी ड्रेसिंग कर उपचार किया गया।

एमबीएस अस्पताल की इंजेक्शन रूम प्रभारी पूनम आडवाणी ने बताया, डॉग बाइट के 30 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। सभी घायलों को आवश्यक टीके और दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। घटना की सूचना मिलते ही नयापुरा थाना पुलिस और कलेक्ट्रेट चौकी सक्रिय हो गई। नगर निगम की रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया गया, जो संदिग्ध कुत्तों की तलाश और उन्हें पकड़ने की कार्रवाई में जुटी है।

सम्मक्का-सरलम्मा जतारा के लिए विशेष बसें, 369 बसों की व्यवस्था

मंचेरियल, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के स्वामित्व वाली टीजीएसआरटीसी ने द्विवार्षिक सम्मक्का-सरलम्मा जतारा में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से मेडाराम तक विशेष बसें चलाने की व्यवस्था की है। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, 25 जनवरी से 1 फरवरी के बीच दोनों जिलों के छह स्थानों से कुल 369 बसें चलाई जा रही हैं। इनमें मंचेरियल बस स्टेशन से 115 बसें, बेल्लमपल्ली से 79 बसें और चेन्नूर से 70 बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा मंदामारी से मेडाराम के बीच 50 बसें, श्रीरामपुर से 45 बसें और आसिफाबाद से 10 बसें संचालित होंगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः सीआरएस-इ-09-25-26, दि.20-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा निम्न विवरित निविदा संख्या की बंद करने की तिथि व समय 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण अपने मूल/संशोधित बोलियों को संबंधित बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसपर विचार नही किया जायेगा।

क्रम संख्याः 1, कार्य विवरणः निविदा सं.-सीआरएस-इ-09-25-26, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर एलएचबी काइल स्प्रिंग ओवरहालिंग हेतु रखरखाव सुविधाओं के यांत्रिकीकरण के लिए बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.34,83,503.51, बोली सुरक्षा रु.69,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 90 दिन, बंद करने की तिथिः 11-02-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/विवरण(निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः htttps://www.ireps.gov.in देखें।

सहायक विभागीय बिजली अभियंता, कैरेज रिपेयर शाप/तिरुपति

ई-निविदा सूचना संख्याः जीएनटी/इ.25 व 26/टीआरडी/2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ठेकेदारों से दि.20-02-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, निविदा शीर्षकः जीएनटी डिवीजन-डिवीजन पर सुरक्षा सहित तत्संबंधित पोरसेलन इंसुलेटर्स के साथ कम्पोजिट इंसुलेटर्स का रिप्लेसमेंट या प्रतिस्थापन। निविदा संदर्भा संख्याः जीएनटी/इ.25/टीआरडी/2025-26, दि.22-01-2026, अनुमानित मूल्य रु.40,77,216.00, पूर्व धरोहर राशिः रु.81,600.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु. शून्य

क्रम संख्याः 2, निविदा शीर्षकः जीएनटी एनडीकेडीः नल्लापाडू-बंडारूपल्ली स्टेशनो के बीच किमी 9/13-14 पर एलसी नं.06 के स्थान पर 2-लेन आरओबी का निर्माण तथा सत्तेनपल्ली-रेड्डीगुडेम स्टेशनों के बीच किमी 42/29-30 पर एलसी नं.40 के स्थान पर 2-लेन आरओबी का निर्माण-25केवी ओएचइ परिवर्तन कार्य। निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी/इ.26/टीआरडी/2025-26 दि.22-01-2026, अनुमानित मूल्य रु.44,00,229.59, पूर्व धरोहर राशि रु.88,100.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (अप्रतिदेय) रु.शून्य ।

ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 20-02-2026 के 15.30 बजे तक

यदि तदनंतर निविदा खोलने की तय तिथि को छुट्टी घोषित होती है तो निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस पर खोला जायेगा। विस्तृत विवरण हेतु दि.23-01-2026 से 20-02-2026 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें। अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/गुंटूर

निविदा सूचना संख्याः 02 से 04_डीआरएम डब्ल्यू एचवायबी 26 दि.23-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.16-02-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः02_ डीआरएम_डब्ल्यू एचवायबी _26, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनःएससी-डीएचएनइ सेक्शनः नई सेक्शन (डीकेसी-केएसएन) का छिटपुट/शेष बचा हुवा कार्य। अनुमानित मूल्य रु.3,61,90,722.00, पूर्व धरोहर राशि रु.3,31,000.00

निविदा संख्याः03_ डीआरएम_डब्ल्यू _एचवायबी _26, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-ढोने सेक्शनः (1) एसएसइ/पीवे/केसीजी क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार व उन्नयन कार्य। अनुमानित मूल्य रु.11,57,64,603.00, पूर्व धरोहर राशि रु.7,28,800.00

निविदा संख्याः04 डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _26, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः एससी-डीएचएनइ सेक्शनः क) पीएफ नं.1 पर लंबाई 255 एम हेतु केआरएनटी तथा पीएफ नं. 2/3 पर लंबाई 160एम पर सीओपी का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.7,91,35,587.00, पूर्व धरोहर राशि रु.5,45,700.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/हैदराबाद

निविदा सूचना संख्याः एलजीडी/एल/19/2025-26-ओटी, दि.23-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीइइ/एलजीडीज द्वारा निविदा सं. एलजीडी/एल/19/2025-26/ओटी-ई-टेंडर के प्रति निविदा बंद तिथि 18-02-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को यह अनुमति है कि, वे, इस निविदा की पूर्व धरोहर राशि-पूधरा (बोली सुरक्षा) को नकद रुप में ई-पेमेंट गेटवे द्वारा जमा कर सकते हैं या भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारण्टी बाण्ड द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं या इसका भुगतान निविदा दस्तावेजों में विवरित सूचनासुनार कर सकते है। यह बैंक गारण्टी बांड जोकि अनुलग्नक -VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बांड बोली वैधता से परे, 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारण्टी को, बोली की प्रस्तुति की अंतिम तिथि या डेडलाइन के 5 कार्यदिवसों के भीतर, व्यक्तिगत रुप में निविदा दस्तावेज में सूचित नुसार, नामित पदाधिकारी के सुपुर्द किया जाना चाहिए। निर्दिष्ट अवधि के भीतर ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर बिड सहित बी.जी. की स्कैन की गई कापी की अप्रस्तुति एवम् / ओरीजीनल बी.जी. की अप्रस्तुति करने पर बोली सरसरी तौर पर अस्वीकार की जा सकती है।

क्रम संख्याः1, निविदा संख्याःएलजीडी/एल/19/2025-26/ओटी, कार्य विवरणः पम्प आटोमेशन हेतु क्रीस द्वारा आयआर-एनआयवाय एएनटीआरएसी वेब पोर्टल सहित बिजली संपत्ति या एस्सेट्स की इन्टीग्रेशन हेतु क्लाउड आधारित डेटा मेनेजमेंट सिस्टम का विकास।

डीजी सेट्स हेतु आरइडीएस का प्रावधान तथा सीडब्ल्यूएस/एलजीडी पर इओटी क्रेन्स, मशीनस व ट्रैवर्सेज आदि हेतु वीवीवीएफ ड्राइव्स का प्रावधान। विज्ञापित मूल्य रु.1,35,56,148.00 (रु.एक करोड पैंतीस लाख छप्पन हजार एकसौ अड़तालीस मात्र), बोली सुरक्षा रु.2,17,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः स्वीकृति पत्र की जारी की तिथि से लेकर 12 महिने, बंद करने की तिथिः 18-02-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः उप मुख्य बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य बिजली अभियंता, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना संख्याः एस एण्ड टी/02/2026, दि.24-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता (रखरखाव) दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.19-02-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः01-एसएनटी-02-2026, कार्य विवरण (सिग्नल एण्ड टेलिकाम कार्य)- 1) मंगापट्नम (एमयुएम)स्टेशन-एमयुएम स्टेशन पर कामन लूप सुविधा सहित तत्संबंधित सिग्नलिंग व दूरसंचार व्यवस्थाएं। 2) जक्कलाचेरुवु (जेकेओ) स्टेशन- मौजूदा अप लूप लाइन की कामन लूप सुविधा हेतु नई क्रासओवर के प्रावधान सहित तत्संबंधित एस एण्ड टी व्यवस्थाएं। 3) सप्पलापाडू (एसयुपीपी) स्टेशन-अतिरिक्त लूप लाइन के प्रावधान सहित तत्संबंधित प्रस्तावित सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। विज्ञापित निविदा मूल्य रु.4,70,25,603.48, पूर्व धरोहर राशि रु.3,85,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

यदि तदनंतर निविदाओं की खोलने की तिथि को छुट्टी घोषित होती है तो निविदा को उसके अगले कार्य दिवस पर निर्धारित समय पर खोला जायेगा। आफर की वैधता जोकि तत्संबंधित खोलने की तिथि से लेकर 60 दिनोंतक है। यदि आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना हेतु शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदा शर्ते /अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/रखरखाव/गुंटकल

निविदा सूचना संख्याःजी/इ.29/ टीआर./ टेंडर नोटिस/46/2025-26, दि.23-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-76-2025-26, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः डब्ल्यूडी-जीटीएल-डीएचएनइ सेक्शन में सुरक्षा सहित नई ओएचइ स्ट्रक्चर्स सहित ट्रैक रेजिंग के कारण लर्निंग/क्रिटिकल तथा लेस्स कान्टैक्ट वायर हाइट ओएचइ स्ट्रक्चर्स का प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य रु.1,56,94,772.00, पूधरा रु.2,28,500.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-77-2025-26, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः आरयु-जीवाय-डीएमएम सेक्शन में सुरक्षा सहित नई ओएचइ स्ट्रक्चर्स सहित ट्रैक रेजिंग के कारण लर्निंग/क्रिटिकल तथा लेस्स कान्टैक्ट वायर हाइट ओएचइ स्ट्रक्चर्स का प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य रु.1,66,77,604.00, पूधरा रु.2,33,400.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 13-02-2026 के 15.00 बजे

नोटः 1. निविदा दस्तावेज को निविदाकार, निःशुल्क रुप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in कर सकते हैं।

टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241 द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः एम244-बीओबीआरएन-01-दि..23-01-26, कार्य विवरणः वैगान वर्कशाप गुंटुपल्ली, दमरे के परिसरों में बीओबीआरएन वैगान्स का पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन। मात्राः 330 वैगान्स, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु. 27,72,42,866.16 (रु. सत्ताइस करोड बहात्तर लाख बयालीस हजार आठसौ छियासठ तथा सोलह पैसे मात्र), पूधरा रु.15,36,200.00 (रु. पंद्रह लाख छत्तीस हजार दो सौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, आफर वैधः खोलने की तिथि से लेकर 90 दिन, निविदा का प्रकारः आइआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा, टेंडरींग प्रणालीः खुली निविदा-दो पैकेट, तत्समान स्वभाव का कार्यः लागू, जायंट वेंचर फर्मो की सहभागिता की अनुमतिः अनुमति है, प्राइस वेरिएशन क्लाज लागूः लागू, बोली क्षमताः लागू, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 26-02-2026 के 15.00बजे, निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्र हेतु वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें, पत्राचार हेतु डाक का पताः चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगान वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241, एनटीआर जिला, आंध्र प्रदेश

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, वैगान वर्कशाप/गुंटुपल्ली

ई-निविदा संख्याः इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-18-2025-26, दि.23-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.16-02-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1, निविदा संख्याः बी/इ.221/टीआरएस/आरसी/567 ई निविदा इएलएस-बीजेडए-ईटीएन-18-2025-26 दि.23-01-2026, कार्य विवरणःइलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर बोगी क्रैक्स, बोगी लाइनर्स की वेल्डिंग तथा अन्य वेल्डिंग गतिविधियां। कार्य पूरा करने की अवधिः24 महिने, निविदा मूल्य रु.1,37,30,351.72, पूधरा रु.2,18,700.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 16-02-2026 के 15.00 बजे

निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in में प्रकाशित निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों से सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्र को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

इस निविदा सूचना को, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय, ट्रैक्शन रोलिंग स्टाक, इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस), इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा

A2292

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

हास्य अभिनेता डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पद्मश्री

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नटकिरीटी डॉ. राजेंद्र प्रसाद ऐसे अद्भुत अभिनेता हैं जिन्होंने लगभग चार दशकों तक परदे पर मुस्कान बिखेरी है। उन्हें 'आंध्रा चार्ली चैप्लिन' और 'क्रिक गन मुरुगन' के नाम से भी जाना जाता है। अब तक 300 से अधिक फिल्मों में नायक और चरित्र अभिनेता के रूप में काम कर चुके राजेंद्र प्रसाद ने हर दौर के दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की है।

उन्होंने एनटीआर, एएनआर, कृष्णा, शोभन बाबू, कृष्णम राजू से लेकर मेगास्टार चिरंजीवी, वेंकटेश, नागार्जुन, जगपति बाबू, श्रीकांत और रवि तेजा तक सबके साथ काम किया। यही नहीं, उन्होंने बाद की पीढ़ी के प्रिंस महेश बाबू, पवन कल्याण, अल्लू अर्जुन और आज के दौर के युवा सितारों के साथ भी अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है।

जंध्याला, रिलांगी नरसिम्हा राव, ई.वी.वी. सत्यनारायण, एस.वी. कृष्णा रेड्डी और बापू जैसे महान निर्देशकों द्वारा तराशे गए राजेंद्र प्रसाद, 'नवरसों' को अत्यंत स्वाभाविकता के साथ निभाने वाले इकलौते अभिनेता माने जाते हैं।

19 जुलाई, 1956 को कृष्णा जिले के निम्माकुरु में जन्मे डॉ. प्रसाद ने आंध्र विश्वविद्यालय से सिरेमिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया, लेकिन अभिनय के प्रति जुनून उन्हें फिल्म उद्योग में ले आया।

विधायक के निर्देशों से मुनुगोडु में शराब दुकानों का संचालन प्रभावित

नालगोंडा, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु क्षेत्र में आबकारी अधिकारियों द्वारा पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिए जाने के बावजूद, स्थानीय कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के निर्देशों के बाद कई शराब दुकानों के मालिक दोपहर 1 बजे के बाद ही दुकानें खोल रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि विधायक के समर्थकों से गड़बड़ी की आशंका के चलते वे ऐसा कर रहे हैं। शुक्रवार शाम को विधायक के समर्थकों ने संस्थान नारायणपुर में दो शराब दुकानों के पास यातायात पुलिस से शराब पीकर वाहन चलाने की जांच करवाई। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों की जांच रिपोर्ट सकारात्मक आई, जिससे दुकानदारों में दहशत फैल गई।

विधायक ने दुकानदारों को निर्देश दिया था कि वे दोपहर 1 बजे के बाद ही दुकानें खोलें और ग्राहकों को शाम 6 बजे के बाद ही परमिट वाले कमरों में प्रवेश दें। समर्थकों के साथ टकराव और कारोबार में नुकसान के डर से दुकानदार इन निर्देशों का पालन कर रहे हैं। घाटे से परेशान होकर दुकानदारों ने आबकारी विभाग से संपर्क किया। इसके बाद शुक्रवार को संस्थान नारायणपुर में दुकानों के समय को लेकर विधायक के समर्थकों और आबकारी अधिकारियों के बीच विवाद भी हुआ।

एक शाम पाबूजी महाराज के नाम का जागरण 27 को

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एल.बी.नगर बंडलागुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर प्रांगण में समस्त नायक समाज विकास समिति समाज बन्धुओं के सानिध्य में एक शाम पाबूजी महाराज के नाम जागरण मंगलवार 27 जनवरी सायं 9.15 बजे भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

विज्ञप्ति में अध्यक्ष अशोक दायमा ने बताया कि एक शाम पाबूजी महाराज के नाम प्रथम जागरण पुजा-अर्चना कर भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मरुधरा की भूमि से पधारे भजन गायकार जोगराजसिंह राठौड़, पारस देवड़ा, चौथाराम चिरपटिया व विशाल श्रीमाली भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियो का विशेष सम्मान किया जाएगा। भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष अशोक दायमा, सचिव तरुण दायमा, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौहान, उपाध्यक्ष दिनेश पंवार, सहसचिव रमेश देवड़ा, सलाहकार पारस सिंदल व सभी कार्यकर्ताओ का विशेष सहयोग रहेगा। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

श्री देवनारायण भगवान का भव्य जागरण सम्पन्न

देव भक्तों का उमड़ा जन सैलाब

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुलापुरमेट देवधाम कवाड़पल्ली स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर में श्री देवनारायण वीर गुर्जर समाज ट्रस्ट हैदराबाद तेलंगाना समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय श्री देवनारायण भगवान के 1114वें जन्मोत्सव पर 24 जनवरी को भव्य जागरण व 25 जनवरी को पूजा-अर्चना व महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष देवीदत्त कोली ने बताया कि हर वर्ष की भांति देवधाम कवाड़पल्ली समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री देवनारायण भगवान के 1114वें जन्मोत्सव पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार 24 जनवरी प्रात:वेला में मंदिर को विशष फूलों व लाईटिंग से सजाकर, ज्योत प्रज्वलितकर रात्रि 8.15 बजे से भोजन-प्रसादी व 9.15 बजे से भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें रतन गुर्जर फलौदा ने देवनारायण भगवान के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने देर रात तक नाचते गाते हुए लाभ लिया। जागरण के मध्य बोलियों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथि सिकन्दर यादव, अशोक जिन्दल, अध्यक्ष देवीदत्त कोली, पत्रकार परबत सोलंकी एवं विभिन्न संस्थाओं के अतिथिओं का समाज के पदाधिकारियों ने राजस्थानी परमपरा से विशेष सम्मान किया।

सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष देवीदत्त कोली ने विष्णु अवतार गुर्जर समाज के अराध्यदेव भगवान श्री देवनारायण भगवान के जन्मोत्सव में पधारे समाज बन्धुओं को शुभकामनाएं दी एवं समाज बन्धुओं द्वारा भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा मे दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया एवं समाज बन्धुओं से निवेदन किया कि समाज बन्धु अपना मंदिर समझकर 30 जनवरी को आयोजित होने वाले प्रथम वार्षिकोत्सव मे सहयोग करे।

25 जनवरी प्रात: वेला में समाज बन्धुओं ने श्री देवनारायण भगवान की तस्वीर पर पुष्प-हार, प्रसाद व श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए भोजन-प्रसादी का सपरिवार लाभ लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे समाज बन्धुओं व सभी कार्यकर्ताओ का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का विशेष कवरेज परबत सोलंकी व मंच का संचालन चेनाराम गुर्जर ने किया। अध्यक्ष देवीदत्त कोली के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

नवीन बिहारी बने अध्यक्ष

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेयूपी राजपूत सेवा संघ की बैठक में नवीन बिहारी सिंह को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बैठक में निवृतमान अध्यक्ष ललन सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह एवं महासचिव धनंजय राज सिंह, कोषाध्यक्ष एम.बी. सिंह, आनंद सिंह, संजय सिंह, डी.के.सिंह, प्रवक्ता के.के. सिंह, हरिशंकर सिंह उर्फ पप्पू सिंह, सचिन, रविन्द्र, गणपत सिंह आदि बडी संख्या में संघ के कार्यकर्ता व सदस्य उपस्थित थे।

भारत ने 10 ओवर में 154 रन चेज किए

न्यूज़ीलैंड को 8 विकेट से तीसरा टी-20 हराया, अभिषेक की 14 गेंद पर फिफ्टी

गुवाहाटी, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 154 रन का टारगेट 10 ओवर में ही हासिल कर लिया। रविवार को गुवाहाटी में अभिषेक शर्मा ने महज 14 गेंद पर फिफ्टी लगाई। बरसापारा स्टेडियम में पहले खेलते हुए न्यूज़ीलैंड 153 रन ही बना सका। भारत ने 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

अभिषेक ने 68, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 57 और ईशान किशन ने 28 रन बनाए। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। न्यूज़ीलैंड से ग्लेन फिलिप्स ने 48 रन बनाए। मैट हेनरी और ईश सोढी को 1-1 विकेट मिला।

भारत ने तीसरा टी-20 जीतकर 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त भी बना ली। इसी के साथ टीम इंडिया ने लगातार 11वीं टी-20 सीरीज जीत ली। भारत ने पहला मैच 48 रन और दूसरा मैच 7 विकेट से जीता था। चौथा मुकाबला 28 जनवरी को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

भारत की सबसे तेज टीम फिफ्टी :

भारत ने 3.1 ओवर में ही टीम फिफ्टी पूरी कर ली, यह टीम की सबसे तेज टी-20 फिफ्टी रही। 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 3.4 ओवर में हाफ सेंचुरी पूरी की थी।

ईशान किशन 28 और संजू सैमसन खाता खोले बगैर आउट हो गए। मैट हेनरी और ईश सोढी को 1-1 विकेट मिला।

अभिषेक ने भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। 2007 में युवराज सिंह 12 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं। अभिषेक ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ फास्टेस्ट फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। डेविड वॉर्नर 20 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं।

न्यूज़ीलैंड को लगातार 5वीं टी-20 सीरीज हराई :

भारत ने अजेय बढ़त बनाकर न्यूज़ीलैंड को लगातार पांचवीं टी-20 सीरीज हरा दी। न्यूज़ीलैंड ने 2019 में भारत को आखिरी बार अपने होमग्राउंड पर हराया था। टीम भारत में एक भी टी-20 सीरीज नहीं जीत सकी।

टीम इंडिया ने दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से आखिरी बार सीरीज ड्रॉ खेली थी।

तब से टीम 9 द्विपक्षीय सीरीज के साथ 2 टूर्नामेंट जीत चुकी है। भारत को आखिरी सीरीज हार भी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी। इसके बाद से भारत को लगातार 15 टी-20 सीरीज में हार नहीं मिली।

दमरे आरपीएफ की आईजी सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर को राष्ट्रपति पदक

दक्षिण मध्य रेलवे के तीन अन्य कार्मिकों को भी पुलिस पदक

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की निरीक्षक महानिदेशक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर को उनके विशिष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए 77वें गणतंत्र दिवस- 2026 के अवसर पर राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, आरपीएफ, दक्षिण मध्य रेलवे के तीन अन्य कार्मिकों उत्तम कुमार बंद्योपाध्याय, सहायक सुरक्षा आयुक्त, रवुला श्रीनिवास, उप निरीक्षक, आरपीएफ, महेश्वर रेड्डी कर्नाटी, हेड कांस्टेबल/आरपीएफ को भी उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक प्रदान किए गए।

सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर वर्ष 1993 बैच की सिविल सेवा अधिकारी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत सहायक सुरक्षा आयुक्त, हावड़ा-I डिवीजन के रूप में की। यह एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण पदस्थापन था, जिसमें उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करते हुए हावड़ा स्टेशन को असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों से मुक्त कराने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उप मुख्य सुरक्षा आयुक्त के रूप में उन्होंने जबलपुर/पश्चिम मध्य रेलवे, झांसी/उत्तर मध्य रेलवे तथा हावड़ा डिवीजनों में सेवाएं दीं। पश्चिम मध्य रेलवे में उनके कार्यकाल के दौरान वर्ष 2008 में सुरक्षा दक्षता शील्ड प्राप्त हुई, जबकि झांसी डिवीजन में वर्ष 2010 एवं 2011 में यात्री सुरक्षा तथा सुरक्षा शील्ड प्राप्त किए गए। डीएससी/हावड़ा-I के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ड्रगिंग अपराध में संलिप्त 13 अपराधियों को गिरफ्तार कराया, 228 दलालों को पकड़ा तथा रेलवे अधिनियम के अंतर्गत 2,16,191 अपराधियों पर कार्रवाई कर 5.79 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया। दक्षिण मध्य रेलवे की प्रमुख के रूप में उन्होंने आधुनिक तकनीक एवं व्यक्तिगत निगरानी के माध्यम से ट्रेन संचालन, यात्री एवं रेलवे संपत्ति अपराध, प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी, मानव तस्करी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण सुनिश्चित किया। महिला टीमों के उत्कृष्ट कार्य के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा आंतरिक महिला दिवस पर शक्ति टीम को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के एससीआर दौरों के दौरान उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्थाएं उनके सूक्ष्म नियोजन एवं पर्यवेक्षण में सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। उन्हें वर्ष 2015 में भारतीय पुलिस पदक (सराहनीय सेवा), तीन बार डीजी इंसिग्निया, जीएम मेडल एवं मेरिट प्रमाण पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है। उत्तम कुमार बंद्योपाध्याय ने विभाग में 29 वर्षों की निष्कलंक एवं गौरवपूर्ण सेवा पूर्ण की है। वर्तमान में वे आईजी-पीसीएससी/आरपीएफ/दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद के स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने चिकित्सकीय रूप से अयोग्य घोषित कर्मियों के समायोजन, अनुकंपा नियुक्ति, कल्याण विषयों एवं न्यायालयीन मामलों के त्वरित निपटान में उत्कृष्ट योगदान दिया। उन्हें वर्ष 2012 में सर्वश्रेष्ठ जांच हेतु रेल मंत्री पदक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें तीन बार जीएम पुरस्कार, डीजी इंसिग्निया एवं अनेक प्रशंसाएं प्राप्त हुई हैं। आर. श्रीनिवास वर्ष 1999 में कांस्टेबल के रूप में बल में शामिल हुए। अपने 25 वर्षों की सेवा में उन्होंने उत्कृष्ट अनुशासन एवं निष्ठा बनाए रखी। आउटडोर प्रशिक्षक के रूप में उन्होंने कई एसआई कैडेट्स एवं रंगरूटों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कई कुख्यात गिरोहों, अपहरणकर्ताओं एवं नशाखोरी अपराधियों के विरूद्ध सफल अभियानों का नेतृत्व किया। उन्होंने 11 अंतरराज्यीय चोरी गिरोहों एवं 13 अंतरराज्यीय गांजा तस्करों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सक्रिय भूमिका से 7.34 करोड़ मूल्य की संपत्ति बरामद की गई। के. महेश्वर रेड्डी अत्यंत समर्पण एवं दृढ़ निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में वे एनालिटिकल डेटा मैनेजमेंट सेल (एडीएम), डीएससी/विजयवाड़ा में कार्यरत हैं। उन्होंने सीआईबी/विजयवाड़ा एवं अन्य पदस्थापनों में अपराध नियंत्रण एवं खुफिया संग्रह में उत्कृष्ट कार्य किया। उनकी सूचना के आधार पर 57 दलालों एवं एक रेलवे कर्मचारी की गिरफ्तारी हुई तथा 3.39 लाख मूल्य के टिकट जब्त किए गए। स्क्रैप घोटाले से संबंधित मामलों में 2.50 लाख मूल्य की रेलवे सामग्री बरामद कर पांच कर्मचारियों की गिरफ्तारी की गई। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने राष्ट्रपति पदक एवं पुलिस पदक प्राप्त करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा रेलवे एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण एवं सेवा भावना की सराहना की।

राष्ट्रपति और पुलिस मेडल से सम्मानित हुए हैदराबाद के अधिकारी

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हैदराबाद पुलिस और होम गार्ड के अधिकारियों को विभिन्न सम्मानों से नवाजा गया। राष्ट्रपति सेवा मेडल (पीएसएम) के लिए एम.जी.एस. प्रकाश राव (अतिरिक्त एसपी, आईएसडब्लू इंटेलिजेंस) और अन्नू दामोदर रेड्डी (एसआई, सीआई सेल इंटेलिजेंस) को चुना गया। मेरिटोरियस सेवा मेडल (एमएसएम) से बी. सुमति, आईपीएस (अईजीपी, एसआईबी, इंटेलिजेंस), पी. वेंकट रामुलु (कमांडेंट, 13वीं बटालियन टीजीएसपी), अत्तलुरी भानु मूर्ति (अतिरिक्त कमांडेंट, 8वीं बटालियन टीजीएसपी, कोंडापुर), एम. शंकर (डीएसपी, ईओडब्लू, सीआईडी), के.वी.एम. प्रसाद (डीएसपी, टीजीसीएसबी), सी. वंशी मोहन रेड्डी (डीएसपी, पीसीएसएंडएस), टी. लक्ष्मी (डीएसपी, पीटीसी, अंबरपेट), वी. पुरुषोत्तम रेड्डी (आरआई, 5वीं बटालियन टीजीएसपी, चालवाई), बी. येल्लैया (एसआई, वेमुलवाडा पीएस), सैयद अब्दुल करीम (एसआई, सीआई सेल इंटेलिजेंस), बी. आनंदम (एसआई, पेगडपल्ली पीएस, जगतियाल) सम्मानित किए गए है। होम गार्ड के लिए मेरिटोरियस सेवा मेडल से बुरानोल्ला रेनुका (डब्लूएचजी ग्रेहाउंड्स), मासराम रवि (एचजी ग्रेहाउंड्स), पित्ताकला जंगैया (एचजी ग्रेहाउंड्स) सम्मानित हुए है। साहसिक सेवा मेडल मारी वेंकट रेड्डी, हेड कॉन्स्टेबल, साइबराबाद से सम्मानित किए गए है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्डकप छोड़ा तो पीएसएल की एनओसी छिनेगी

आईसीसी ने चेतावनी दी; पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट से हटने के संकेत दिए

खेल डेस्क, 25 जनवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी बोर्ड पाकिस्तान को इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरी तरह अलग-थलग करने की तैयारी में है। उसे भविष्य की सभी द्विपक्षीय सीरीज और एशिया कप से बाहर कर सकता है।

आईसीसी बोर्ड के सदस्यों के बीच ऐसी पॉलिसी लाने पर विचार हो रहा है, जिससे विदेशी खिलाड़ी पाकिस्तान सुपर लीग में हिस्सा न ले सकें। इसके लिए संबंधित देशों के क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट देना बंद कर सकते हैं।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने बांग्लादेश का समर्थन करते हुए टूर्नामेंट से हटने के संकेत दिए। दरअसल, बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर भारत में वर्ल्ड कप खेलने से मना कर

दिया था, जिसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया।

बांग्लादेश की मांग 14 देशों ने खारिज की

बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने मैच श्रीलंका में कराने और ग्रुप बदलने की मांग की थी। गुरुवार को हुई आईसीसी बोर्ड की मीटिंग में 16 में से 14 देशों ने बांग्लादेश की इस मांग को खारिज कर दिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश को फैसला बदलने के लिए एक दिन का समय दिया था, लेकिन उनके न मानने पर उन्हें यूरोपियन टीम (स्कॉटलैंड) से रिप्लेस कर दिया गया।

मोहसिन नकवी बोले- हम सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे

मोहसिन नकवी ने कहा था, आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ गलत व्यवहार किया। हम अब सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, अगर उन्होंने मना कर दिया तो हम भी टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे।मोहसिन नकवी ने द डॉन वेबसाइट को बताया-

आईसीसी की मीटिंग में भी मैंने इस मुद्दे को उठाया। आप किसी के साथ दोहरा व्यवहार नहीं अपना सकते। यहां एक देश को उसकी मर्जी का वेन्यू मिल जाता है, लेकिन दूसरे देश को हटाया जाता है। पाकिस्तान बोर्ड बांग्लादेश के साथ खड़ा है। हमारा कहना साफ है कि जब आप पाकिस्तान और भारत को न्यूट्रल वेन्यू दे सकते हो तो बांग्लादेश को क्यों नहीं।

नकवी ने कहा- हम प्रधानमंत्री के लौटने का इंतजार कर रहे हैं। तभी हम फैसला लेंगे कि वर्ल्ड कप खेलना है या नहीं। हम अपने प्लान- ए, बी, सी और डी पर काम करेंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से हटा दिया। उनकी जगह अब स्कॉटलैंड को मौका मिल गया। टीम ग्रुप-सी में बांग्लादेश की जगह सभी मैच खेलेगी।

सुरक्षा से खुश नहीं था बांग्लादेश बोर्ड

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मांग थी कि उनके प्लेयर्स को भारत में खतरा है, इसलिए उनकी टीम के मैच श्रीलंका में कराए जाए। आईसीसी ने सुरक्षा में कोई कमी नहीं बताई और बांग्लादेश को भारत में ही खेलने की हिदायत दी। बांग्लादेश फिर भी खेलने के लिए नहीं माना, इसलिए आईसीसी ने उन्हें यूरोपियन टीम से रिप्लेस कर दिया

मुस्तफिजुर को बाहर करने के कारण विवाद हुआ

16 दिसंबर के आईपीएल ऑक्शन में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा। कुछ दिनों बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई और 7 हिंदू युवकों की हत्या भी कर दी गई।

भारत में संतों और राजनीतिक पार्टियों ने हिंदू युवकों की हत्या का विरोध किया। उन्होंने कहा कि केकेआर को बांग्लादेशी प्लेयर्स को नहीं खिलाना चाहिए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने फिर केकेआर से कहा कि वे मुस्तफिजुर को हटा दे। 4 जनवरी को केकेआर ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम से रिलीज कर दिया।

मुस्तफिजुर को हटाए जाने के बाद बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर बैन लगा दिया। जिसके बाद बीसीबी ने कहा कि उनके खिलाड़ियों को भारत में खतरा है। इसलिए उनके वर्ल्ड कप मैच श्रीलंका में कराए जाए। बांग्लादेश की इस मांग को आईसीसी ने खारिज किया और उन्हें टूर्नामेंट से बाहर ही कर दिया।

वर्ल्ड कप विजेता कप्तानों को पद्म श्री अवॉर्ड

रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर को मिला बड़ा सम्मान

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने रविवार को 2026 के पद्म पुरस्कारों की घोषणा की, जिसमें पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री श्रेणियों के तहत 131 नागरिक सम्मानों को मंजूरी दी गई। इस सूची में सार्वजनिक जीवन, कला, सिनेमा, साहित्य, खेल और जनहित से जुड़े कई प्रमुख नाम शामिल हैं। इस साल पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कारों को मंजूरी दी गई है। ऐसे में खेल की फील्ड में पद्म श्री अवॉर्ड

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री अवॉर्ड मिलेगा। रोहित ने भारत को अपनी कप्तानी में आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जितवाई है। भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है। इसलिए, उन्हें अब पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

वर्ल्डकप छोड़ने की धमकी के बीच पाकिस्तानी टीम का ऐलान

सलमान आगा कप्तान, बाबर आजम की वापसी

लाहौर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम का ऐलान कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें पीसीबी हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और पुरुष चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद, पाकिस्तान के T20 कप्तान सलमान अली आगा और व्हाइट-बॉल हेड कोच माइकल जेम्स हेसन मौजूद रहे।

सलमान अली आगा को कप्तान बनाया गया है। जबकि बाबर आजम, फखर जमान और शाहीन शाह अफरीदी जैसे सीनियर्स को भी चुना गया है। पाकिस्तानी टीम पहला मैच 7 फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगी।

6 खिलाड़ियों को पहली बार वर्ल्ड कप का मौका

इस टीम में 6 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्हें पहली बार वर्ल्ड कप के लिए चुना गया है। इनमें फहीम अशरफ, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साहिबजादा फरहान और उस्मान तारीक शामिल हैं।

अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमान, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, साइम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान और उस्मान खान 2021 के बाद से एक या उससे अधिक T20 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्डकप की तैयारी करेगी पाकिस्तान वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी। यह सीरीज गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर में 29 और 31 जनवरी तथा 1 फरवरी को खेली जाएगी। टीम का तैयारी कैंप आज से शुरू हो रहा है।

पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया

20 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में हर टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी। इसके बाद सुपर-8 और नॉकआउट स्टेज खेले जाएंगे। पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत के साथ रखा गया है।

पाकिस्तान का स्क्वॉड

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा मोहम्मद नफे (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) और उस्मान तारीक।

बिना कोई मैच जीते सुपर-6 में पहुंच गई न्यूजीलैंड, अब पाकिस्तान से होगी टक्कर

बुलावायो, 25 जनवरी (एजेंसियां)। किसी भी खेल में आगे बढ़ने के लिए जीत जरूरी होती है. मगर अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप 2026 में एक क्रिकेट टीम ऐसी रही, जो बिना कोई मैच जीते ही टूर्नामेंट के अगले राउंड में पहुंच गई. उसने टूर्नामेंट के सुपर सिक्स में अपनी जगह पक्की कर ली है. हम बात कर रहे हैं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की. अंडर 19 वर्ल्ड कप में ऐसा नहीं है कि न्यूजीलैंड ने मुकाबले नहीं खेले. उसने 3 मुकाबले खेले मगर एक भी जीत नहीं पाई. बावजूद इसके सुपर सिक्स में पहुंच गई.

कैसे बिना मैच जीते सुपर-6 में गई न्यूजीलैंड?

अब सवाल है कि मुकाबला खेली और जीती नहीं, उसके बाद भी न्यूजीलैंड की अंडर 19 टीम ने टूर्नामेंट के सुपर-6 में जगह कैसे

बना ली? न्यूजीलैंड ने पहला मुकाबला 18 जनवरी को यूएसए के खिलाफ खेला था, जो कि बारिश के चलते धुल गया और जिसके चलते दोनों टीमों को 1-1 अंक बांटने पड़े.

इसके बाद दूसरा मुकाबला न्यूजीलैंड का 20 जनवरी को बांग्लादेश के साथ हुआ और वो भी बारिश में धुल गया. नतीजा यहां भी 1-1 अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा. ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में न्यूजीलैंड टीम का सामना अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत से हुआ, जिसमें उसे 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

लेकिन, भारत से मिली हार का न्यूजीलैंड की सेहत पर असर नहीं पड़ा. ग्रुप स्टेज पर खेले 3-3 मैचों के बाद न्यूजीलैंड के यूएसए से 1 अंक ज्यादा रहे और वो सुपर सिक्स में जगह बनाने में कामयाब रही. अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप में 16 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया, जिसके हर ग्रुप से टॉप की 3 टीमों को सुपर सिक्स में जगह मिलनी है. न्यूजीलैंड को उसी का एडवांटेज यूएसए से एक अंक ज्यादा होने के चलते मिला जो कि भारत और बांग्लादेश के साथ ग्रुप बी में मौजूद है.

सुपर-6 में पाकिस्तान से न्यूजीलैंड का पहला मैच

ग्रुप स्टेज पर बिना कोई मैच जीते सुपर सिक्स के लिए क्वालिफाई करने के बाद न्यूजीलैंड को अब सबसे पहले पाकिस्तान की चुनौती का सामना करना है. ये मुकाबला 27 जनवरी को हरारे में खेला जाएगा.

आर्यना सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

मेलबर्न, 25 जनवरी (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 बेला रूस की आर्यना सबालेंका और मेंस सिंगल्स के वर्ल्ड नंबर-1 ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। रविवार को मेलबर्न के रॉड लेवर एरेना में खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में उन्होंने कनाडा की 19साल की खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 6-1, 7-6(1) से हरा दिया। इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मैच के दौरान सबालेंका ने अपना दबदबा दिखाया हुए लगातार 22वां टाइब्रेकर जीतने का अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

वहीं, कार्लोस अल्काराज ने रविवार को मेलबर्न पार्क के रॉड लेवर एरेना में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में अमेरिका के टॉमी पॉल को 7-6(6), 6-4, 7-5 से

मात दी। इस जीत के साथ ही अल्काराज टूर्नामेंट में अब तक खेले गए सभी 12 सेट जीतने में कामयाब रहे हैं। वे लगातार तीसरे साल इस टूर्नामेंट के अंतिम-8 में पहुंचे हैं।

सबालेंका ने 31 मिनट में जीता पहला सेट,दूसरे में मिली टक्कर

मैच की शुरुआत में सबालेंका पूरी तरह से हावी नजर आईं। उन्होंने महज 31 मिनट में पहला सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। हालांकि, दूसरे सेट में 17वीं सीड म्बोको ने जबरदस्त वापसी की। एक समय सबालेंका 4-1 से आगे चल रही थीं, लेकिन म्बोको ने उनकी सर्विस ब्रेक कर स्कोर बराबर कर दिया और गेम सेट टाईब्रेकर में पहुंचा, जहां सबालेंका ने म्बोको को कोई मौका नहीं दिया और 7-1 से टाईब्रेकर जीतकर मैच अपने नाम किया।

आर्यना सबालेंका टेनिस सर्किट में 'टाइब्रेकर स्पेशलिस्ट' बनकर उभरी हैं। पिछले मैच में अनास्तासिया पोटापोवा को दो टाइब्रेकर में हराने के बाद, आज की जीत के साथ उन्होंने लगातार 22 टाइब्रेकर जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। इसमें से 19 टाइब्रेकर उन्होंने पिछले साल जीते थे।

सबालेंका बोलीं ने 19 साल की म्बोका की तारीफ की। उन्होंने कहा,'इतनी कम उम्र में म्बोको कितनी शानदार खिलाड़ी हैं। टूर पर इन बच्चों को उभरते हुए देखना अविश्वसनीय है। उन्होंने आज मुझे कड़ी टक्कर दी।

पूर्व स्पिनर अब्दुल कादिर के बेटे पर रेप का आरोप

लाहौर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज लेग स्पिनर अब्दुल कादिर के बेटे सुलेमान कादिर पर रेप का आरोप लगा है। यह आरोप उनके घर पर काम करने वाली हाउस मेड ने लगाया है।

पुलिस के अनुसार, हाउस मेड ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि वह सुलेमान कादिर के घर में काम करती थी और आरोपी ने उसे जबरन अपने फार्महाउस ले जाकर उसके साथ रेप किया।

महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने सुलेमान कादिर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद यौन उत्पीड़न की पुष्टि की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि कानून के तहत आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

41 साल के सुलेमान कादिर ने 2005 से 2013 के बीच 26 फर्स्ट क्लास और 40 लिस्ट-ए मैच खेले हैं। वह अब्दुल कादिर के चार बेटों में से एक हैं। वे अब लाहौर में कादिर क्रिकेट अकादमी चलाते हैं।

अब्दुल कादिर पाकिस्तान के पूर्व स्टार क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 67 टेस्ट और 104 वनडे मैच खेले थे और 1980 के दशक में लेग स्पिन गेंदबाजी को नई पहचान दिलाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। उनका निधन सितंबर 2019 में हुआ था।

अंडर19 विश्व कप के इतिहास में जापान ने पहली बार जीता मैच, 5 साल पहले किया था डेब्यू

ओवल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में जापान अंडर-19 टीम ने ऐतिहासिक जीत हासिल की. 15वें और 16वें स्थान के प्लेऑफ मुकाबले में जापान ने तंजानिया अंडर-19 टीम को 9 विकेट से मात दी. यह जापान की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है. दूसरी ओर, तंजानिया की टीम पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं जीत सकी. इस मैच में जापान की टीम की ओर से कमाल का खेल देखने को मिला. गेंदबाजों के साथ-साथ बल्लेबाजों ने भी टीम की जीत में अहम योगदान दिया.

में खेले गए इस मैच में तंजानिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी. लेकिन पूरी टीम 38.3 ओवर में 131 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. टीम के ओपनर एक्री ह्यूगो ने एक अच्छी शुरुआत दी और 77 गेंदों पर 55 रन बनाए. उनके अलावा आयान शरीफ ने 89 गेंदों पर 40 रन जोड़े. दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे विकेट के लिए 79 रनों की मजबूत साझेदारी की. 81 के स्कोर पर ह्यूगो आउट हुए, फिर 118 पर शरीफ का विकेट गिरा. इसके बाद तंजानिया की टीम पूरी तरह लड़खड़ा गई और आखिरी 7 विकेट सिर्फ 13 रनों पर गंवा दिए.

जापान की गेंदबाजी में निहार परमार ने कमाल दिखाया. उन्होंने 10 ओवर में 1 मेडन के साथ 30 रन देकर 4 विकेट झटके. उन्होंने शरीफ, अगस्टिनो म्वामेले, सिम्बा एमबाकी और रेमंड फ्रांसिस को आउट किया. निखिल पोल ने भी 6 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए. वहीं, चार्ली हारा-हिन्जे ने 2 विकेट चटकाए. दोनों ने मिलकर तंजानिया के मिडिल ऑर्डर को तबाह कर दिया. जवाब में जापान की शुरुआत मजबूत रही. निहार परमार और टेलर वॉ ने पहले विकेट के लिए 122 रनों की शानदार साझेदारी की, जो 27 ओवर तक चली. परमार ने नाबाद 53 रन , जबकि वॉ 90 गेंदों में 47 रन बनाकर रन आउट हुए. इसके बाद ह्यूगो तानी-केली ने आते ही चौका और छक्का जड़कर मैच खत्म कर दिया. जापान ने 28.2 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 136 रन का स्कोर बनाकर जीत हासिल की. परमार को उनकी ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. जिन्होंने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी कमाल की.

एसए20 फाइनल में प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स के बीच भिड़ंत

खेल डेस्क, 25 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग एसए20 के चौथे सीजन का फाइनल मुकाबला आज न्यूलैंड्स के मैदान पर प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच खेला जाएगा। डिफेंडिंग चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने अब तक हर सीजन में फाइनल में जगह बनाई है और टीम लगातार दो बार खिताब जीत चुकी है। वहीं, प्रिटोरिया कैपिटल्स लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची है और रविवार को अपने पहले खिताब के इरादे से मैदान में उतरेगी।

एसए20 लीग की इनामी राशि आईपीएल के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्राइज मनी मानी जाती है।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लीग स्टेज में शानदार प्रदर्शन करते हुए पॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल किया था, जबकि प्रिटोरिया कैपिटल्स दूसरे स्थान पर रही। हालांकि, पहले क्वालीफायर में प्रिटोरिया ने सनराइजर्स को हराकर सीधे फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद सनराइजर्स ने दूसरे क्वालीफायर में पार्ल रॉयल्स को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 10 पारियों में 372 रन बनाए हैं। वहीं, प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए शेरफेन रदरफोर्ड सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने 9 पारियों में 317 रन बनाए। गेंदबाजी की बात करें तो प्रिटोरिया कैपिटल्स के कप्तान केशव महाराज एसए20 2026 में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 11 मैचों में 11 विकेट चटकाए हैं। दूसरी ओर, सनराइजर्स ईस्टर्न केप के एनरिक नॉर्टिया 17 विकेट के साथ टीम के टॉप विकेट टेकर हैं।

कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स की अगुवाई में सनराइजर्स ईस्टर्न केप लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंची है। टीम के पास खिताब बचाने के साथ-साथ ऐतिहासिक हैट्रिक बनाने का सुनहरा मौका है। फाइनल से पहले स्टब्स ने कहा,'फाइनल हमेशा रोमांचक होता है। हम अपनी पुरानी रणनीति पर कायम रहेंगे और परिस्थितियों के अनुसार खेलेंगे। हमारी कोशिश विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखने की होगी।'

अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ एक गलती विश्व चैंपियन गुकेश को पड़ी भारी ?

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ बड़ी चूक कर बाजी को गंवा दिया। गुकेश मुकाबले के दौरान ब्लाइंड स्पॉट में फंस गए और उन्होंने ऐसी गलती कर दी जिससे उबरना काफी मुश्किल था। नाटकीय घटनाओं से भरे दिन में गुकेश ने गलत चाल चल दी और फिर हार मान ली। वह मुकाबले में बने रह कर संभावित ड्रॉ की ओर बढ़ सकते थे।

शतरंज में इसे ब्लाइंड स्पॉट कहा

जाता है, जब किसी खास क्षण में खिलाड़ी कुछ सेकंड के लिए यह समझ ही नहीं पाता कि बोर्ड पर वास्तव में क्या हो रहा है। ग्रैंडमास्टर बनने के बाद गुकेश के करियर में यह पहली बार हुआ और उनके प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि यह आखिरी बार ही साबित हो। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम की इसी तरह की चूक का फायदा मिला और वह मुकाबले से आधा अंक निकालने में सफल रहे। अर्जुन एरिगेसी ब्लूबाउम के खिलाफ लगभग हार की कगार पर पहुंच चुके थे। ब्लूबाउम ने इस साल के अंत में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर सबको चौंकाया था। किस्मत ने अर्जुन का साथ दिया और ब्लूबाउम भी एक तरह के ब्लाइंड स्पॉट का शिकार हो गए। खेल का विश्लेषण कर रहे विशेषज्ञों द्वारा बताए गए आसान जीत के क्रम को वह नहीं खोज पाए और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जिससे अर्जुन ने राहत की सांस ली।

आर प्रज्ञानंद की जीत की तलाश भी इस 13 दौर की लंबी प्रतियोगिता के मध्य चरण में जारी रही। भारतीय खिलाड़ी को हाल ही में फॉर्म में लौटे स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव ने ड्रॉ पर रोक दिया। उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव भी इस बार जटिल स्थितियों को अपने पक्ष में नहीं मोड़ सके और छठे दौर के एक अन्य अहम मुकाबले में अरविंद चिदंबरम ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया।

समाज बन्धुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई शुभकामनाएँ
अध्यक्ष सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
एवं कार्यकारिणी सदस्या सीरवी महिला मंडल तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
मोहनलाल हाम्बड़ — सुगीदेवी हाम्बड़
C.Mohanlal Choudhary Jewellers
Kushaiguda ✲ Keesara, Hyderabad

समाज बन्धुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
अध्यक्ष सीरवी शिक्षा समिति तेलंगाना पारसीगुटा
एवं कार्यकारिणी सदस्या सीरवी महिला मंडल तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
(सुरेश पंवार, महेन्द्र पंवार)
लाबुराम पंवार — जीमनीबाई पंवार
एल. राजेन्द्र ज्वैलर्स, सनतनगर, हैदराबाद
एल. राजेन्द्र ज्वैलर्स, निजामपेट रोड़, हैदराबाद

समाज बन्धुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
नारायणलाल काग
सचिव सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
Jai Ambe Jewellers Ram Nagar
Pavan Enterprises Kukatpally
DS Egnite Fitness Vanasthalipuram

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
मांगीलाल काग
संरक्षक सीरवी समाज जीडीमेटला
(कालूराम काग गोभक्त)
भवानी सिल्वर पैलेस राजु कॉलनी बालानगर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
: सलाहकार : जसवन्त देवड़ा
सलाहकार सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
: अध्यक्षा : सुशीला देवड़ा
अध्यक्षा सीरवी महिला मंडल तेलंगाना पारसीगुटा
J.N. Paints & Hardware TowliChoki
Mahalaxmi Marketing Manikonda

समाज बन्धुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
कार्यकारिणी सदस्य
सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
एवं सीरवी महिला मंडल तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
सरस्वती ग्रूप (गोल्ड एंड सिल्वर शोरुम)
पॉट मार्केट सिकंदराबाद
किशनलाल राठौड़ — अनिता राठौड़

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दूस्तां हमारा हमारा...सारे जहाँ से अच्छा...
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
प्रभुराम परिहारियां
संरक्षक सीरवी समाज कोरेमुला
महालक्ष्मी ज्वैलर्स, घटकेसर

सभी समाज बन्धुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
अमराराम परिहार
कार्यकारिणी सदस्य सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
SHREE RAMA MARKETING
CHOUDHARY HARDWARE
Prashanth Nagar, Bandlaguda, Kalimandir, Hyderabad

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
दिल हमारे एक है एक है हमारी जान,
हिन्दुस्तान हमारा है, हम है इसकी शान
गुलाबसिंह राजपुरोहित
युवा बी.आर.एस. नेता
त्रिभुवन ज्वैलर्स अमीरपेट, हैदराबाद

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा, हम बुलबुले है उसके वो गुलसितां हमारा
शंकरसिंह राजपुरोहित (Dilsuknagar)
कार्यकारी अध्यक्ष तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स सिकंदराबाद
डायरेक्टर दी ए.पी. महाजन कॉरपोरेटिव
उर्बन बैंक लि. घासमंडी रोड़ सिकंदराबाद

गणतंत्र दिवस की बधाई
प्रकाश सेपटा
सचिव सीरवी समाज
एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन
श्री गणेश एजेन्सीज
एल.बी.नगर, रिंग रोड़ के पास, हैदराबाद

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
मोहनलाल चोयल
सहसचिव, सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन
हनुमान प्लाईवुड, चन्द्रा ज्वैलर्स एल.बी.नगर

गणतंत्र दिवस की बधाई
लक्ष्मणराम परिहार
कोषाध्यक्ष
सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन
Nirmal Kumar Jewellers,
Saidabad, Hyderabad.

गणतंत्र दिवस की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ
Happy Republic Day
सोहनलाल परिहार
उपाध्यक्ष-1 सीरवी समाज जीडिमेटला
श्री पद्मा ट्रेडर्स, चिंतल

ashirvad®
by aliaxis
सम्मानित ग्राहको एवं समाज बन्धुओं को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
Water Storage Tank
Built on quality, trust, and a legacy spanning over two decades.
दुनिया के सबसे अधिक बिकने वाले CPVC पाईप्स एवं फिटिंग्स uPVC कॉलम पाईप्स
: Ashirvad Distribution Partner :
:प्रबंधक:
SRI JAI BHAVANI MARKETING®
HYDERABAD & WARANGAL
महेन्द्र चौधरी, Ph.No: 94400 67447
96761 36053, 93984 75203

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
कैलाश सारण
उपाध्यक्ष जाट समाज ट्रस्ट हैदराबाद तेलंगाना
दिव्या ज्वैलर्स एंड पॉन ब्रोकर्स एन.टी.आर.नगर हैदराबाद

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
धर्माराम कड़वा
कोषाध्यक्ष
वीर तेजा नवयुवक मंडल भोनगिरी
सलाहकार जाट समाज ट्रस्ट हैदराबाद
जय गणेश ज्वैलर्स मैन रोड़ भोनगिरी

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ
ओमप्रकाश चाँदौरा
पूर्व अध्यक्ष कृष्णा कुमावत समाज बडंगपेट
देवी किराणा स्टोर नागरगुल
सरुरनगर मंडल हैदराबाद

समाज बन्धुओं व शुभचिंतकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएँ
श्रीमती गौरीदेवी काग
पंचायत समिति सदस्या रायपुर
चेलाराम काग
उपाध्यक्ष-1 सीरवी समाज शमशाबाद
(हेमा ज्वैलर्स राजेन्द्रनगर हैदराबाद)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री चौधरी टेक्सटाईल (होलसेल एंड रिटेल)
राजस्थानी वेश, ओरणा, फैन्सी साड़ियां, न्यू ड्रेस मटेरियल, शुर्टिंग-शर्टिंग, जयपुर बेडशीट, सोलापुर चद्दर, टुवाल, राजस्थानी चुन्दड़ी साफा, धोती करोड़पती लहंगा
बाटा शोरुम के पीछे, सुभाष रोड़, सिकंदराबाद
सुरेश चौधरी
9440491077, 9502631077

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.